रसचन्द्रोदय व रसहरि

जिसमें

परकिया, स्वकिया, उत्तमा, सामान्या, मध्यमा, लघुमा, धीरा, अधीरा आदि अष्ट नायका भेद व शृंगार करुणा, रौद्र, भयानक, वीर, बीभत्स हास्य, अद्भुत, भूषणादि शोभा आदि नव रस रसिक काव्य उत्तम उत्तम दोहा छन्द कवित्त आदि में श्री राधा कृष्ण चरित वर्णित हैं ॥

जिसको

श्रीमत् गुणि गण मण्डली मण्डन महाराजाधिराज श्री कुशलसिंह बीरेश मवावाँ ग्राम निवासी की आज्ञानुसार श्री कवि कुल शिरोमणि श्री उदय नाथ व श्री शिव नाथ द्विवेदी ने निर्माण किया ॥

वही

सम्पूर्ण रस रसिक विलासियों व श्री परब्रह्म सच्चिदानन्द श्री कृष्णाचन्द्र आनन्द कन्द के रहस्य उपासकों के मनोरञ्जनार्थ

पहली बार

स्थान लखनऊ

विज्ञप्ति

इस महीने अर्थात् जुलाई सन् १८८१ ई० पर्य्यन्त जो पुस्तकें बेचने के लिये तय्यार हैं वह इस फ़ेहरिस्त में लिखी हैं और उन का मोल भी बहुत किफ़ायत से घटाकर लिखा है परन्तु व्यापारियों के लिये और भी सस्ती होंगी जिन को व्यापार की इच्छा हो वह छापेखाने के मुहतमिम अथवा मालिक के नाम खत भेज कर क़ीमत का निर्णय करलें॥

नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
भाषा (इतिहास)	२ सभा पर्व्व	मय तसवीर व क्षेपक	लिंग पुराण
महाभारत .	३ बन पर्व्व	रामायण तुलसीकृत	विष्णु पुराण
१ पहिले हिस्सा में	४ विराट पर्व्व	सातों काण्ड	गरुड़ पुराण प्रेतकल्प
आदि पर्व्व सभा पर्व्व	५ उद्योग पर्व्व	१ बाल काण्ड	ब्रह्मोत्तरखण्ड
बन पर्व्व	६ भीष्म पर्व्व	२ अयोध्या काण्ड	कालिंजर माहात्म्य
२ दूसरे हिस्सा में	७ द्रोण पर्व्व	३ आरण्य काण्ड	**नाटक**
विराट पर्व्व उद्योग प-	८ कर्ण पर्व्व	४ किष्किन्धा काण्ड	प्रबोधचन्द्रोदय
र्व्व भीष्म पर्व्व द्रोण	९ शल्य पर्व्व व गदा	५ सुन्दर काण्ड	रामाभिषेक
पर्व्व	पर्व्व सौप्तिक पर्व्व मय	६ लङ्का काण्ड	आनन्द रघुनन्दन
३ तीसरे हिस्सा में	योशिक व विशोक	७ उत्तर काण्ड	**वेदान्त**
कर्ण पर्व्व शल्य पर्व्व	व स्त्री पर्व्व	रामायण शब्दार्थ को	योग वाशिष्ठ
गदा पर्व्व सौप्तिक पर्व्व	१० शान्ति पर्व्व राजध	रामायण का इतिहास	आनन्दामृतवर्षिणी
योशिक पर्व्व विशोक	र्म्म व आपद्धर्म्म व मो	रामायण मानसदीपिका	सांख्यतत्त्वकौमुदी
पर्व्व स्त्री पर्व्व शान्ति	क्ष धर्म्म व दान धर्म्म	रामायण कवितावली	**काव्य**
पर्व्व में राजधर्म्म आ	११ अश्वमेध आश्रम	रामायण गीतावली स-	सूरसागर
पद्धर्म्म मोक्षधर्म्म	वासिक पर्व्व व मौशल	विनयपत्रिका बा- मो-	कृस्नसागर
४ चौथे हिस्सा में	पर्व्व महा प्रस्थान स्व-	विनयपत्रिका बा- रि-	विश्रामसागर
शान्तिपर्व्व दानधर्म्म	र्गारोहन	**वैद्यक भाषा**	प्रेमसागर
अश्वमेध आश्रम बा-	१२ हरिवंश पर्व्व	निघण्ट	चन विलास बड़ा व छोटा
सिक पर्व्व व मौशल	रामायण रामविलास	अमरविनोद	कृसप्रिया
पर्व्व महा प्रस्थान	रामायण तुलसीकृत	वैद्यजीवन	विजयमुक्तावली
पर्व्व स्वर्गारोहन प-	रामायण सटीक मय	औषधि संग्रह कल्प-	अनेकार्थ
र्व्व हरिवंश पर्व्व	मानसदीपिका कोष	वल्ली	छन्दोर्णव पिंगल
महाभारत पर्व्व अले-	आदि	अमृतसागर बड़ा	कविकुलकल्पतरु
हदा भी हैं	तथा जिल्द बन्धी	तथा छोटा	रसराज
१ आदिपर्व्व	तथा मोटे अक्षरों की	वैद्यमनोत्सव	सतसई मूल तथा स-

श्रीगणेशायनमः ॥

रसचन्द्रोदय ग्रंथलिख्यते ॥

कबित्त ॥ ग्रंथपरिपूरणकेतूरनबिघनहारीमुकुताकेचूरनजवाहिरजुवानके पराअपराकेवैखरीके मध्यगाकेप्रतिभाके भेदसंधी अनुबंधीकबितानके भनतकबीन्द्र प्रतिदिननयेनयेकटैं न्यारेन्यारे प्यारनहूंरसकेनिधानकेबानीकेबरणयुगपरेतेचतुरमुखहोतहैंचतुरमुखबानीकेसमानके १ ॥ अथ ग्रंथप्रशन्सा ॥ दो० ॥ बाणिदीन्ह्यो बुद्धिबरभयोग्रंथबिस्तारतिबिनोदरसग्रंथको सुनिरीझैंसंसार २ रसिकचकोरनकोसदा सूझिपरैरसपंथ तातेरच्योकवीन्द्रयह रस चन्द्रोदयग्रंथ ३ कविकुलकुमुदअमंदमति प्रफुलितहैंचहुंकोद पढ़ै बढ़ैआनंदलहै उलहै उदयबिनोद ४ राहमुकुतिगतिकीनहीं यह औरैरसराह करिसराहचरचाचतुर चाहकरैनरनाह ५ तत्र शृङ्गार रसे प्रथमतो नायका निरूप्यते ॥ भागभरी यौवनभरी रतिरस भरी निहारि पियजियकीसुखदायका यहैनायकानारि ६ उदाहरण ॥ क० ॥ चलतमरालनकीमहिमाघटावैबैनबोलत अचैनकरैप्रभुता पिकनकी मुसक्यातसुधाकोसुहागसोसकेलिलेति बरनसोजीतै सुंदराईसुबरनकीभनतकबीन्द्रवाकीनिरखिसुघरताईपाईहैदृगन बड़ाईडीटिपनकी मनतेनभूलतिभुलावैमनहींकोवहचहचहे चखनकीलहलहे तनकी ७ दो० ॥ आलम्बनश्रृंगारके दम्पतिदरश उदार प्रथमहिं बरणौंनायका पुनिनायकनिरधार ८ इति प्राचीन सम्मतिसाच त्रिबिधा स्वीयापरकीया सामान्या चेतिस्वीया लक्षण ॥ दो० ॥ मृदुतासमताशीलतापतिसेवनसन्तोष स्वीयातासोकहतहैं जामें दोषनरोष ९ क० ॥ क्षितसमताकीपरमित मृदुताकीकिधौंता

कीहै अनीतिसौतिजानताकीदेहकी सत्यकीसताहै शीलतरुकी लताहैरस्ताहैकबिनीतिपरनीतिनिजनेहकी भनतकवीन्द्रसुरनर नागनारिनकी शिक्षाहैकिइच्छारूपरक्षनअक्षेहकी पतिव्रतपारा-वारवारीकमलहैसाउतासैलाहै कीकलाहै कुलगेहकी ॥ १० ॥ स्वीया त्रिविधा मुग्धा मध्या प्रगल्भाच मुग्धा लक्षण ॥ दो० ॥ जामें यौ-बनकी झलकसैसबसहितदेखाति मुग्धातासों कहतहैं जेप्रबीण कबिज्ञाति ॥ ११ ॥ क० ॥ पथऐड़िनअरुणाईअंगओपतिगुराई जंघयुगलनितम्बपीनताईपकरतिहै कटिखीनताईलरिकाईलीन ताईमुखचन्दमेंजोन्हाईजोतिजालबगरतहै भनतकवीन्द्रपरिखिअं-कुर उरोजनके पियहियप्रेमके खजानेसेभरतहै कुंवरिकेतनतरु-णाईकी अवाती पेखिसौतिनके मननमिवातीसेपरतहै ॥ १२ ॥ मुग्ध चतुर्धाकी वैससन्धि यथा ॥ क० ॥ यौबनकनकलरिकाईकीबन करतीडारीमैनकेरघेरसूधेभौंहभालको भनतकबीन्द्रसोविसन्धि केउतारेपलाजोतिनमें झलझलारूपजोतिजालको देहकोदराबी फाबी उतारीहिसाबीतौलतौलतसुनारमैनकौतुकबिशालको खीं-चैबीचअबहींदुइदिनते देखोमनसुईलौरह्योहै ठहराई ठीकबाल-को ॥ १३ ॥ अज्ञात यौबना लक्षण ॥ दो० ॥ यौबनआयोगात में जानिपरतनहिंजाहि सोअज्ञातलघुयौबना कहतसुकबिसब ताहि १४ ॥ क० ॥ पैजनीपगनचुवैकंजनकरनचारुछोटीसीनथूली बड़ेमोतिनकीसोहीहै सारीओढ़नीकीजरतारीसीदिखानलागीछो-टीघांघरीमेंघेरवारीजेबजोहीहै भनतकवीन्द्ररंगहोनलागेअंगनमें शिशुतामेंयौबनकीजोतिअवरोहीहै तोहीमेंउरोजनकेअंकुर उठन लागेतोहीतूनिहारि जानिपरतनतोही है ॥ १५ ॥ ज्ञातयौबना मुग्धा लक्षण ॥ दो० ॥ यौबनआयोगातमें यहजानतिजोबाम ज्ञात यौबनाकहतहैंताकोकबिकुलनाम १६ ॥ क० ॥ गौनेकेसुदिनगुन गौरितेरेसासुतेरे शुभघरीशोधिकैसंदेशोलिखिआयोहै हालऐसे

कालसोनिहालकरुणाहै जाइ चाहै सुनिसुनिकैचतुरचैनपायो है कालिहहीउघारेसीसफिरतिसखी नमध्यभणतकबीन्द्रआजुऔरै रंगछायोहै आंचरकोकरिबोअचानकहोमेरीआलीमैंनहीं सिखायो तोहिंमैंनहींसिखायोहै १७ ॥ अथनवोढालक्षण ॥ दो० ॥ पराधीनरति लाजडरछांहोंछुवलभगाइताहिनवोढ़ाकहतहैं जिनकेरसिकसुभाइ १८ क० ॥ आलीकेलिमंदिरमेंल्याईछलबलकरिप्यारेपेखिपकरी उछरिपर्यंकतेभणतकबीन्द्रकैसेथिररहैथोरीबैसपारदकीरदकीचप लताईशंकते नीबीकरधारिरहीञ्जनक्वणारिरहीछलकपसारिरही बदनमयंकतेलालभुजभरीबालऐसीतरफरीहालजालकैसोसफरी उछरिपरीअंकते १९ ॥ अथविश्रब्धनवोढालक्षण ॥ दो० ॥ लाजकोप कोमलसडरनवभूषणरुचिअंग दुबिधहोतविश्रब्धतेवहैनवोढ़ाअंग २० ॥क०॥मुखमोरुखफेरेदेतिघूंघुटनछोरेदेतिचूमियोनभोरेदेतिब- दनमयंककोलाजतेनचूनरीलपेटतिनगोवैहरेहरेगरेरोवैहिंटैहिल- किनअंककी भणतकबीन्द्रलालकरकेपरसहोतधरतेमिटैनसरसाई बालशंककी जकरिजकरिजंघैसकरिसकरिपरै पकरिपकरिपाणि पाटीपर्यंककी २१ ॥ अथमध्यालक्षण ॥ दो० ॥जाकेतनमेंजगमगै लज्जामदनसमान ताकोमध्याकहतहैं जेकबीन्द्र मतिमान२२क० मुखसोलगतमुख सोहेनकरतिरुख लाजकामसमताबपुषमें पगी रहैरतिकेबिलासउरअंतरबसावैपैप्रकाशनकरतिरंगप्रेमकेखगीर- है केलिकथाकथ्यकहैंउत्तरुनदेतिताकोझूठेनैनमूदेहोंससुनैकीलगी रहै प्यारेकोजगोहेजानि वोढ़ेपटतानितानिलगीरहैउरजोलौपल- कलगीरहै २३ ॥ प्रौढालक्षण ॥दो० ॥ पतिसोकेलिकलानिकेप्रगटै रंगअनेक तासोंप्रौढ़ाकहतहैं जेकबिबुद्धिबिवेक २४ ॥ क० ॥ रंग मगीसेजपर जगमगीशोभाचारुमणिमयमंदिरमयूखनअथाह की उदयनाथतामेंप्राणप्यारी और प्राणप्यारोलालकोककीकलानि करतसराहकी किंकिनीकीनीकीधुनि नूपुरननादसुनि सौतिनके

बाढ़तबिषादबादगाहकी त्रिभुवनजीतिकै उछाहकीबजतिमानों नौबतिरसीलीमन्मथबादशाहकी २५॥ पुनः ॥ राधाबनमालीसंग करतअनंगरंगढरत चहूंधाबासफूलनकढेरकी उदयनाथसुकबिसु-हाईसखीश्रौननिकोकिंकिणीझनककामनौबतिसीजेरकी मोतिन कोहारुचारुअटकोकुचनतरे लटक्योडुलतिकियेशोभाघनेघेरकी पांतिपांतिह्वैकैनक्षत्रसबैदेतमानों पुण्यहेतपूरणप्रदक्षिणासुमेर-की २६॥ अथप्रौढ़ाकीबिपरीतिबर्णन ॥ क० ॥ दंपतिसुरतिबिपरीति कोरमंतमतकोककीकलानिकेअखिलअवधारेहैंभणतकबीन्द्र बिहं-सतबतरातसरसातअंगअंगनिअरंगरंगभारेहैं उचतेललाटतेसमे-तबेनामांगमोतीऐसेकेशपासनपैपरेउलझारेहैं बदननक्षत्रपतिक्ष त्रपतिहुकुमतेकूदेमनोंतमैंपैकतारेबांधितारेहैं२७॥ पुनः ॥ अरसोहे नैनाकरिकरिसोहेमुसकात त्योंत्योंअकुलातज्योंज्योंहोतहेलेप्रात री दोऊवैपररुपरपीवतअधररसचूमिचूमि चटकीलेमुखजलजात री भणतकबींद्रभरिभरिअंकह्वैनिशंकनेहभरदोऊफिरिफिरिबात श्रातरी बिछुरनकाजरीदुहूंकेगातबीतेदोऊलपटिलपटिजातनेकुन अघातरी ॥ २८॥ अथप्रौढ़ाकी सुरतांतको उदाहरणम्॥ क० ॥ करि रतिरंगपतिसंगते सलोनीप्रातउठि अंगरातओपउलहीअपारहैं भनतकबींद्रटूटेसकलशिंगारहैन सौतिसुखहारहेनिहारेटूटेहारहैं छबिरहीललितकपोलनपैपीकलीकबलितनखक्षतउरोजनिआगा-रहैं मुरिरहीबेसरिसिकुरिरहीसारीअंगफुरिरह्योआलसबिथुरिर-हेबारहैं॥ २६ ॥ अथमानरीति धीराधीरलक्षण ॥ दो० ॥ त्रिबिधिमा नमैंद्वैगनोमध्याप्रौढ़ावाम धीराबहुरिअधीरपुनि धीराधीरानाम ३० धीराबोलैव्यंगसोबिनहीव्यंगअधीर धीराधीराकेगनौव्यंगा व्यंगशरीर ३१ बचनचातुरीसोरचैमध्याधीराशेष मध्यअधीरकु बैनकहिभरैकोपकोकोप ३२ मध्याधीराकेबचनअतिरूदितरिस रोस प्रौढ़ाधीरारुखरचैरतिउदासपियपास ३३ प्रौढ़अधीराके

कटैतर्जनताजड़तीर रतिउदासताड़नसहितप्रौढ़ाधीराधीर ३४ मध्याधीरा यथा ॥ क० ॥ गुंजरतभौंरनकेपुंजतिनकुंजनतेआयेहौभयोश्रमआवतकोजातको आंखिनतेउलहीललाईपरैआलसकीअंगनतेउमगैथकेलौअंगिरातको भणतकबींद्रघामग्रीषमदुपहरीको तिक्षनलग्योहैतनपरबिनबातको पंकजकेपातकोपवनकरौप्राणप्यारेपौढ़ौपर्यंकमेंपसीनोमिटैगातको ३५ ॥ मध्याधीरा यथा ॥ सवैया॥कुंजनिकुंजनिकौतुकहेतुफिरौतुमश्रीफललेतसुढारेबागनबेधतकामहमैंभरिकोपकसीसनिकानकिनारेपीवतहौतुमतोमदिराहमपैमदमोहनजातसम्हारे लालजगेकितहूतुमरैनिभयेद्दगआलसलालहमारे ३६ ॥ मध्याधीराधीरा ॥ यथा ॥ सवैया ॥ मंजुलकुंजते आयेहौआजुबिलोकिलतानकीबेषबहारैं भौंरनिके भरेभार निहारचहूंदिशिचारुसुगंधपसारैं भागभलेतिनकेसुकबींद्र जे रावरेकीरसरीतिनिहारैं योंकहिकैतियनैननितेतरराइचलींअंशुवान कीधारैं ३७ ॥ प्रौढ़ाधीरा यथा ॥ क० ॥ जागीहैतमासेमेंकिपागी रोसरासेमें किलागीमित्रवासे चित्तचाहचितचाहेते भणतकबींद्र शशिबाहनकेगरब कैधौंगाहनकेदौरीहै उमाहनउमाहेते जावकजपामाननावककेबानपेखि पावकप्रमानउपमान अवगाहेते लालहूतेलालओगुलालहूतेलालआजु लाललालआंखैंईभईहैंलालकाहेते ३८ ॥ प्रौढ़ाधीरा ॥ यथा ॥ क० ॥ परतीकेदेखिबेकोपरतीसीलेतिआंखै हमसोनजोरौडीठिनीठिकैनिहारेहै परेहैंसुभाइ जैसेजिनकेकबींद्रजहां तैसेनिर्बाहिबेको परततिन्हैंभारेहै दाबे पगपाइपाइदाबतहमारेआइ सिखापाइसिखायेन औटपाइडारेहै काल्हिमारितारेआजुवेसईनिहारेनाह युवाज्योंनछोड़तजुवारिजुवाहारेहै, ३६ ॥ प्रौढ़ाधीराधीरा ॥ कहरयेभयेहौहरिताके क्योंन जाहुजाके हराकेहिंडोरमध्यनायकह्वेझूलेहो इतैगलबाहींडारि होतगरपरेवकिवाकेगरेपरे तऊमौनतन्तूलेहौ भणतकबींद्रंभारे

भोगीहौंनिपटकारे टदेहवेपरतसकिलौंनअनकूलेहौ सोवननदेत हमआनि दुखदेतसोतिहारीकेसिखाये सौतिहारीतुमभूलेहौ ४० अथज्येष्ठाकनिष्ठाकोउदाहरण ॥ दो० ॥ कहिजेष्ठाअरुकही बहुरिकनिष्ठा नारि छहौंभेदधीरादियेइनहूंमेंनिरधारि ॥ ४१ ॥ पतिकीप्याही कुलबधू ज्येष्ठाबहुरिकनिष्ठ बढ़िसनेहघटिनेहते बरणतरसिकअ विष्ठ ॥ ४२ ॥ अथधीराज्येष्ठाकोउदाहरण ॥ क० ॥ दोऊयेकठौरजहां बैठीहैंजलजमुखीप्यारोतहांआयोधीरताईतकिनेहकी नेहसरसाई निरसाईनछपाईछपैसमताईसुलहकीकहुकज्योंमेंहकीभणतकवीं- द्रंरंगभेदहीमेंअंगद्युति येकरंगदेखिपरीदुहुनकीदेहकी पीरीसारी दैकैलालएकवहराई घहिराईलालसारी लालसारी जासेंनेहकी ४३ ॥ अथअधीराज्येष्ठाकनिष्ठाकोउदाहरण ॥ क० ॥ दोऊशिरसाजेराजे चित्रितमहलमध्यबागकीवनकजहांजोहैजोहैंजालसों भणतकवीं- द्रतहांकामहूतेअभिरामआयेसरसायेश्यामसुखमाबिशालसों ला- लवारीबेंदीबालवारीअलसेटेपटघूंघुटकेलागतेउचटिपरीभालसों आरसीसंवारिकेंनिहारिदेनलागीयकनेहलागी तौलगिलपटिला- गीलालसों ॥ ४४ ॥ अथधीराअधीरा ज्येष्ठाकनिष्ठाको उदाहरण क० ॥ धीरजअधीरजकोनीरजनयन दोऊयेकठौरबैठीआयोतितहीरंगी- नोहै पंचमीबसंतकीहै सुमनगुलाबीयहईशपेचढ़ावेकह्योअबही नबीनोहै येकत्रापठाईजोलोंआवेठीकठाईतौलौंभणतकवींद्रकंत ऐसोमतकीनोहै जोरिअंकअंकसोंमरोरिकुचप्यारेलालतौलौंबाल- दूजीकोअरिरसलीनोहै ४५ ॥

इतिश्रीकबिकुलकुमुदानन्दबर्द्धनेश्रीगोपीजनबल्लभरहस्ये उदयनाथकबींद्रबिरचितेबिनोदचंद्रोदयाख्येकाव्यकुल बधूबर्णननामप्रथमः प्रकाशः ॥ १ ॥

दो० ॥ प्रीतिकरैपरपुरुषसोंप्रगटहोतसोजान परकीयातासों कहतजेकबींद्रमतिमान १ परकीयाकेभेदद्वैबरणतकबिनरनाह ऊढ़ाकहियतव्याहितासोअनूढ़बिनब्याह ॥ २ ॥ राजैरसमय रीतैंसीबरषासमयरीचढ़ीचंदलानचैरीचकचौंधाकौंधावारैरी अती वतहारैहियपरतफुहारेकछुछोड़ैकछुधारैजलधरजलधारैरी भणत कबींद्रकुंजभौनपौनसौरभसोकौनकोकपाइकैपरावोहाथपारैरीका- मकेतुकासेफूलडोलिडोलिडारैमनऔरैकरिडारैयेकदंबनकीडारैरी ३ ॥ अनूढ़ा ॥ वाहीठौरलालकछुखेलतहैख्यालजहां बालको गमनआगमनदिनरातिहै जानतनसखीसखालखीलखादुहुनकी लाजमयीनईयों लगनसरसातिहै उदयनाथप्यारोइतै न्यारोगात बैठोउतैघातगहेप्यारीकछुन्यारीअठिलातिहै एंचिकरिआंचरउरो- जउकसोहेकरिभौहैंकैलगोहेतिरछौहेतकिजातहै ॥ ४ ॥ लाल नकोपीजरानिहारिकरलालनके बालहाथपटैलैरुखाईभरै रतिवै भणतकबींद्र नैनखंजनसचावै दोऊधावैफिरिआवैनेह जेरीभरै नितवै दोऊमुसकातसोहै देखतसकातदोऊ जानतनघात कोऊ जातकितकितवै सुरुखकेमिसप्योसुरुखराखैवाहि बासुवाकीवो- रचाहिवासुवाकिवोरचितवै ५ ॥ गुप्ता ॥ दो० ॥ प्रथमकियोऔ करैगीकियोकरैगीताहि तीनोरतिगोपणकरैंगुप्ताकहियेताहि ६ ॥ क० ॥ सेकपाइलेनकोगुलाबकीबढ़ीहैंडारैंबारीकीमजारीशीशहूते अधिकाईहै फूललेतकरतेबिछूटिछतियामेंअटैछुटैछतियातेफटैब- सनबनाइकेखण्डतअधरभौरजपाकेकुसुमजानिकगठकितहोतगात जातछेदछाइके ननदजेठानी ठकुरानीभईबैठीरहैं मोहीकोनदेखि देहिमोहीकोपठाइहै ७ ॥ अथ परकीया भेद ॥ दो० ॥ सुरतगोपना त्रिबिधहैद्विबिधिबिदग्धानारि लछिताअरुकुलटाबहुकहियेसुकबि बिचारि ॥ ८ ॥ अनुसयानकात्रिबिधिगनिमुदिताएकगनाव पर कीयामेंहीगनौयेसबअन्तरभाव॥ ९ ॥ क्रियाबिदग्धायथा ॥ यथा ॥ बा-

सरनबीतैनयनाभरिभरिरीतैप्यारीचढ़ै न अटारीऔकढ़ैनापांउगेह ते भग्गातकबींद्रकैसेदेखैदुरिशांवरेकोझांवरेबदनहोतदेखेबिनदेहते खिरकीनदीनीताकीपियसुधिकीनीतियअतिपरबीनीछीनीछलबल छेहते कुंजीकुंजमन्दिरकीपतिहिदेखाइराखे कुलुफदुरायघदुराय केसनेहते १० ॥ पुनः ॥ कुलुफहिरानोजानिपतिबाकेतुरतहीखि- रकीमुदाइलीन्हीचूनोईंटचुनिकै छोटीहीदिवालसोबिलंदकैउठा- यलीन्हीफांदिबेकोफालुरहोकाहूकानझुनिकै मैलोशशिकहिनिज नाहतेनिरालीपरीभग्गातकबीन्द्रचैनचातुरीकोगुनिकै पाहरूकेमिस प्यारेकहोजागोजागोप्यारीद्वारेकेकेवारखोलिदीन्हेटेरसुनिकै ११

अथवा विदग्धा ॥ शहरमझावतपहरएकलागिजैहैबस्तीकेछोरमें स- राइहैउतारेकी भग्गातकबीन्द्रमगमांझहीपुरैगीसांझखबरिउड़ानीहै बटोहीद्वैकमारेकीघरकेहमारेपरदेशकोसिधारेतातेदयाकरिबूझैंह- मरीतिराहवारेकी करकेनदीकेबरबसकेतरेतूबसचौंकैमतिचौकीइहां पाहरूहमारेकी १२ ॥ अथ लक्षिताथथा ॥ तेरेक्योंछिपायेछिपैछापे दारअंगियामेंअंतरगुलाबीजोलगायोरंगबागको रदछदऊपरदरद सरहदयेरीरदकरिसकैकौनलाग्योरदभागको बातबनिआईप्यारे भीजतबचाईप्रीतिप्रगटीसोहाईसुखपायोनेहलागको लालकीकु- सुम्भीलालपागदागवारीवहैसखिकहेदेतहैकिशोरीअनुरागको १३

अथ कुलटा यथा ॥ छिनुकुदुवारेछिनुआवतवसारेछिनुचौवारेकेवारे नयनसैननिसजतहैऔरगहनेनकेगहककोगनावेजाकीआठहूपह- रक्षुद्रघंटिकाबजतहै उपपतिमण्डलीकेमण्डलकीमण्डतिसरतिके चमण्डनितनेकुनजरतिहै मैनमदछाकीरीतिदेखिकरिजाकीकेती सासहूसजाकीपैकुजाकीनातजतिहै १४ ॥ पुनः ॥ फेरतिअनोट पीछेहेरतितिरीछेबालगैलमेंकरतफैलछैलकोदेखाइकै बातकहिबे केमिससजनीकोठाढ़ीकरैरजनीमिलापकोठेकानोठहराइकै भग्गात कबीन्द्रसासुननदकेआगे ऐसीसूधीह्वैरहतिमानोंरूंधीहैउपाइकै

नयननके डोरेबांधियौबनकेजोरेमनुलेतहैंमरोरेकुचकोरेदरशाइकै १५ ॥ अनुशयनालक्षण ॥ दो० ॥ थानुबिघट्टनहोतहींदेखिदुखितजो होइ पहिलीसोनुसयानकाताहिकहतकबिलोइ १६ ॥ यथा ॥ अरहरपकीताकीथरहरिपरीप्यारीबरहरिआनिकैहरहरिभाष्योहै सूनोगेहपरोहोपरोसरोसोजानिऊने उरआनिमनदूनोंअभिलाष्योहै भनतकविन्द्रवाहिकछुवैसोहातहैनवाहीवोर द्रगनपियूषमान्योचाष्योहै सनबनसूखेकटेऊंखौसूखिजातपरिचेतमनवाके मनवाकेखेत राष्योहै १७॥२दो० ॥जाकेथानअभावकीशंका उरसरसाइसोनुसयानादूसरीकहतसकलकबिराय१८॥ यथा ॥बिचकिलबल्लिकाकी माधुरीसुमल्लिकाकी येलाकीलवंगकीअनेकक्यारीन्यारीहैं चम्पककीचंदनकीमौलेशिरीवृंदनकीबलितलतानसोमिलतसाखासारी हैं भनतकवीन्द्रमतिदेखिकरैमृगनयनी तेरेहेतलाईहमखबरिअगारीहैं गहगहीगुलवारीसुन्दरसुगुलवारीतेरे सासुरेमेंसुनीकैयोफुलवारीहैं १९ ॥ अनुशयना ॥ ३ दो० ॥ पियआवेंसंकेतते दुखित होइलखिताहि सोनुसयानातीसरीबरणतसुकबिसराहि २० ॥ ॥ स० ॥ कुंजनतेमगआवतगावत रागबनावतदेवगिरीको सो सुनिकैवृषभानसुता तलफैजिमिपंजरजीवचिरीको मारथकैनहिं नैननिते सजनीअंशुवानकीधारझिरीको मारमनोहरनंदकुमारके हारहियेलखिमौलशिरीको २१ ॥ अथ मुदिता लक्षण ॥ दो० ॥ चितहितकोहेरेहिये मुदितहोइजोबाम परबनिताकेभेदमें मुदितताकोनाम २२ ॥ स० ॥ सासुरेआईसरोजमुखीबिरुखीरुख माइकेकेसुखथाके पासपरोसकेभौनकेकोनलखीखिरकीनिजभौनकेनाके ब्योंतुबन्योहितकोहितचाहिचढ्यौचितुआनन्द वृंदकेचाके फूलिगयेकुचकंचुकीजूटिगयेबंदटूटितराकितराके २३ ॥ क० ॥ सासुरेकीमालिनिअशीषकैसोहागभागपहिरायो चौसेरचबेलीको उनतही रावरेमहलपरोसकोसुमेंद्योसबीतै वाकेमोहिंफूलनचुन-

तही सुचितसकेतभोनिकेतके निकटसरसानोसुखछंदमन्दगुननि गुनतही माइकेकीबिरहकीजरदीरदीके मुखलालीचढ़ीबालकेखु-शालकेसुनतही २४ ॥ अथ मानलक्षण ॥ दो० ॥ उपजैपियअपरा-धतेतियहियरोषकृशानु छुटैनजोउद्योगबिन तासेकहियतमानु २५ सिद्धकुतूहलतेछुटै लघुकरिताहिबखानि बचनशपथमध्यम मिटैपाइपरेगुरुजानि २६ ॥ लघुमान ॥ क० ॥ आगेह्वैकटैजोआ-निताहिदेखेकहादोषदेखेदोषलागतदुहूंकीअंखियानको भणतक वीन्द्रतेरेरंगकोछकयौरीछैल ताहिफैलभावैकैसे आनबनितानको त्यौरीकोचढ़ाइरहीत्यौरीतूअयानमहाप्योरीहोततोबिनबिरोधीपं-चबाणको होरीकीनिहोरीगोरीखेलैबरजोरीफागुबौरीकिरिबौरीक-हाऐसेसमयमानको२७॥ मध्यममान ॥क०॥पासहीपरोसकेनिका-सबासएकैठौरकहांलौंबचावैरीपरसमिलिजानमें शंखचक्ररेखको फलाफलबिचारबेकोहाथकोदेखायोप्यारेपरस्यौंनिदानमें भणत कवीन्द्रयहैदेखितूरहीहैरूठिकैसीतूअहीरीपगमोहनकेप्राणमेंउ-ठिचलुहाहाभटूतो सोमहालटूलालकहा ऐसेमानकोगुमानबनि-तानमें २७ ॥ स० ॥ गंगलसैमुकताहलमालकलाशशिकीन-खरेखसोहाई कंचुकीबंदजटाझलकै मिलिचन्दनलेपबिभूतिरु-हाई आनबधू अभिधानकेमानमेंजोमुरिऐंठतिठानिकुहाई आपने तोकुचशंभुकेशीसमेंहाथधराइकराइदोहाई २८ ॥ अथगुरुमान यथा ॥ आनबधूपगजावककोभइलालकीलालवैभालतटीहैं ते लखिकेसखिबालहियेबिरहानलज्वालठटीप्रगटीहै नाहकीवो-रतकीतियनैननियोरसरंजितडीठिवटीहैं ग्रीषमकैरविकी किरणै अरुणैमनोकंजनतेउचटीहैं ३० ॥ दो० बैनकहेसजनीनहूपीतम परसेपाइ लघुमध्यमगुरुमानकोछूटिगयोसमुदाइ ॥ ३१ ॥ अथअन्यसंभोगदुष्यता ॥ आनबधूसंभोगसो दुखितहोइजोबामअन्य संभोगदुष्यता ताकोबरणतनाम ३२ ॥ क० ॥ छूटिगयोचन्दन

उरोजनकोऔरनतेछूटीनैनकोरनिकैकज्जलकराईहै भणतकबीन्द्र कणिटकितदेहद्युतिभईछुटिगईनईअधरनितेललाईहै पीरीपरिगई हैकपोलनकीथलीअलकनझलकनकीऔजौलौअधिकाईहै जितैहौ पठाईताबिसासीपैगईनदीसी औरकितहूतेतूनदीसीन्हाइआईहै ३३ ॥ अथ वक्रोक्ति गर्विता ॥ दो० ॥ प्रेमरूपकेगर्वतेताकोद्विविधि बिवेकप्रेमगर्बिताएकअरुरूपगर्बिताएक ३४ ॥ प्रेमगर्विताथया ॥ सखिकन्तभलेतिनकीतियवैनितभूषणजेपहिरेईरहै तनअन्तरसो उतरावनकोपियमेरेकेनैनअरेईरहै मणिमाणिकमालअमोलनिसो सुकबीन्द्रमजूसभरेईरहै गहनोपहिरैनहिं पावतिहौंगहनेमहनेसे धरेईरहै ३५ ॥ अथरूपगर्विता यथा ॥ क० ॥ मुखकोमयंककहै सोतौहैकलंकभरयौलंककहैकेशरीजकैनपशुजानिकै गातकोकहत जातरूपकेसमानउपमानपंकजातकरचरणप्रमानिकै भणतकबी-न्द्रयहै औगुनहैमोमेंकहौसुनिचुपरहौकहौबचननकानिकै सुन्दर सलोनेमेरेअंगनकोनाहमेरेनाहकबखानत न जानतबखानिकै ३६

इतिश्रीकबिकुलकुमुदानंदवर्द्धने श्रीगोपीजनवल्लभरह-स्येउदयनाथकबीन्द्रबिरचितेबिनोदचंद्रोदयाख्येका व्येपरकीयाप्रकरणम् द्वितीयःप्रकाशः २ ॥

अथसामान्यलक्षण॥ दो० ॥ वित्तमिलेतेनहिं मिलै बित्तमिले मिलिजाइ बारबधूतासोकहैं जिनकेरसिकसुभाइ १ ॥ उदाहरण ॥ ॥ क० ॥ लहलहे लंककी लुनाईलेचकत लखे लोभिहू के मन मेंनरहै मोहमालको भनतकबींद्रजाके तनकोनिहारेरूपकनकौन पूजै रीतपायोततकाल को आभरनअंबर वशीकरनहास और अं-गनकेलास जाकेबरणै बिशालको छबिकेझिकोरेदृगजोरेमुखमोरे एकतानहींकेतोरेधनछोरे लेतिलालको ॥ २ ॥ अथाष्टनायकाबर्ण्यते ॥

॥ दो० ॥ पियबिदेशसंतापबशब्याकुलहोइजुबाल ताकोप्रोषित प्रेयसीकहैंसुबुद्धिबिशाल ॥ ३ ॥ अथप्रोषित पतिकामुग्धा क० ॥ घोरै घनसारओरैओरैबारबारसीरेकरनीरेलैपटीरपंकचसेहैं लाजते करैनअबलाजवहलेपसाज सिगरेइलाजलईलाजह्वैकैलसेहैं भगतकबींद्र वाकेतनकीअतन ब्यथाजानिबेको यतनसखीनहू केनसेहैं जानैवहबामकै तोजानतहैकामकैतो जानैघनश्यामजे बिदेशजाइबसेहैं ४ ॥ मध्या प्रोषित पतिका यथा ॥ नकरैशीतल उपचारप्यारीलाजनिते औधबीतेहीतलमें धंधरिसीधसीहैआन सोकहाहै सखियानसोनभेदकहै कैसोमनकैसीव्यथा कासोंदेह कसीहै भणतकबीन्द्रपंचवाणआंचताये तनकंचनकी पूतरीनि रुत्तरीत्यौंलसीहै नाहबिनअबला बिकलकरीऐसीत्रसी पूरण शशीकी कलामानों राहुग्रसीहै ५ ॥ प्रौढाप्रोषित पतिका ॥ छप्पर उसीरकेपटीरनीरनीरेकरि शशीमुखीसीरेयोकरतउपचारहै पंकजकेपातनकोढारतसखीपवन त्यौंत्यौंबिरहब्यथाबढ़तअपारहै भणत कबींद्रया अंदेशोको संदेशाकोऊ कहौ जायआली जहां नंदकेकुमारहै अंगनकीझारलागेमेहसूखोआगनकोदेहलागेखेह भयोजातघनसारहै ६ ॥ परकी याप्रोषित पतिका यथा ॥ ननदरिसानीरहैसासुअरसानीरहै ऐंठीसीजेठानीरहैकासोंकहैबातरीजर केअजारमिसपलकापरपरीआनिबरैबिरहा नलअखिलवाकेगात री अंशुवाछुटैनकुलकानितेढ्गनस्वासपरीजातपातरीमनोजउत पातरी सोऊतैबिदेशबस्योसोऊतैलखीनबाम रैनिचारौयामवाको रोवतैबिहातरी ७ ॥ अथ सामान्या प्रोषित पतिका ॥ प्यारोपरदेशनिरदेशीऔरकोनऐसोजोहमारे मनभावनकोआवनसुनाईहै भणत कबींद्रबारबनितानिहारैराहहारनकसीसनकीसुद्धिसरसाईहै रसिकरसीलेछैलगुणनकीजानैगैलसादीकीरचैलचैनचाइसोसुनाइहै देहबिरहानलसोंजरीसारीदेखिकबआइधोंकरारी जारीसा-

रीपहिराइहै ८ ॥ अथखंडितालक्षण ॥ दो० ॥ प्रातहोतपरभोगके चिन्हदेखावैदेह ताकीतियसोखंडिता कहतसुकबिरसनेह ९ ॥ अथ मुग्धाखंडिता यथा ॥ ओठनमेंअंजनकीलीकपीकपलकनिदीन्हे ठीकभालमेंमहाउरहरषिकै ताकेसंगवारेचिन्हअंगनमेंलीन्हेलाल अंगनमेंठाढ़ेप्यारीपरखैहैलखिकै लीन्हीनउसासननिकासकी न्होंआशुनकोआपुननबोलीनसुनाइबातसखिकै मदनचरित्रताप लाजनिसोलाजह्वैकैचित्रकैसीलिखीअनमिखीरहीझखिकै १०॥ मध्या ॥ प्रातहोतआयेवैजगायेकहयुवतीकेलगैकैसेवाहिचिन्ह लखिआनके भणतकबींद्रभालजावकपलनपीकैचलनमेंजीतैजे चलनझखिआनकेउमगायेशोचतेसकोचतेछपायेबामसमुहेनिहारिकैसमूहसखियानके घूंघुटकीपटकीकिनारीसोमिलेहैमोतीमोतिनसोमिलेआंशुवाकीअखियानके ११ ॥ प्रौढ़ाखंडिता ॥ तितहीपधारौ जितजाकोउरधारौनयोनेहनिरधारोजोपैचाहतहौचैनको हमहैंन प्यारीअबप्यारीहैतिहारीसोईसोईजोतिहारेसंगसोईसुखलेनको भनतकबीन्द्रभालजावकपलनपीकै ओठनकोअंजनजनावैरैनिसैनको जहांजागेलालखंडिताहीकेअथरछांड़िताकोकहांआयेखंडिताकोदुखदेनको ॥ १२ ॥ परकीयाखंडिता यथा ॥ तुमचारियामर जनीकेजागौआनसाथहमबिरहानलकीज्वालनसोजागती ह्वैघ रबसीजेतिहारेघरबसीप्यारेहमपरबशीह्वैहैतिनकीधौंकहागती भनतकबीन्द्ररेखैं भालमेंमहाउरकीभोरहीनिहारिऔरभोरलगि जागती आंखैंजेहमारीलागींतुमसोंअनोखेलालतिनअबआंखिन कीपलकैंनलागतीं ॥ १३ ॥ सामान्या खंडिता यथा ॥ ओठनमेंअंजननिरंजनभयेहैंनैनपलनमेंपीकैभालजावकबनकको डोरेबिन कोरेहारकोनीपहिरायेआनिहियमेंबहारभरेभारनतनकको भनतकबीन्द्रभावतेकोपेखिभोरसमय बालचारबधूक्षोभकीन्होंनबनकको ताकिदगबंकनिकलंकनकीमालिमादैकरतेकरषिलीन्होकं-

कनकनकको ॥ १४ ॥ अथ कलहंतरिता लक्षण ॥ दो० ॥ कलहकरै निजनाथसों फिरिपाछैपछिताइ । कलहंतरितासोकही मिलन हेतुअकुलाइ ॥ १५ ॥ अथ मुग्धाकलहंतरितायथा ॥ जबतेरिसानीतब हीतेअरिसानीवहनेहकीनिसानीसोखिसानीपछितातिहै लाजन सोतुमकोमनाइनासकतअबलाजनिसोलाजनिसो बोलतिलजा- तिहै भनतकबीन्द्रबालनिरखौनबेलीबालचित्रकैसीपूतरीनिरूत- रीलखातिहै तुमसोबिहूनीकामतीरनसोतूनीकरी झूनीसीबयारि लागैसूनीपरीजातिहै ॥ १६ ॥ अथ मध्या कलहंतरिता यथा ॥ पौढ़ीपटतानेअबहोतपछितानेकहा मानसबिथाने करिमानसदि- खाईहै भनतकबीन्द्रसखियानसोनभनैभेदभूलीखानपानैतनआ- नैछबिछाईहै जालकीबिरहकीगिरहपरीवाकेहिये जानिकैइलाज खोलिबेमेंचतुराईहै जानतमुरारिकैतोजानैवहनारिकैतोजानैवह नारिजौनरारिकरिआईहै ॥ १७ ॥ अथ प्रौढ़ाकलहंतरिता यथा ॥ हानिहैनतिनकीश्रुतिनकीकहानीयह पानीतेप्रथमजेललासबांधे पारिकी भनतकबीन्द्रहौंअयानीयानजानीबातजीतिहाथसौतिके परैगीयाकीसारिकी अबजोमिलैतोहियरामेंमेलिराखौं सियरा मेंजैसेराखतिबड़ाईकरिवारिकी नाहकहौबकीबकिहुवैरहीनमूक मेरे हूकतौनहोतीचूकहोतीजोमुरारिकी १८ ॥ परकीया कलहंतरिता यथा ॥ नाकेनदीनारे फांदि भादोंके अंधेरेनागकारे मणियारेटारे पगमगधारिकै शीलतजिडारेगुरुलोगनिकेआरेकाजगृहकेबिसारे जालसारेडरडारिकैभनतकबीन्द्रजाकेहेतहौंसकेतवारेअंतरनपा- रेनेहनितकैनिहारिकै हेरतहीहारेजाहिनैननिकेतारेरंगतासों मैं बिगारेरेगंवारिमारिरारिकै ॥ १९ ॥ सामान्या कलहंतरिता ॥ ससक्ति ससकिहियोकसकिकसकिउठै ताकेअबसोसननकव्यौभौन कोनेसो एकतानलागेमुकुतानकेअनेकहार बकसैदराजकाजरूपे सोनसोनेसो भनतकबीन्द्रऐसेनाहसोगुनाहबिन कियोमैंबिगार

धारटरैकहाटोनेसो येरीतूकुमतिमोसोंकलहकरायोअबसुलहकरावैकौनसांवरेसलोनेसो ॥ २० ॥ अथमुग्धा विप्रलुब्धा ॥ दो० ॥ पिउनमिलैसंकेतमेंब्याकुलहोइनिहारि ताहिबिप्रलुब्धाकहौसिगरेकबिनिरधारि ॥ २१ ॥ मुग्धाविप्रलुब्धा ॥ साजिकैसिंगारशशिमुखीकाजेसजनीवैल्याईकुंजमंदिरैसिखायेननियानसी कान्हबिनकाननसंकेतसूनोदेखिभई आननकीओरैद्युतिरंगद्युतिआन सी भनतकबीन्द्रबोलैलाजतेनबालबालबिचकिलबल्लिकालगनलागीबानसी बिथामृगनैनीकेहियेमेंबढ़ीमानसीवैचढ़ीचढ़ीभौंहैंपरीउसरीकमानसी ॥ २२ ॥ मध्याविप्रलुब्धा यथा ॥ संगलैसखीनकोसिंगारसाजिप्राणप्यारीचलीजहांसोहतिसकेतसूनेधामके भनतकबीन्द्रतहांनिरख्योनप्राणप्यारो बिलख्योबदनरुखनिरखेबिरामके शोचनसोसरसकैसकोचनिसकैनबोलिरोचनरसेसैलसैलोचनवैबामके एकओरबालकोदबावैलाजयौवनमें एकओरयौवननचावैनाचकामको ॥ २३ ॥ प्रौढ़ाविप्रलुब्धा ॥ संगसजनीकेसजनीकेसाजमिलिबेकीकंजमुखीमंजुकुंजमंदिरकोआईहै भनतकवींद्रलतिकानकोचितैकेतहांसूनीसेजताके २ ब्यथादरसाईहै तोरिडारीफूलमालबेलीभईब्यालीहालबाढ़ीबिरहानलकीज्वालनिजराईहै निरख्योनपीरीपरिआईमुखपीरीपीरमदनकीपीरीहवैसदनकोसिधाईहै ॥ २४ ॥ परकीया विप्रलुब्धा यथा ॥ सासुकोसोवाइननदहूकोपलोटिपांइदेवरकोदरसाइखागसोइगईको आधीरातभादोंकीअंध्यारीमेंकेवारखोलिनिकसीजहांरीझरुमच्योमेहमईको चीरिकैचुरैलभीरगैलकोमझाइबीरपहुंचीसकेतनेतबांधेनेहनईको एतोकरिदेख्योतऊदेख्योमैनप्राणप्यारोन्यारोकैकूपैंडोहै जुदईनिरदईको २५ ॥ सामान्या विप्र-लुब्धायथा ॥ मोहिबुलाइमिल्योननिकुंजमेंकीन्होंसिंगारपर्ख्योसबफीको जाइकहूंबनतेअनतेसुखलूटयोकितीकोसुआनकितीको बारबधूटीअछूटीकहै अलीजोमिलिहैछलीभाव-

तोजीकोलेहौंछिनाइछबीलेललाकोजोनीकोचुनीकोछलाछि गुनीको२६ ॥ उत्कंठितालक्षण ॥ दो० ॥प्यारोइतआयोनहींकिनराख्यो बिलमाइ परखैपियकोआगमनसोउत्काठहराइ२७॥ मुग्धाउत्का यथा ॥ उरकोअतापजुरऊपरजनायोवाकेआचरसोआभर आभरकेअनलसे स्यामनसकेतआयेबूझैनासखीसोवातस्यामालाजन अरुझेकौनकेधौंलोभललसे भनतकबींद्रअरबिंदसेउदितनैन रुदितनकीन्हेनउसासलीन्हेंअनलसे बालकेकपोलवैअमलललक मलसेपीरेपरिगयेततकालकालदलसे २८॥ मध्याउत्कायथा ॥ सरसीशिंगारनिसोजामेंजेबयौबनकी बरीबहुभांतिनसोआभाअभिरामकी भनतकबींद्रजरीसारीकीझलकजामेंदूरिहीतेदमकैअंध्यारीजहांधामकी और सखियानसोसकोचतेनभाष्योकछूबारी बिरहानलकीकारीहैअनामकी औधिएकयामकीजगाईचारियाम कीसुयामकीभईहैसुलगाईबामकामकी ॥ २६ ॥ प्रौढ़ाउत्कायथा ॥ करौअलिकापैपलकापेनपरतचैन मैनबेधेशरन सोहरनबिरामरी भनतकबींद्ररजनीउग्योसजनीरी ग्रीषमबिरहको दुसहदुखघामरी पांवड़ेचषोंकेकरिलखौंमैंलालको मगसखौबिरमाये कैलोभाये काहूबामरी औधिबांधिश्यामरीबितायेयुगयामरीबसेधौंकाकेधामरीनआयेघनश्यामरी ॥ ३० ॥ परकीया उत्का यथा ॥ हमैंबहराइकैनिकुंजमेंपठाइठहराइठीकऔरसोअनतकहूंछयेहैं तजिकुल कानितिनकाजेजिनठठकेकपटकेबैनेहनिरमयेहैं भनतकबींद्रश्यामसजनीलुभायेकहूंअजहूंनआयेसूनेदूनेदुखदयेहैं कितैबितैयाम अचरतियाकेआजुपियाकौनधौंतियाकेछतियाकेहारभयेहैं ३१ ॥ सामान्या उत्का यथा ॥ कौनधौंअनोखीबड़ेनैननिकीबामजाकेकाम बशह्वैकैबस्योसंगरंगरागीहै भनतकबींद्रऐसोचाहियेनरीतिप्रीतिहमसोंकरीतितौनिदाहीकौनिलागीहै हमैंसांझसमैलालसारी देनकहीलालसारीवाकी रैनिसियराईप्रेमपागीहै इतैबिरहानल

भभूकैबारिबारिकरिबारिभरीआंखेंकैहमारीदेहदागीहै ३२॥बासक शय्या लक्ष॥ दो०॥ बारिनियमकोजानिकैसाजैसकलसिंगारबासकशय्याकहतहैंताकोसुबुधिउदार ३३ मुग्धाबासकशय्या यथा ॥ सखिनसिखाईपै तजैनशिशुताईबाललाजसरसाईसाछुटैनपटभालको गाढ़ोहोतिकंचुकोउरोजनकेबाढ़ेरोजसरसैशशीसोमुखसुखमाबिशालको मंदरकैदीपजोतिबंदरकैफालप्यारीझनकउज्यारी सोसकोचबाढ़ैहालको सेजकोसंवारिसोहैउपमाकोनारिकोहैहारको निहारिपोहैजोहैमगलालको ३४ ॥ मध्या बासकशय्या यथा ॥ मंजनकियोअंगारधूपदैसुखायेबारअगरसोधूपिगूंथीबेनीपटकारी है बेंदीबेनाआडबीरीदंतनजमाइबीरीपहिरीनथूनीगजमुक्तानबारी है भनतकबींद्रआजुबासककीरजनीमेंफूलीफूलीफिरतनवेलीनिरधारीहै लाजलाजैसजनीसकोचगुरलोगनिकोकामसेजसाजिबेकोकरततयारीहै ३५ ॥ प्रौढ़ा बासकशय्या यथा ॥ फूलनसवारीचित्रसारीकोअटारीतामेंफूलीफुलवारीसीनवेलीअभिलाषीहै इन्दुसोबदनगजमोतिनकीनथनाकउमाकेआकररतिरंभावारिडारी है लाजदारआंगीलाललहगाकिनारीदारसारीजरतारीकीनशोभाजातिभाखोहै श्यामैमिलबेकोप्यारीसाजिसेजसमाजआजुदीपतिदुपहरीनिशामेंसाजिराखोहै ३६ ॥ पुनः ॥ बासककीरजनीमेंसजनीउछाहभरीवइरवहरिआईआगेहीडगरके गरकगुलाबनीरअरकउसीरसीरेचोक छिरकायेचारुवगरवगरके भनतकबींद्रप्यारीसकलशिंगारसाजि प्यारेकीबिलोकैमगजगरमगर कै बारिराखेदीपकसंवारिराखेसेजसाजगारिराखेअगरजेचंदनअगरके ३७॥ परकीया बासकशय्या यथा ॥ सासुकोकहायनंदताहूसोरहीरिसाइजेठोहूसोऐंठीअतिऐसीगतिगही है देवरसोनेवरपुहावेकमिसरूठीदारीसोअंगूठीकीउदासीचितचहीहै भनतकबींद्रबालबासककीरजनीमेंसजनीसुबासपासराखीमहमहीहै पैलीओरगें-

लीनाहिंआवनकीकैलीताहिकोठरी अंध्यारीमेंजकेलीसोइरही है ३८॥ सामान्या वासकसज्या यथा ॥ चंद्रसोबदनचारुचंद्रिकासीस्वेत सारीतैसियैसुभारीघूमघांघरेसुरंगके जालदारकंचुकीहिंवेसीन तेसरसलखीतसियेगुराईगसीउरजउतंगकी हरिकेहियेकोहार ह्वनहरिनिनैनीहेरैमगहरषैसखीनौसेनसंगकी जगरमगरबेटी सेजपैनगरबालाआलालालमोहिबेकोबालाप्योंअनंगकी ३९॥ अथ स्वाधीनपतिका लक्षण ॥ दो० पतिजाकेआधीनहैनिशिदिनआ- ठोयाम स्वाधीनैपतिकाकहतताकोकबिअभिराम ४०॥ मुग्धा स्वाधीन पतिका यथा ॥ अंगमेंबसीनसुन्दराईकीउमंगबंकताईभौ- हभंगमेलसीनारसीभालकी पीनतानअंगमेंनखीनताइलंकमेंन- बदनमयंकमेंजुन्हाईजोतिजालकी भनतकबींद्रनसुभायनमेंभेद भौनपायनमेंगरिमागहीगयंदचालकी मैलीमैनमोहनीअकेलीक- हूंहेलीप्रतिकोनहेतुमोहीसोलगीधौंलोनेलालकी ४१॥ मध्या स्वाधीन पतिका यथा ॥ मुखपरनाहीरुखनीवीपरवाहीरुख्योंव- पुषउमाहीदुधादावनिदुकूलकी लाजतेइलाजसेजसाजिबेकोकरौ मैनचाहौकलाकीवोकोकअनुकूलकी भनतकबींद्रकौनेहेतुयोक- रारीप्रीतिधारीमैनमुद्रिकासुधारीमंत्रमूलकी पासरहैमेरेमेरेपिय कोनजरिऐसीबासरहैघरेजैसेफूलहूमेंफूलकी ४२॥ प्रौढ़ा स्वा- धीन पतिका यथा ॥ पूरबधूपरबधूतिनसोंनजोरीडीठितेरीओरेहेरे हेरियतहरखरसों कंतवेहमारेपरदेशमेंबितावेंद्योसबीतैकैसेपलप- लबीततपहरसो धन्यतेरोभागभटूभावतोतिहारोन्यारोतेरेरंगरा- च्योतजैघरकौनघरसो सौतिजनसालेतीकोसाल सोतिहारेबश लालह्वैरह्योहैमालतीकोमधुकरसो ४३॥ पुनः॥ पुरबधूपरबधूके तिकोनवीनैअंगरंगकीप्रवीनैहैनमोहैतनमनको नेहकौनताकेतिन्हें कैसिहूनताकैअवलोकैअरुछाकैताकिमेरेदृगननको मोहीपरमोही डीठिनंदकेललाकीताकोकारणकहारीजोतजैनमेरेमनको दलनी

भयेमंफेरिमिलिनोपरेहूआली अलिनीनछोड़ैज्योंकमलनीकेवनको ४४ ॥ परकीया स्वाधीन पतिका यथा ॥ सरसिजनैनीपिकबैनीहं-सगमनीबैरमनीयजिनकोस्वरूपसरसातुहै भनतकवींद्रकंकण नकिंकिणिनवारीसाजैझंझनारीनादनेकुनबिहातुहै ऐसीकुलब-धनकबिबिधिबिलासहासतजैरीरजैनयहीघातअधिकातुहै जानों मैं नटोनाकछूकाहूसोकहौंनबात मोहीपे सलोनासोनाहेतुजान्यो जातु है ४५ सामान्या स्वाधीन पतिका यथा ॥ शीशफूलबेसरितर-उनापचलरीनेकुलरीतासोबकसिबढ़ायोऐसोहोतुहै सारीजरता-रीवैकिनारीवारीदैदैदिनसाजतसलाहनाहनेहकोनिकेतुहै भन-तकवींद्रइंदुमुखीअरबिदंनैनीकेतीकुलबधूपैनप्रीतिसोउपेतुहै मैंन जानोंआलीलालुमोपैक्योंलुभान्यौमानुकरोंजोंनमानौतो अमानो धुनहोतुहै ४६ ॥ अभिसारिका लक्षण ॥ दो० कैअभिसारहिपियहिं कैआपुकरैअभिसार ताहिकहतअभिसारिकाजेकवींद्रसरदार ४७ मुग्धा अभिसारिका यथा ॥ तैसियैकदबनकीबासतैसीकादंबिनीको रूपतैसोदीपतिउदारको तैसोईकवींद्रचरणाभरणबाजिबोसुन्यो नपरैसोरमान्योझिल्लीझनकारको नेकतजिलाजअसमयसरस-माजसाजरसमैरच्योहैरीसमयहैअभिसारको मोसोंजोनिहारत चकोरतैसेमेरीआली तोमैंमंनुसामैंलख्यौनंदकेकुमारको ४८ ॥ मध्याभिसारिका यथा ॥ देखिकरिहरिआईपहिरिलहरिआईलाजोंधरि आईराखिघरीद्वैबहारको येरीमृगनयनीपैनी बेनीकोअगरधूपिग-रधूपिसोतिहारीसोतिहारीबारको भनतकवींद्र बीजुरीयेतरपपरै मिलियनश्यामैंताकितोंतनउदारको प्रेमकेपसारकरिप्यारीअभि-सारिकरिआजुहियेहरुकरिनंदकेकुमारको ४९ ॥ प्रौढ़ा भिसारिका यथा ॥ नूपुरनगारेबाजेंकंचुककवचसाजैं चौकाकीचमकचमकतरू-गाधारहै सौतिनकेदरलबालहोतहाकतलजहासाहसउछाहबी-रताईकोबिचारहै भननकबींद्ररतिरंगनफतेपाईनोबतिबजाईकिं-

किणीकीझनकारहैहरखलहारटूटिपरेअसवारसाचौसमरकोसार कैधौतेरोअभिसारहै ५०॥पुनः॥भृकुटीचढ़ीकमानचलतकटाक्षबान चमकनिचौकाकीचमंकखड्गधारहै अंचलनिशानफहरातकुचकुं-भनपै आगेकोपरतपगबीरताकीबारहै भनतकबींद्रसूबसौतिनके मनसूवामारेजातजहांऐसेमारकोअगारहै नंदकेकुमारके सौंराधे जैतवारयहसमरकोसारकैधौंतेरोअभिसारहै ५१ ॥ परकीयाभिसा-भिसारिका यथा ॥ भादोंकीअंध्यारीरातितड़िताततरतरातिमगमोअ-रातिघहरातिनदीन्यारीहैं जहांभीरभारीहैनिशाचरचुरैलनकीता केबीचछरकीमिश लसीनिहारीहै प्रेमपंथपरीतातपरीशिठठानीना लभनतकबींद्रलागीलग नक रारीहैजहांघनश्यामघुमड़ेहैंघनश्या मजहांतहांप्यारीबामघनश्यामपैसिधारीहै ५२ ॥ अथ सामान्या भिसारिका यथा ॥ मीनसेचपलनैनबीनसीबिमलबानीईनकीसीशो-भाशीशफूलपरफलीहै चंद्रसोबदनचारुचंद्रिकासीमुसक्यानिमो हिबेकीबानिकीबनाईबिधिथलीहै रूपकीअनूपनाचगानकीकबींद्र कलाफवीअंगबासकीगुलाबीकुंजगलीहै जेवरजवाहिरकेलैबेको सनेहजूठीनगरबधूटीनटनागरपैचलीहै ५३ ॥ कृष्णा भिसारिका यथा ॥ कारेघनकारेबनकारेनागफननिकेपावरेपसारेपगदेतनस कातिहै बेनीसटकारीकारीमृगमदखौरिकारीकारियेपहिरसारी कारीभारीरातिहै भनतकबींद्रकारेकान्हरकेमिलवेकोआजुहीतो सिंगरीकराईयेदिखातिहै कारीअंधियारीतासौअधिकअंध्यारी साजिप्यारीचलीजातिकीकुहूकीकशमातिहै ५४ ॥ पुनः ॥ तैसि येअंध्यारीरातिकारीघटाघहराति पुरवाईहहरातिसूजतनसीनोहै श्यामकेमिलनकोपहिरिश्यामसारीप्यारीअंगकरिलीन्हेमृगमद सेपगीनोहै कारेपन्नगनकेंफननपगपावड़ेदै आजुकीश्यामताई जीत्योकुहूकोकरीनोहै तेरेअभिसारकोतमासोलखनरीकहासा-चोसाचनाचरीनिशाचरीकोकीन्योहै ५५ ॥ ज्योत्स्ना भिसारिका ॥

मोतिनसंवारीमांगसेतसारीसोहैअंगउरजउतंगसंगअमीअवदातको भनतकवींद्रछबिजालमेंलखीनबालमेंखलासखीनकोजतावेमगजातको औरैभयोचंदमुखचंदकेमिलेतेज्योतिखारीसोउज्यारीसौनभेदरह्योगातको होतजोहजारगुणीरबिकीहजारवीसोविसेतीसोऔशशीसोयोंप्रभातको ५६ ॥ दिवाभिसारिका यथा ॥ घूमिघनघटाआईमूंदिछ्वैअकाशछाईचमकतकोंधाचकचोधाबगारेतेचटकारीचूनरीकुसुंभीवाकिनारीवारीतैसियेदमकिरहीघूंघुटउघारेतेद्योसमेंसिवारीगिरधारीकेमिलनहेतुजानीजातिदामिनीनकामिनीनिहारेते ५७॥ अथा प्रोष्यद्भर्तृका लक्षण ॥ दो० जाकोपियपरदेशकोचलिबेकोअधिकात ताकोप्रोष्यद्भर्तिकाकहतसुकबिअवदात ५८॥ मुग्धा प्रोष्यद्भर्तिका यथा ॥ यथा ॥ भापैकछुलाजतेनसामुहेसखीजनसोंराखेनैनसेनहींमेंमैनताकोसाखीहै भनतकवींद्रगुरलोगनकीपीठिपीछेदीठिकोबचाइचितचिंताअभिलाषीहै घूंघुटकीओटह्वैकेचितयेबदनचंद्रहितवैहियेकीसुन्दराईसुधासाखीहै लालकोगमनसुनिआगमनगोरीग्वालिचोरीचोरानजरचकोरीकरिराखीहै ५९ ॥ अथ मुग्धाप्रोष्यद्भर्तिका यथा ॥ जादिनतेचाहसुनीनाहकेगमनवारीतबहीतेसुखिखानपानकीबिसारीहै भनतकवींद्रवैशिंगारआभरणडारेसखिनसोंबोलनिहसनिडारीन्यारीहै कज्जलकलितवाकेदृगनमेंआंशफिरैंपैरीमनोमीननिकलिंदीभारकारीहै कौनसोमरमकहैपरमलजीलीबालमौनतपसीलोखड़ीभौनमेंनिहारीहै ६०॥ अथ प्रौढ़प्रोष्यद्भर्तिका यथा ॥ कुंजकुंजझौरनिमेंभौरपुंजगुंजरतकोकिलारसालनिनिकुंजैठांवठांवते मंदमंदमारुतवहतमलयाचलतेदाहीमगआवैसुरभितहोतगावते भनतकबीन्द्रकोऊचलतबसंतसमयतुमसेचलनकहौपूजोंपियपावते गोरसकीआनदेहौंअशकुनठानदेहौंजानदेततुम्हेंपैनजानदेतभावते ६१॥ परकीयाप्रोष्यद्भर्तिकायथा ॥ चीकनोसनेवाकीदेहमेंलगायो अबरूखीकरिवेमेंकहामोहकोमहतु

है बेदन नजानेसोगहैनपरनारीकरनारीभेदजानेबिनबेदनलहतुहै तुम्हैपरदेसैजातपरदेसैजातवाकंयहै दुखदोपवाकीदेहकोदहतुहै रावरेचलेतेहीनजीवनरहैगोवाकोजीवनबिनाज्योंजानमीनकोरहतुहै ६२ मामन्याप्रोष्यद्भर्तिकायथा ॥ देतलाललालदेतमोतिनकीमाल देतउपमाबिशालदेतकंठलपटातहै चलनकहतप्यारेचलननदेत प्यारीचलनअनोखेअंगअंगनिलखातहैनैनकंजनासाकीरओठबिंवभौंहैंधनुभालइन्दुखएडकोउमंटेअधिकातहै वाकीसुन्दराईमनुबांध्योहैललाकोआलीहेरिहेरिमुखफेरिफेरिरहिजातहै ६३ ॥ अथ आगत पतिका यथा ॥ दो० प्योआयोपरदेशतेहर्षितहोइजोबाल आगतिपतिकाकहतहैताकोसुकबिरसाल ६४ ॥ मुग्धा आगतपतिका यथा ॥ आयोबिदेशतेनाहनबेलीकोआनदकीउघरीसुघरीहै लाज ह्वैलालकोजोहतिलाजतेसोहतिप्रीतिकोज्योंपुतरीहै ज्वालबुझी बिरहानलकीतियकंतयकंतयोंअंकभरीहै बेलिदवानलसीझरसी जिमिदौंगरकेपरेहोतिहरीहै ६५ ॥ मद्धा आगतपतिका यथा ॥ आयोबिदेशतेप्रीतमप्यारीकोलाजहूकामसुधामसोहायो बोलतबैन बनैनसकोचसोनैनकीसैननिचित्तचुरायो लालसोबालमिलीसुकबीन्द्रहियोहियमेंइमिआनदछायो भूलिगईसिगरीदुखपंकसुमानहुंरंकपरोधनपायो ६६ ॥ प्रौढ़ा आगतपतिका यथा ॥ आयोपरदेश तेसुहायोमनभायोनाहअतुलउछाहछायोहर्षितगातभो भनतकबींद्रऔधिबीतिकेउरहनेकापानीचितचाहेनकाचकितसुतातभो बारबिरहानलकीप्यारीप्योनिहारि आनिमिलतमहारी ऐसेसुखनि कोसोतभो रविकीतपतिकरीदिनकैछिपतमानौंकुमुदिनीऊपरकलानिधिउदोतभो ६७ ॥ परकीया अगतपतिका यथा ॥ आयोपरदेश तेसलोनोश्यामसुनिवामआगमिसिगईभईलेखेऐसेहालकी बिवरणारंगभयोगरेसुरभंगभयो पुलकितअंगभयो भूलीगतिकालकी भनतकबींद्रसेदखेदजलमीचैदृगकंपत अधरप्रलयदशासौतिजा-

लकी वीरसोशरीरछायोघूंघुटसोमुखढाक्योनतरुउघरिजाती लगनिगोपालकी ६८ ॥ सामसान्या आगतपतिका ॥ आयोपरदेश ते सलोनेश्यामनिजधामवारवामआइकैवधाइगयेरंगिके रीझि कैकवींद्रप्यारे अंकसोंलगाइलीन्हीउरजउतंगरहेऊपरसुलागिकै मरकतिमणिनकीमालपहिराईप्यारे याविधिसुहाईदेखौरंगवा केभागिके लालकेनिहारेतेशमितभईज्वालामानोंकारेदेखिपरत अंगारेबिरहागिके ६९ ॥ अथ उत्तमा नायका लक्षण ॥ दो० पति आवैअपराधकरिआदरकरैजुबाल ताहिउत्तमाकहतहैंसकलसुक-बिमहिपाल ७० ॥ उत्तमा यथा ॥ आकृतिउरोजनकीरचिरहीऊपर ताहीठौरगचिरहिबिनगुनमालहै भोरहोतभावतेभुलानेभवनआ-येलगेलगेपगनकीउमगतिचालहै भनतकवींद्र ओटअंजनपलन पीकैदीन्हीधौअलीकैलीकैजावककीभालहै लालउरभरेलालनींद भरभरेलालअपराधभरेतऊअंकभरेबालहै ७१ ॥ अथ मध्यमा लक्षण दो० ॥ पियजैसोईंगितरचैत्यौहींप्रगटैबामताहिमध्यमानायका कहतसुकबिरसधाम ७२ ॥ मध्यमा यथा ॥ आलीलालआयेरी अगाधअपराधचीन्हेनखरतचीन्हेलीन्हेकाहूबामके जानिकैल-जीलेबोलीढीलेकंठकीलेमानोकह्योस्वामीजाइयेमुकामोपरधामके प्यारे मनुहारिठानीजानिकैरुखोहीबानीबालहाल भेदयोनिकासे निजनामकेबेसरिसिकुररहीसांवरेसुधारिवाकीपागपेंचबाउसेस-वारेबहूश्यामके ७३ ॥ अथ अधमा लक्षण ॥ दो० नायककेअपराध बिनरचैरोपबिनकाज ताकोअधमाकहतहैंजेप्रवीणकबिराज ७४ अधमा यथा ॥ तेरेमुखपरप्यारीवारनेभयोरहेत तीकोमुनिमिसकि योघूंघुटकीकोरको सुरपुरनरपुरनागपुरतोसीकौनिरंभारतिहूको रूपजोहियेनजोरिको बिनअपराधतेरेपद अरबिंदपरैतूक्योंहित हीनीकरैनंदकेकिशोरको तेरीसुन्दराईसोपरोस झलकततामेंरोस झलकतयहैअवगुणहैओरको ७५ ॥ अथ सखीकर्म ॥ दो० मंडनओर

औराहनोशिक्षाअरुपरिहास चारिकर्महैंसखिनकेलहैं नायकापास मंडन यथा ॥ बालकउरोजनिपल्लालकोंबनायोकरलिखितमकरि-काकनिसशोभाहारकी सुरतिचरित्रकोनिहारिकरिचित्रकोलाज तेतरपिकेउठाइछरीनारकी भनतकवींद्रडरचंतरप्रमोदबाढ्योऊ-परहूदोरिधुतिआनंदअपारकी मारकोलहरस्यालितनमेंछहरछा-ईसखीपेनप्यारीकीसुरतिरहीमारकी ७७ ॥ उपालंभ ॥ फूलीबन बलीअलिकुलकरैकली एककोकिलाअकेलीवेरसालनसोरागी है दक्षिणतेकरैगोनसुरभितबहैं पौनमोनीतजैमौनदेहजिनकीअरा-गीहैतुम्हैंबिनदेखबिलखतबालहालऐसेभनतकवीन्द्रकरीतुनही दुजागीहै रातिवाकीतुमबिनपलौनापलकलागीरावरेअनोखेला-लआंखेंकितलागीहैं ७८ ॥ शिक्षा यथा ॥ मेरीसखिलेरीसीखलेरी कुलकोककलानारिनकीदेहदशावारकरिवारिसी कंचुकीकुचनि कसिदन्तनिमेंबीरीघसिपीकीबशिकरिहवै शिंगारनिकीधारिसी भनतकबींद्रनिजरूपकीजगायेज्योतिरंभारतिहूकोदै दुरोदरकी हारिसी पीतमकेकंठलागिसूतिरहुप्राणप्यारीसौतिनकेसंगलागिसूतीतरवारिसी ७९ ॥ परिहास यथा ॥ चालेकेद्यौसभनैसुक-वीन्द्रआशीशतआईसुहागलुगाई नायनिपायनिजावकदेत करी परिहासकियोचतुराई लालकेकाननकेमुकुताहललालभयेरहैंया अरुणाई बालललजाइरहीमुहफेरिदियोहंसिहेरिसखीनिकीधाई॥ ८० पुनः ॥ गौनेकेद्यौसशिंगारबनाइअशीशतीभागसुहागघनेरी नायनिपायनिजावकदेतपरीपरिहासकीखीसीपहेरी बाजिकैक-न्तकेकन्चचढ़ीसुनिबालललजीसजनीहंसिहेरी सौतिनकोकरिडा-रिहैकूजरिऊजरीगूजरीगूजरीतेरी ८१ ॥ अथ नायकके परिहासको ॥ सारीजरतारीलालहंगाके संग लसीतूनकोकुचनकसी कंचुकी कररिकैमानकरिबैठीहैमयंकमुखीसांझसमैंप्यारोतहांआयोस्वां-गसजनीकोफेरिके पाइबरिप्यारीकोमनाइकैचलोहैताकिप्यारे

हंसेओरैहांसीलईजबटेरिकै दांतेदाबिआंगुरीअभेरिवाहैभेटतही प्राणप्यारेप्राणप्यारीदीन्होहंसिहेरिकै८२॥ दूती लक्षण ॥ दो० ॥ दूतीलौबोल्यौकरैहरैबिरहकीबानि मिलवैनायकनायकासोदूती पहिचानि ८३ ॥ तस्य कर्मसंघट्टनं बिरहनिवेदने यथा ॥ सांझकोसमय हैरमनीयरसमयहैतमकहाचौसमयहैसूझिपरतनगातहै घनघहरातत रूपातथहरातहहरानीकारीबातसुनीपरतनबातहै भनतकबींद्र लखिबेकोलालअकुलात अतनतरंगीत्यौंत्यौंचौगुनोलखातहै उठिचलुआलीबनमालीकेमिलनहेतु आजकैसीऔरनहीमिलिबे कीघातहै ८४ ॥ अथ बिरह निवेद न को उदाहरण ॥ दिनदिनछीजैवाहिदरशनदीजैपाइनेहकी नतीजैवहिकेतीपीरसहिहैभनतकबीन्द्र बिरहागिनिकीज्वालैफूंकिमदनसोनारसुवरणदेहदहीहै फिरतहै तारेतबकरतीउतारेसखीशावनकी आशतेउसासनेकुलहीहै देखै क्योंनआइरेअनारीनिर्मोहीतेरीकै नारीकेबिछोहतेनारीछूटिरही है ८५ ॥ अथ नायक लक्षण ॥ दो० ॥ कोककलानिप्रबीनअति सुंदरसुखदउदार पतिउपपतिवैसिकबिदित भाषतत्रिविधिप्रकार ८६ ॥ पति लक्षण दो० ब्याहोवेदबिधानसोशुद्धावरशुभबेपताहि कहतपतिहतिसुमति भूपतिसुकबिअशेष ८७ ॥ यथा ॥ शैलजा सोईशऐसीभांतिप्राणप्यारीजूसोप्राणप्याएप्रीति निरबाहिबो करतुहै भूषणबसनझारिधरिबोकरतबेनीगूंदिबेकोनिरुवारिबो करतुहै भनतकबीन्द्रसरसिजनैनीसुंदरीकोउरतेनओलिकउतारिबोकरतुहै रंभारतीहूकोरूपवारिबोकरतमुखसुखमासमूहपैनिहारिबोकरतुहै ८८ ॥ सोचपतिर्चतुर्द्धा ॥ दो० ॥ प्रथमकह्योअनुकूल पुनिदक्षिणधृष्टबिचारि डीठिहियेहितएकसीसोअनुकूलनिहारि ८९ ॥ यथा अनुकूल ॥ प्यारेरघुनाथजूकेसाथप्राणप्यारीचलीअबलाकेमिसकलाकुलबनितानकी भारतकोराजदै कैरथबिनपथ लागिमानिकैशपथदसरथकेजुवानकी कवनसोंबूझैदंडकाननको

मगरामबानपगेयकेताकिओटकलतानकी लक्षणसुजानकीछिजानकीनपेखैपैरिदेखेबिनुजानकीनराखैसुधिजानकी ६० ॥ दक्षिणलक्षण ॥ दो० ॥सबदिनसबबनितानसों राखसमअनुराग दक्षिणतासों कहतहैंजेरंग्योरसराज ६१ ॥ यथा ॥ पिकबैनीमृगनैनीसबै सरसिजमुखीयाहीएकठौरमोहीप्रेमरसउरके करलियेआरसीसलोनेश्याम आयेतहांबदनबिलोकैमोदमदनप्रचुरके अलकसोबेसरिअरुझीनिरुवारिबेकोमांगीएककीन्हीचतुराईरिपुमुरके मुखनतेप्रतिबिम्बन्यारेवैनिहारिबेकोबैठेप्राणप्यारजायमन्दिरमुकुरके ६२ ॥ धृष्ट लक्षण ॥ दो० ॥ नारिनिकारैकामिनीफिरिआवैफिरिजाइ बिनामनायेमिलिचलैधृष्टवहैठहराइ ६३ ॥काहूकेनमूठीकेनझूठीसोहैंखातडीठिईठिकौनकेअदीठसोंपिरातहैं बातमेंनशापशापबोलैकौनऐसेनकीशाखशाखशाखामृगभयेफहरातहैं भनतकबीन्द्रउतरैनकहूंचितवतपरदारहितपरदारहितगातहैं जैसेसटकारेकारेबारबारबारबांधेनेहिजानिछोरेतउकोरेकुटिलातहैं ६४ ॥ ॥ अथ धृष्टलक्षण ॥ दो० ॥ निपटकपटपटुताप्रगटि उघरनिहियकीबानि हठिकरिमोहतप्रियनिको शठकहितातिवखानि ६५ यथा ॥ सौरभसुमनवारेहारपहिरावैआनिबारसुरझावैमनमोहै त्योंहठीलीकोपठुताकपटकीअनेकप्रगटतनाहसाहमैनचोपैचितजौलोंचटकीलीको ॥ अंजनकीरेखैठगबदनबिशेषैमांगभनतकबीन्द्र पेखैप्रेमपिकजीलीको ढीलीकसोकिंकिणीहैगांठीबांधिदीन्हीकहिनीबीगुणछोरे छैलछलसो छबीलीको ६६ ॥ उपपति लक्षण ॥ दो० ॥ परपतिनीसोनेहअतिकुलाचारकीहानि गोपनकोजोधनधरैसोउपपतिपहिचानि ६७॥ यथा ॥ दीपकबरैनरैनिकारीअंधिआरीजहांबोलतबनैनसैनहीसोमैनबाजीहै घूंघुरूघनकताहिबिछिआझनकनाहिंकिंकिणीखनकजहांछनकनछाजीहै परबनिताकेसंगकरतअनंगरंगभनतकबीन्द्रऐसीसरसईसाजीहै करतब्रिराजीकुलबधु-

नकीराजीश्यामगोपनइलाजीऐसेसुरतसोराजीहै ९८॥ अथ बैसिक लक्षण॥ दो० बैसिकतासोंकहतहैंनैसुकवरैनलोभ अंगिनितवारबधू नसोबिहरतकरतनछोभ ९९॥ यथा॥ सवनकीभौहैंबंकमूठीमैंसमा तलंकहगनिपैपंकजाजखंजनखगीनका बैसिकरसिकलियेलगन बबूटीसंगमनमन्मथबूटीरंजतीरंगीनका दूरियातेएकौनाहिंपूरि याकेप्रेमकस्तूरियामृगाज्योंमोहिराखतमृगीनका १०० उत्तमबैसिक लक्षण॥ दो० ॥ उत्तमबैसिकसोरसिकउत्तमजाकीरीति धनदैमनदै मानदैप्रगटैतियसोंप्रीति १०१ ॥यथा॥ रसिकशिरोमणिसोहा-गभरीकापीदेखिकोईऔरदूजोजामैंऐसीचतुराईहै केसरिकपूरक-स्तूरीकाअतरदैकैकंचुकीकुचनकसीसतरसोहाईहै पीठिपरपन्न-गीज्योंडीठिदसैसौतिनकीबैनीनिजकरवरगूंदीमनभाईहै बिबि-धबिहारहारदैकैबिहारवारै करिउपचारप्यारेप्यारीयोंमनाईहै १०२ ॥ मध्यमबैसिकलक्षण दो० ॥ सोबैसिकमध्यमकहोजोजानोमन भाव प्रगटकोपअनुरागकोकरैनतियकोताव १०३ ॥ कोपअनु-रागनप्रगटकीन्होजामिनीकोनीकोभामिनीकोगहिलीन्होमनभा-वहै चम्पककनकतनपरवाकेवारनेकेभनतकबीन्द्रयोंरचायेउरचा-वहै शोभाकोसमूहसोसमेटेउभरिअंकलंकसौतिनकोदीन्होबंकशं-कहुखदावहै लालनकीमालदैमनाइलालबालप्यारीघटेउनसने-हउहैघटेउउपावहै ॥ १०४ ॥ अथ अधम बैसिक लक्षण ॥ दो० ॥ भयलज्जाऔकृपासोसूनोजाकोगात ताहिकहतबैसिकअधमति-यजियकोउतपात १०५ ॥ यथा ॥ दैरदगोलकपोलनखखडतदेत नितम्बनमेंनखघावै आसनसोभुजपासनसोजुगजंघसरासनसी-नितनावै तोरतलंकउरोजमरोरतओठचचोरतचोरतचावै तापस केनशरापसरैवहतापसपासतुमैंहिपठावै ॥ १०६ ॥ पुनः ॥ फैली हैसुबासजाकी सैलीगैलीगलिनमें हिलकिसकैन मिटीअजोंन निहारीहै भनतकबीन्द्रसुकुमारीबाल सुन्दरीकीसुखमाअपारन

कीमहिमाबिचारीहै सिसिकीभरतशिथलाईबितरतनाहिंदेसकी बुन्दयातिअधिकारीहै मालहेतुऐसीबालसेपैतूकुचालकरचम्पकै सोमालमीडिमैलीकरिडारीहै १०७ ॥ अथ मानीनायक लक्षण ॥ दो० ॥ मानीनायकजानिकैशठकैसीसबरीति हठकरिमोहततिय नकोप्रगटतउलटीप्रीति १०८ ॥ यथा ॥ ऐसीकौननारिजोनकरै मनुहारिताकिरावरीमुरारिचढ़ीभौहैंसोहैंभालके औरख्यालओरै हाललखिकैनिहारैलालकौनबालब्रजमेंपरैजंजालजालके भनत कवीन्द्रआजुरावरेरसीलेश्याम कौनपैगसीलेनयनसीलेमानमाल के आवेओररावेआनिपायनिमेंधारैशीशवारैप्राणगोपीजेकिनारे लागीचालके १०९ ॥ चतुरनायकलक्षण ॥ दो० ॥ चतुरकहावेसो रसिकबचनचातुरीठानि मनमोहैबनितानके जानिव्यंगकीबानि ११० ॥ यथा ॥ नदीतीरवारेजहांनारेधारेभारेजहांरातिवेअंध्यारे जहांकासोहोतुगौनहै फिरैतूअकेलीअलबेलीतहांनेहबशकेलीहेतु हेलीजहांभूतनकाभौनहै नीठिहूनहोतजहांडीठिकोनिबेरीयेरीने रोतहांसुन्दरसहाइतेरोकौनुहै १११ ॥ अथ चेष्टा व्यंगसमागमको लक्षण दो० ॥ धुनिकरिकैजाकोअरथऊपरतेअधिकाइ ताहीकोसोव्यंग रसकहतसकलक बिराइ ११२ ॥ यथा ॥ बैठीगुहलोगनके पास प्राणप्यारीजहांप्यासमिसआयोतहांप्यारोरसिकाईहै छतियाते छैलकानछोड़तछबीलीभावैरातिकेसुरतिकीसुरतिउरआईहै भनत कवीन्द्रपेखिनारंगीललाकेकर बालहूउचितकीन्हीचितचतुराईहै हाथलैकैहरदीवदनमेंछुवाइफेरिआंगुरीहियेसां डोरिकेशमेंमिलाई है ११३ ॥ अथप्रोष्यतउपपति ॥ यथा ॥ जबतेबिछोहतोसोंभयो हैनवेलीबालतबहीं तेलालकेबिहालताछाईहै खानपानसौरभन कीकरतबआनसाथबोलनिहसनितनमनबिसराईहै भनतकवी- न्द्रश्यामसुन्दरसलोनेजूकासुन्दरीतिहारीसुन्दराईयोंसुहाईहै ॥ तेरेहीसुरतिकीसुरतिराखैरातोदिनतोहींकोरसीलीसुमिरतरसिका

ईहै ११४ ॥ अथ प्रोषितउपपति ॥ यथा ॥ सासुकोसुनावैननद-
हूकोसरसावे प्रीतिदेवरदेखावैरीतिपतिव्रतवारकी जानिकैनि-
कंतकसकलसोयेसोयेजनपहुंचेसकंतकारकाढ़िकैकेवारकी भनत
कबीन्द्रपांवदाबैपौढ़िरहै आनिसुरतिहियेमेंसौरिवारीरंगप्यारकी
थाभैआमानचित्रभानुकीकुरनियांभैबिछुरनिजानिकौनयेरीपरना-
रिकी ॥ ११५ ॥ अथ प्रोषितवैसिक ॥ यथा ॥ तानकोध्यानधरै
जबचित्तमेंताननकोकछूआननभावै कौनगनैसुकबीन्द्रधनैमणि
माणिकतातियपासबसावै हांसबिलासहुलासखुलासनिहेरिसु-
लासनिफेरिबुलावै बारबिलासनिसोबिछुरैवहुवैसुकनेकुसुनासुख
पावै ॥ ११६ ॥ अथ अनभिज्ञ लक्षण ॥ दो० ॥ मगनमूढ़तामेंरहैरस
करिहेतनतिग्ग निंदैताकोनायकाताहिकहतअनभिग्ग ११७ ॥
यथा ॥ फूलतोदीवेकेमिसभुजनउठावैकुचकोरैहौदिखाइतिनघाइ
राख्योपानिहै उघरेहूमूढ़कानउघरैमनोजआलीरोजरोजहेरेहोति
हितहीकीहानिहै ॥ भनतकबीन्द्रऔरइंगितकीकहाबातगातहूके
खुलेहूशांतकीनपहिचानिहै निपटअयानोनाहमेरोमौनवेरीयेरीक-
बधौंसयानोह्वैहियेकीबातजानिहै ॥ ११८ ॥ अथपीठिमर्द्द लक्षण ॥
दो० ॥ कोपकरैजोकामिनीवाहिरिझावतयोग पीठिमर्द्दतासोक-
हैंजेप्रबीणकबिलोग ॥ ११६ ॥ यथा ॥ मीनहोइकमीनेपरेपानी
मेंनिहारेहारेहोइचकोरलौतौचुगतअंगारेहैभनतकबीन्द्रजंगखंज-
नकेकंजनकोगंजनगरब करिडारेकैनिवारेहै डारेरतनारेनारेकारे
औरसेरेसेतउपमासितासिततरंगनितभारेहै प्यारीतेरेमानकेदृग-
निपरसानवारेकैबरकसीसेवेकमानवारेवारेहै १२० ॥ अथ विट
लक्षण ॥ दो० ॥ कामतंत्रमेंअतिचतुररहततियनकेखेद सबकबि
तासोबिटकहतलखिसखानकेभेद १२१ ॥ यथा ॥ बनमेंकु
हूकैमोरबन्योइन्द्रधनुषजोरपवनपुरवाईकीझकोड़त्यों अचानकी
दादुरपपीहापिकजीहाकैबढ़ावैशोरअम्बरमढ़ेतेजोतिजोहियेनभा

नुकी भनतकबीन्द्रऐसीबनकसुहाईआली फैलीहैंदुहाईचारौंओर पचबाणकी नीलीघटाधाईहैंघुमड़िघनसीलीकीलीढीलीकरिपाई हैहठीलीनेरेमानकी १२२ ॥ अथचेटलक्षण ॥ दो० ॥ कुपित कामिनीमानकोखेलतजोआखेट चतुरमहासंधानमेंताकोकहियत चेट १२३ ॥ यथा ॥ शीशफूलसूरभालथलीकोबिभूषैतरमंगल सुरंगबिंदुबंदनकोझलकै टीकोसुरगुरूमुखचंद्रकोबिलोकैशुक्रल- टकनमोतीसोंनरोकैराहुअलकै ठोढीअंकश्यामशनि गोरोरंगबुध गनिएंठतजेठानीकेतसौतिनकोतलकै उच्चथलपरहैंसकलग्रहतेरे आलीनाहबनमालीलटूभयोतापैललकै १२४ ॥ अथबिदूषकलक्षण ॥ दो० ॥ बिकृतिबदनकरिहासकरितियकोकरतप्रसन्न ताहिबि- दूषककहतहैंजेशिंगाररससन्न १२५ ॥ यथा ॥ कान्हअति कारेतिनलादेहैं कस्यारेतनपीतांबरपीठिपरजरदीकोपरहैपीठिम र्दबिटचेटबिदूषककहै चारोंसखाचारिऊकेकाजकबिबेकोजाकेवर हैभनतकबींद्रहासबासखासख्यालनिसोबालनिमिलावैसुखहां- सीफूलझरहैं गुंजरतपुंजरतसुमनसुमनवृजबल्लीबल्लरीनिमेंफि रतमधुकरहैं १२६ ॥ अथसात्विकभावकथ्यते ॥दो० ॥ स्तंभस्वे दरोमांचसुरभंगकंपपहिचानि बिबरणअश्रु प्रलैसहितआठोसा- त्विकजानि १२७ ॥ स्तंभलक्षण ॥ दो० ॥ भयतेहर्षबिषादतेथिर ताजितैलखाइ स्तंभकहततकोसुकबिप्रगटतपाइउपाइ १२८॥ उततेछवीलेछैलकह्योआनिबाहीगेलइतेगोरीग्वालिरंगयौवनके पागीहै भनतकबींद्रभेटह्वैगईअचानकहीबानकमिलापकीदुहूके उरजागीहै सिमिटिसकोचनतेदोऊमुरिमुसक्यानेऔरैगतिमति कीसुरतिह्वांतेभागीहैदोऊछबिरहेजकिरहेदोऊथकिरहे खोरि- सांकरीमेखोरिदुहुनकोलागीहै १२६॥ स्वेदलक्षण ॥ दो०॥ भयतेम- गतेखेदतेतियमिलिबेकोभेद उपजतजलकणदेहमेंताकोकहियत स्वेद १३० ॥ यथा ॥ प्यारीबिपरीतिरतिकरैप्यारेपतिसंदुहुशन

केरंगते अनंगहेरिहरपै भनतकवींद्रवेनीपीठिपेडुलैकैयौंपन्नगी सुबासहेमबल्लिकातेकरपै नखरदखंडनकैचतुरनारिचुंबनकैसी-बीकरैप्यौपरयौनसीचीप्रेमपरपै मुखतेउचटिस्वेदकणपरैकुचनि पैमानोंइंदुईशपैसुधाकबुंदधरपै १३१ ॥ कामकलाकूकमाचीसों-तिहियेहूकमादीबाजीनूपुरावलीकिऐसीछबिलहीहै यौबनमही पतिकीनौबतिनिदानकीयौंत्रिभुवनजीतिताकीसदीकरीसहीहैसु-रतकेश्रमगोरीग्वालिनीकीदेहपरस्वेदबुंदपांतियोंदेखातिनेह ग-हीहै केलिअंतनिरखीनवेलीकीवनकमानोकनककीबेलीमेंचमेली फूलिरहीहै १३२ ॥ अथरोमांचलक्षण ॥ दो० ॥ आलिंगनतेशीतते हर्षतेहियसंच उलहततनतनरुहप्रगट ताहिकहतरोमांच १३३॥ यथा ॥ छलबलकरिसखील्याईकेलिमंदिरमेंप्यारेशंकभरीअंकभ-रीत्यौंसिताबकी उरतेसिमिटिकैसकोचनतेरंचभईनिरषीरोमंचम-चीअंगनयोआबकी चटकैसीचटकैसीलोटीसीलचीसीजातिउपमा कवींद्रभनैउकुतिजवाबकी डारीमैंकढीपाकुरीसीअधखुलीमुली कलीखैंचिखैंचिमानौखोलतगुलाबकी १३४ ॥ स्वरभंगलक्षण ॥ दो० ॥ गद्गदह्वैआवेगरोदुखसुखप्रेमप्रसंग प्रगटितहोतनवै-नमुखताहिकहतस्वरभंग १३५ ॥ यथा ॥ प्यारोपरोसिनिसोव-तयोंचितेऐंठतिसीदुलहीसुलहीहैयोंपुनिगोरीगरोभरिकैबिलखी सुलखीनखरेखमहीहै प्रीतमसोंबिरुखीरुखह्वैइमिइंदुमुखीकुल कानिबहीहै बातकढीनकछूमुखतेजलजातसेनयननचाहिरहीहै १३६ ॥ अथकंपलक्षण ॥ दो० ॥ आलिंगनतेहर्षतेभयतेउपजति चाहि कंपकहतताकोसुकबिरसग्रंथनअवगाहि १३७ ॥ यथा ॥ दोऊएकसंगमिलिकरतअनंगरंगखिलेसेलसतिअंगसुरतिसमाज ते भनतकवींद्रभांतिभांतिनकेआसनकैमुख मधुप्रासनकैप्रगटैन प्राजते गुरुजनकाननमेंझनकपरेतेप्यारेबनकनशैहै कुलकानिके अकाजते लालसोंनपैरीबैनलेतनकपैरीज्यौंज्यौंबाजेपगपैरी त्यों

कपैरीप्यारीलाजते १३८ ॥ अथवैवर्ण लक्षण ॥ दो० ॥ तापशीत श्रमबिरहमयकोहमोहमगजन्य बिवरणहोतशरीरजहंताहिकहत वैवर्न्य १३६ ॥ यथा ॥ सोईबाललालसंगसौरभसमोईहालर-जनीमेंसजनीरीसमित्यौसुखकलिको लपटिलपेटपटअंकभरिभे-त्यौ प्यारेमैनकीमसूसोमित्यौसुखयोंसहेलीको आनिकैअचानक हीकुक्कुटसुनायोनादतपकेबिषादसूख्यौचौसरचमेलीको सांझके सरोजकैधौंभोरकोककलानिधियोसुखमाबिमुखमुखह्वैगयोनबे-लीको १४० ॥ अश्रु लक्षण ॥ दो० ॥ स्तंभहर्षआमर्षभयशोक शीशपहिचानि धूमलगेयकटकलगेदृगजलअश्रुबखानि १४१ ॥ यथा ॥ आयोपरदेशतेसलोनाश्यामसुनिबामश्रवणअघानेलखिलो चनबिमोहेहैं बालहूनिहारेलालहेतहीतिहारेदुखतारेभरिआयेसु-खनीरअवरोहेहैं भनतकवीन्द्रआसपासफैलेपलनिकेढरकेनबाहेर काऐसीभांतिसोहेहैं आनंदकेअसुवाउकतयेनीउपमाकेपैनीबरुणी नमेंमुकुतमानौपोहेहैं १४२ ॥ अथप्रलय लक्षण ॥ दो० ॥ सुधिनहिं जहांशरीरकी जीवरहौगुनगोइ परनसमानशिंगारको प्रलयक-हावतसोइ १४३॥ यथा ॥ संगसजनीनकेसिधारीसुकुमारीप्यारी जितैहुतीथलीगिरधारीकेबिहारकी भनतकवीन्द्रमगअंगनझकोर झांपीकोरवारेघांघरेकीचीर जरतारकी देखिबनरीतोबनरीतोअ-कुलाइगरेलाइगईलागितनमोहनउदारकी भूमैगिरीभूमैचढ़ीचक्र सिसुतासमररररकिमरूरनिसलोनीयोंसुमारकी १४४ ॥ जृंभा लक्षण ॥ दो० ॥ जृंभादेहबिकारतेसरसैमुखमेंआइआलसमोह बिक्षोहसोप्रगटहोइमिटिजाइ १४५ ॥ यथा ॥ छुटिरहेमुखमें कचमेंचकराहुमनोचलिचंदहिरोंकैनैननितेइमिनीरबहैअरबिंदम-नौमकरंदहिमोंकैबारहिबारजभातिहैनारिसंभारिसकैनबियोगके शोकै आवनकोमनभावनकोवहठाढ़ीअटापरपंथबिलोकै १४६ ॥ अथहावनिरूप्यते ॥ दो० ॥ लीलाहावबिलासपुनिगुणबिक्षिप्त

बिचारि बिभ्रमकिलकिंचित्कह्योमोटाइतनिरधारि १४७ ॥ कुट्टुम्बितौबिब्योकयुतललितबिहितचितचाव हितसिंगारसंयोगकेयेबरणौदसहाव १४८ ॥ लीलाहावलक्षण ॥दो० प्रियपियकीआकृतिकरैभूषनवसनबनावयाहीबिधिबोलैहंसैसोहैलीलाहाव १४९ यथा ॥ गरेबनमालभालचंदनकीखौरिकरे मुरलीअधरधरेजिनतोहिमोहेउहै जिनकहेउआजुनंदनंदनबनकआनपैनीतानतासोमानकौन२पोहेउहै भनतकबींद्रमोरपाखनकीराखनसोनटवरबेषतौकिशोरीइमिसोहेउहै पीरीकैनिपटदेहसौतिनकीपीरीकरीपीरीपागबांधीरीमोहनतेमोहेउहै १५० ॥ बिलासहावलक्षण ॥ दो० ॥ मगननयनभुवबदनतेइंगितप्रदैबिशेष तासोंहावबिलासकहिबरणतसुकबिअशेष १५१ ॥ यथा ॥ गोरेतनजाकेयोंसुहाईहेरीसारीहरीसारीसाधिबुधिजिननंदकेकुमारकी घांघरेसुरंगकीवधूमनिछवानछैछैछोरनितेछूटीसीपरतिरसतारकी बिहंसतचलीरतिमंदिरको चंदमुखीमोतिनकी जोतितैसीअंगनबहारकी भलीबनीजातिजापैवारियतबनीजातिऐसीबनीरातिमानोमनीहैशिंगारकी १५२ ॥ बिहितहावलक्षण ॥ दो० ॥ तनकबनकहीमेंजहांशोभाअतिसरसाइ ताहिहावबिक्षितकहिबरणतहैंकबिराइ १५३ ॥ यथा ॥ एड़िनमेंतेरेअरुणाईयोंलसतिजापैवारियतवंदनसदाहीसौतिभालको सुमनगुलाबकैसेसुन्दरगुलुफतेरेकुलुफकेराखतचितैवोव्रजबालकोनैनकजरारेबैनसुधाकेसुधारेयेनिकहांलौंबखानैतनरूपजोतिजालकोकहाकियोचाहैतैशिंगारकैनिगोड़ीबालहरेबिंदुसोहरयोहैमनलालको १५४ ॥ बिभ्रमहावलक्षण ॥ दो० भूषनवसनशिंगारकोजहांबिपर्य्ययहोत ताकोबिभ्र महावकहिबरणतसुमतिउदोत १५५ ॥ यथा ॥बांसुरीबजाईआनिकुवरकन्हाईतहां तानलागेतनकंठकितभोरकंजसो नेवरकरनबांधे जेवरगरेकेपाइदेवरकेडरसोतोखैंचिकियोखंजसो वोरीतिमिछूरीबालभन-

तकवींद्रहालहालकोबिलोकिलीन्होसखिनकोगुंजसोअंजनअंज-नसोतासमयसुहायोवाकोएकदृगखंजनसोंएकदृगकंजसो १५६॥

किलकिंचितहावलक्षण॥ दो० ॥ हरषगरबअभिलाषश्रम लोभहाव भयचाहि होतएकहीबारजहं किलकिंचितकहिताहि १५७ यथा॥ चंदपैबैठीद्वैचकोरीनिरधारकैधौं भ्रमसेनयुतकंजपाखुरीठिहारीहै भनतकवींद्रहैअनोखीअनियारी गंजेखंजनगरबसोहोजरबासिहा-रीहै जागीसौतिजनसो दुजागीकरिबेकेहेतु लागीलालहियेहाल कौतुककरारीहै हासवारीत्रासवारीआंसूदेखपासवारीरोसरास वारीप्यारीआंखेंयोंनिहारीहै १५८॥ मोटाइतहावलक्षण॥ दो० ॥ तियपियबैननितेबिमुख करैसंगअभिलाष तासोमोटाइतकहत जे कवींन्द्ररससाष १५९॥ यथा॥ घूमिघटानभछाईभूमिहूवैदेखाई आनिगरबकेजोरजोहिजोहिघनजालसो दादुरपपीहामोरठौरक-रैसोरकूकैसुनिकंपैजोरकोकिलकरालसो भनतकवींद्रभावैकौनको नवेलीसेजकेलीरंगभूलैरीनवेलीकौनबालसो तबतोनमान्योअब आपतेमनायोचहै नवलकिशोरीकाकिशोरीकहौलालसो १६०॥

कुट्टमितहावलक्षण ॥ दो० ॥ कपटकापसंकोचतेदुखमेंसुखसरसाइ होतकुटुम्बितहावतहं तियरतिमेंअरसाइ १६१॥ यथा॥ सीकरि केबीकरिकैकुहुकबगारैकंठ ओपैकामकलाकैधौंचौपैचितचाहके भनतकबीन्द्रदाबेदंतनअधर रसपीवैतसधरसीखेकोककीसलाह के मसकतलंककसकतवाकेगोरेगातनसकतछोड़िससकतउरआ-हके नाहींनाहींकरतज्योंदेखावैदुखराहप्यारी त्योंत्योंरतिरंगमें उछाहबाढैनाहके १६२॥ बिद्वोकहावलक्षण॥ दो० जहांअनाद-रनाहको करैतियाकरिमान तहांहावबिब्बोककहि बरणतसुकबि सुजान १६३॥ यथा॥ आपुहीत्रिभंगीगातभलीबनिआईबात योगयोगमिलैबाढैभोगअधिकारैहै कारेअष्टकुंडलीहैयाहीतेनतान नहैताननकीधुनिसोयेफुंकरनिधारैहैधारैहैं मुकुटवहैमाथमेंबिराजै

मनिवाकीचितवनिबिषव्रजमेंबगारेहैं मारेहैंगुरनिउन्हैंलाजौना लगतिकूरकूबरीकेहवैंकैहोनचाहतहमारेहैं १६४ ॥ अथललितहाव लक्षण ॥ दो० भूषणबसनसवारितियमिलैनाहसोआनि ललित हावतासोकहेंजेप्रबीनरसखानि १६५ ॥ यथा ॥ सारीजरतारीत्यों क्निारीदैघांघरेकीझलकपसारीवहैंओजमयीछाईहैं भनतकवी- न्द्रअंगअंगनिमेंआभरणबसेहैंसुदेशखुसबोईकीबड़ाईहैं राजैऋतु राजमानकरैसोगुनाहीलंक लागीरसनाकीबानिडोंड़ीलैंबजाईहैं लालकेमिलनकोसिंघाईसौतिसालबालचाईमनोमैनमहिपालकी दुहाईहैं १६६ ॥ अथबिहितहावलक्षण ॥ दो० जहांबहैदगजाल साकरैअनेकअकाज बिहितहावतासेंकहत जेप्रबीनकबिराज १६७॥ यथा ॥ बनेबागेवीरआयेलैअहीरएकैनचैयेकैगावैखरेभरे रंगरागमें तैनसखियानकेसमेटभरिभेटआलीफेटेसोगुलाललैल- पटेभौनबागमें केसरिकमोरीमैनठोरीचितचोरीकरीचोकेभगेमृ- गसेलगेनदृगलागमें लाजयानिगोड़ीमिरेअंगउपलंगेकरेफंगेपरे भेरेमैनरंगश्यामफागमें १६८ ॥ अथदशाबर्णन ॥ दो० अभि- लाषेचिन्तासुध्योगुच्छकथनउद्वेग पुनिप्रलापउन्मादपुनिब्याधौ जड़तावेग १६९ निर्धनबरणतसुकबिकुलअखिलअमंगलमानि बिप्रलंभशृंगारकोदसौअवस्थाजानि १७० ॥ अभिलाषलक्षण ॥ दो० तियकेपियकेमिलनकीचाहबढ़ैचितचाष ताहीकोसबसुकबि कुलभाषतहैंअभिलाष १७१ ॥ यथा॥ आयोबसंतरसालकेबौरमें कोकिलहूकलकूकनिजोरी भौंरभिरैंमननातभटूमुखलीनकरैनक- लीनकीकोरी चाइलगैमलयानकेमुरझैमहपाइसुबासकीजोरीहाय हियेकाबियोगबहाइकबैपियआइवौबेलिहैहोरी १७२ ॥ चिन्ता लक्षण॥ दो० बिछुरेपियकीदरशकीचिंताउरअधिकाइ तासोंचिंता कहतकबिरसग्रंथनठहराइ १७३ ॥ यथा ॥ प्यारेकेदरशबिनआ- दरसभारीआंखैसरसअग्रारीसीनिहारैझुरैझखिकै चिंताकेउदधिमें

मगनह्वैरह्योहैप्रानआसूत्यौउमंगततरंगरंगसखिकै भनतकबींद्र रात्योदिनऐसीरीतिदेखैप्रेमकेपरेखकेसरेखेअनमिखकैयेरतैचितै-रेमोपैकृपाकैचितैरेमोहिंदेरेऐसीसूरतनितेरैयेकलिखिकै १७४॥ अस्मृतिलक्षण॥ दो० जाहिलखेपियबदनकीतियकीसुधिसरसाइ ता-हीकाअस्मृतिकहतजेसुबुद्धिकबिराइ १७५॥ यथा॥ निरखितमा-लसुधिआवैश्यामसुन्दरकीतबतबसूखैमनहीमेंअभिलाषिकै लाज तेसुनावैनासखीनहूकोजोहीबीचमोहीसीरहतिहैबिरहबिषचापि-कै भनतकबीन्द्रजितैबसैपरदेशीलालतितैउठिबैठबालमनसिख साखिकै उरजकरैनदुखसैबानचलीकसैसूरजमुखीलौंमुखवाहीरु-खराखिकै १७६॥ अथगुनकथन॥ दो० पियजियकीजहंबिरहमेंक रैबड़ाईनाह ताहिकहतहैंगुनकथनजिनकोरसकीचाह १७७॥ यथा वाहीभावतीकोभांवैतनकोबिलासमोहिं तनकोनभावैतक्योआनब नितानको मिलिवोसोहातमोहिंवाहीकेहियेकोहियेआनकोमिलैन जैसेपरसपखानको भनतकवींद्रवाकीकहांलौंबखानोखूबीऊबीदेह वाकीबानपोषपावैप्रानकोमेरेवहैनैमजोमनैवोवाहीमानिनीकोप्रेम वाकेमानकोपरेखोवाहीमानको १७८॥ उद्वेगलक्षण॥ दोहा॥ काम कठिनदेतेअहितलागतबिषैअनेग तियपियकेबिछुरेबढ़ेताहिकहत उद्वेग १७९॥ यथा॥ हूलसमलागैफूलफूलसीसुबासलागैबाग लागैबाघसेतिड़ागलागैडागसें भनतकवीन्द्रमृगमदलागैकररु-सोखानपानलागैबानसेदुकूलदेहदागसें प्यारेकेबियोगतेबिल-योनिहारीबालबोलतमरालसेऊलागैकूरकागसें चंद्रलागैचिता सेअंगारसेअगरलागैघरुलागैगरलसेनमनुलागैनागसें १८० अथ प्रलापलक्षण दोहा॥ तियपियकेबिछुरेबढ़ैउरबिक्षेपअलाप उत्क-ण्ठातेउदितजोताकोकहतप्रलाप १८१॥ यथा॥ माधोमधुपंच-मीबिताईकहूंअनतहीबीतेअवधबीतीसीकरतिसुकुमारीहै हेरिकहैं आयेहरिहरीसीहेराजीसीमेरेअगिरानाअंगअलिसेरारीहै भनत

कवींद्रदिनचारिबीतेफागुनके कागुनउड़ातकाहेदेततालोगारी हैं जीवेंगीकिशोरीजोरी बांहजोरीकरिप्यारेखोरीख्याल आनिहोरी कोपसारीहै १८२ ॥ अथउन्मादलक्षण दोहा ॥ उत्कंठाकेतापतें मनबिकारकोबाद वृथाहोततियपियबिरह ताहिकहतउन्माद १८३ ॥ यथा ॥ नाहींघनपांतितनकांतिश्यामसुन्दरकीनहीविक सेतमुकुताहलहैंमालके भनतकवीन्द्रमुसुक्यानिसोहैंशांवरेकीकै धौंतनकौंधाबिजुरीकीजोतिजालके चाहिरहैचकसीचकोरनयनी चाह्योऔरगाहिरूपमोहबशमोहनगोपालको १८४ ॥ व्याधिलक्षण दोहा ॥ मदनवेदनातेबढ़ैतापदुबरईदेह ताकोबरणतव्याधि कहिजिनकेरसकोनेह १८५ ॥ यथा ॥ दूषनसेतनकेउतारिडारै भूषनेंबिकलबैठीऐसेभयोहालुहैं जोतीजोपैपरीतौउड़ाइमिलि लतीताहिपरीरहैयेकठोरउठिवोजंजालुहै भनतकवीन्द्रतोवियोग वाकीदीनदशाखीनहोतनिरखेसखीनहूकोजालुहै दूबरीभईनहो-तिदूबरीदेखातिऐसीतूबरीलौंसूखितूबरीसीभईबालहै १८६ ॥ अथजड़तालक्षण ॥ दोहा ॥ बिरहबिथाकेयोगतेतनथिरसकैनचाहि जीव रहैहियमेंबन्योजड़ताभाषतताहि १८७ ॥ यथा ॥ दारसीभईहै दारउजहीउदारसीहैघूंघुटौकीसुधिनाहिंसखीनलैढांकीहैनारीकि नरकनारीदेखेहोतकरनारी रचनाछीननारीसुकवीन्द्रबिधिनाकी है बेदननजानैखेदभेदनउपायकछूखेदनहरनडीठिवारेकागाको है प्रानवाकेतुममेंबसतबसततुमवाकेहियेनातरुतौवाकेकछूब क मैंनबाकीहै १८८ ॥ दोहा ॥ बिप्रलंभशृंगारमेंनवबरणतकवि लोगजिवनतजैदसईदशाजानिअमंगलयोग १८९ ॥ अथसामिच साचात्दर्शनवेदनदर्शनंचित्रंचाच ॥ अथस्वप्नदर्शनयथा ॥ सपनेमेंआजुनंदन-न्दनमिल्योमोहिंआलीसुखमाबिशालकीखुशालीसोउलहिकै ग-रेबनमालधरेमुरलीअधरशीशमोरको मुकुटत्यौंतमोरमुखमहिकै भनतकवीन्द्रयोंमायागिभोहियेमेंलगेजागेतेगयेवेमरेआगेतेउज-

हिकैकहांतेनिगोड़ीनींदनैननतेजातिरहीहौलजातरहीरीरहीनग-
रोगहिकै १६० ॥ अथ चित्रदर्शन यथा ॥ प्यारेकेबियोगबशव्याकुल
निहारिअनुहारिपीकीलखीशोभासरसनकीभूषनबसनतनदीपति
कीसरसाईदरशाईबालको विनोदबरसनकी औधिकोबितायतुम
आयेसुकवीन्द्रप्यारेपरखीनबेदनाहमारेतरसनकी दयगईबरहनो
गईनकरीभईवाकेअक्षनप्रतीतिप्रतिक्षनदरशनकी॥१६१॥ अथवाचा
दर्शनं ॥ यथा ॥ केसरिकीखौरिभालगरेधरेगुंजमाललालकरलकुट
मुकुटशीशसोह्योहै पीतपटफेंटाकटिऐंठाकोकसेरोसैरीजहांनिक-
सैरीतहांऐसीभांतिसोह्योहै भनतकवीन्द्रगेहआंगनसोहातहैन
देखेबिनाआंगनमेंऔरैरंगरोह्योहै काहूसेकहौंतौहौंलोकमैंनलहौं
बहिटोनाडारिसांवरेढ़ोटौनामनमोह्योहै १६२ ॥ अथ विचदर्शन ॥
यथा ॥ पीतमकेपटमेंलिख्योचित्रनिहारिक्कीतियमोदमढ़ाये ता
पलमेंपललागतहीसपनेसुखभोअपनेपियपाये बालकेआनदबा-
ढ़तहीपरतीतिभईकछुलालकेआये योंएकबारसितासितमेंबढ़िजात
बिहारत्रिधारकेन्हाये १६३ ॥ प्रौढ़ा नायका बिरहिनी ॥ कवित्त ॥
शरमयंकयोकलंकभरोपियबिनदरदकरदसमदेतहियहूलिकैसौ-
तिकीसहेलीवायपायकैअकेलीआयबिरहदवारिबारिदेतिफूंकिफू
लिकैसुखकेसमाजसाजदुखदाईलेखराजतापैतापतायतनअतन-
अतूलिके ऐसीपीरभीरसमयआयौनाहधीरतीरकेलैकौनबीरभो-
रभावतेसोभूलिके ॥ १६४ ॥

रविदिनसंवतलोकशशिरंधूचंद्रशुभजान । फाल्गुणसितसर
कैमुद्रितलखपतगिरकरमान ॥ १६५ ॥

इति श्री कबिकुलकुमुदानन्दबर्द्धने श्रीगोपीजनबल्लभ
रहस्येउदयनाथ कवींद्रबिरचिते विनोदकाव्ये
चंद्रोदयाख्योग्रंथःसमाप्तः शुभम्भूयात्

श्रीगणेशायनमः ॥

अथ रस वृष्टिग्रन्थ लिख्यते ॥

दो० ॥ श्रीगणपतिपदबंदिकै उरधरिशिवसुखधाम सारदा-दिमहिदेवकबि करिकरजोरिप्रणाम १ सबमिलिमोहिंकृपाकरौ देहुबिमलहियदृष्टि राधाहरिशृंगारसुख कियोचहौंरसवृष्टि २ क० ॥ बारिजनैनसोहैएकईरदनजाकेसुखमासदनसोसहायकरि सतिके दारिददहनसुरतरुकोग्रहणसोहैमूषकवहनबिहगनखल मतिके सबसुखसागरउजागरगुनाकरहैबुधिबरनागरदेवैयाशुभ गतिके बिमलकरनज्ञानध्यानधरिशिवनाथसंकठहरणायेचरणग-णपतिके ३ छ० ॥ जैवाणिगुणखानिमातुअघहानिकरनतुव जै अम्बिकाभवानिदानिकल्याणकरणभुव जपतनामतवदासआश संतोषज्ञानध्रुव बांछितफलदातारसकलसंसारचरणछुव चारि पदारथकरबसैदेविदरिद्रहिंनाशिनी करियकृपाशिवनाथपरबि-दितब्रह्मपुरबासिनी ४ ॥ अथ नारायण स्तुति ॥ क० ॥ जाकोनाम जपतअजामिलोगतिपाईसेवरीयमनजड़तारयौगुणगाहेही ब्राह्म णसुदामाकेसंपदाछदामानाहिदियोधौलधामाबामाकामकैयाहे-ही जाहिसुखलागिअनुरागिजागियोगीजनकंसकीसहेलीपायो चंदनलगाहेही गजगणिकाहूसेमोहिंजानिपरयौश्यामकबिशिव नाथनाथबनैगीनिबाहेही ५ अन्यच्च ॥ बिरदतिहारोचारौवेदनपुका-रयौतारयौपतितअनेककोऊकहांलौंगनावैगो गीधगजगणिकाके तारबेकोसुयशहूंकरनपरैगोकाहूतोहीसुखछावैगो द्रोपदीपुकारी त्यौउबारीगाढ़ेसंकठसोरावरोहमारोकौनझगरोचुकावैगो औगुन गनौनमेरेआपनेगुननदेखिकबिशिवनाथनाथतारेबनिआवैगो ६॥

अथ गौरीशंकरस्तुति ॥ दानिनमेंबड़ेदानिचारयौयुगमानिश्रीकेदेवता-
नहूंकेदेवनागरसपीजिये ऐसोसुखधामनामकामनाकोदेनहारोआ
पनेजननदेतत्यौंहींमोहिदीजिये भिक्षुकहौंब्राह्मणनजानौंकोईउ-
द्यमननामशिवनाथमेरोयेतोयशलीजिये अंबिकाभवानीबरदानी
सबजगजानीसमैपाइशिवसोंअरजमेरीकीजिये ७॥ अन्यच्च ॥ गु-
णनबिहीनहौंअधीनलीनमानमद औगुणअनेकअंगकहांलौंगनी-
जिये कामक्रोधमोहमायायाहीतेरहतप्रीतित्रिबियतपततापता-
तेतनछीजिये करतउपाउयेकुचालीबसिउरअंतर कबिशिवनाथ
ध्यानकैसेकैलगीजिये अंबिकाभवानीबरदानीसबजगजानीसमै
पाइशिवसोंअरजमेरीकीजिये ८॥ अथ कविवंश वर्णन ॥ दो० ॥ बि-
रच्यौलवकुशनअबरकुरसीनामप्रसिद्ध कात्याइणिशुभवंशमेंब्रह्म
दासभयेसिद्ध ९ तिनकेबिजयानंदसुत उपज्योपरमप्रकाश कम-
लापतितिनकेभयेकमलापतिकेदास १० तिनकेबद्रीनाथभेगुण
आगरशुभकर्म भयेशिरोमणिकुलकमलनिरतआपनेधर्म ११ ति-
नकेझाऊलालभयेसेवकराधानाथ तिनकेकुलमेंअवतरेपण्डितक-
बिशिवनाथ १२ कुशलसिंहसिरमौरनृप नायकरसिकसुजान दु-
बेवंशशिवनाथसोंकीन्होप्रेमप्रमान १३ हितकरिकह्योकरौंसुरस
बरणबिबेकबिचारि अष्टनायकाभेदयह प्रथक्प्रथक्अनुसारि
१४ ॥ अथ नग्रवर्णन ॥ नगरपवांअगरअतिबगरबगरशुभकर्म
जपतपबिद्यावेदबिधिबसैंबड़ेधनधर्म १५ राजश्रीराजतभईराज
द्वारधरिधीर आठजामजहंदेखियेकबिकोबिदकीभीर १६ ॥ अथ
राजवंशवर्णन ॥ बसिबिक्रमहरिचन्द्रशिविजेशकबन्धीभूप सबकी
शाकासहसकरदीन्हीत्रिभुवनरूप १७छं० ॥ पुरुषापरमप्रसिद्ध
शालिवाहनजगजायो वंशबगालीभयोधर्मथलअचलबनायो ज-
गतराइसंग्रामकल्पतरुबीजजमायो निजकरकरिकल्याणबिक्रम
हिंसींचिबढ़ायो दानिमाहिंपल्लवसुमन हाथीरास्योहाथबल लह

लहातशिवनाथकबिकुशलसिंहस्वैसुफलकल १८॥ अशीर्वाद॥जबल-गिमहिअहिशीशईशकैलाशनिवासी जबलगिउडगणचंद्रभानुभा-रतीप्रकाशी जबलगिध्रुवध्रुवलोकइंदिराहरिउरबासी जबलगिवेद पुराणउदधिमहिमाविमलासी शिवनाथराजकुशलेशको झलकि झलकिकीरतिलहै संपतिसमाजऐश्वर्यसुतचिरंजीवतबलगिरहै॥ १६॥ अथयशवर्णनम्॥ क०॥ जेगजअरिनकेझुंडनबिडारिदेतदानसनमानकीअवधितनभरयोहै जाकेमनसूबेकेहसाहेबसराहतहै सुनत पुराणबिप्रज्ञानअनुसरयोहै भूषनऔबसनअनेकदीन्हींयाचकन कबिशिवनाथकैयोबारयज्ञकरयोहै अणिमादिकसिद्धिसोबिराजत भवनबीचकुशलसिंहधर्मकोध्वजाअवतरयोहै २०॥ अन्यच॥कैधौनं-दलालकोसखाहैकोऊपूरुबको कैधौंबलिबिक्रमकीशाकाकोदरसुहै कै धौंमानधाताहरिचंदकैदधीचशिविलयौअवतारमहिकंचनबरसु है कैधौंशिवनाथकामधेनुकैकलपतरुकरनकीसाकरनीबिराजतसरसुहै २१॥ अथदानवर्णनम्॥चकईकहतपतितजहुबियोगअबकुशलनरेश दानदेतसुबरणको टांकिनसोंतोरिकैसुमेरुदीजैयाचकनभयोअव-तारमहिमंडलकरनको ओटनापरैदिनेशरैनकिमिऐहैदेशनेकनाअं-देशोमोहिं बिरहबरनको कहिहैंबिलासशिवनाथदुखदूरिकरिकाहि सुधिरहैपियपोषणभरनको २२॥ अथसभावर्णनम्॥भासमानभानुसम तपतप्रतापबनअवलीखिलतकबिकुलअलिबिंदकीउडगणसेअरि-गणदुरतछबिदेखतहीघूघूसेघुसतहरिद्विजपरनिंदकीएकओरना-दसुरप्रातकैविहंगमसेएकओरवेदुवाकेरै चरचागोबिन्दकीएकओर शूरसिरदारसोहैं शिवनाथइन्द्रकीसभाहैकैधौंकुशलनरिंदकी २३॥

इतिश्रीसिरमौरकुशलसिंह बिरचितायांरसवृष्टिदेव-स्तुतियशबर्णनम्प्रथमरहस्यम् १॥

अथनायकावर्णनम्॥दो०॥ तरुनरूपअभिमानतजिपरमबिबेकीहोइ

धनीजयीसुचिबुद्धिबरनायकबरणौसोइ १ पतिउपपतिबैसिकसुनौ नायकत्रिबिधिप्रकार तिनकेलक्षणदोषसबबरणौसहितबिचार २ ॥ अथ पतिबर्णनम् ॥ श्रुतिमारगरतलोकबिधिअतिअचारशुभकर्मपतिनायककोविदकहतएकनारिव्रतधर्म ३ ॥ क० ॥ कढ़ीक्षीरसागरतेकमलाकनकजोतिहरिउरबसीउरबशीकरिराख्योईलागेसेजतरनिकमलमुखओटदैदैदयासुखसागरसुरसअभिलाख्योईतारनतरनतापत्रिबिधहरनसोईशिवनाथसुयशनिगममनिराख्योईफनपतिफननपरफूलनबिछाइसेजफूलिफूलिबदनबिनोदरसचाख्योई ४ ॥ स० ॥ ब्याहनआयेहिमंचलकेजिनकीमतिआकधतूरखरीहै मारगमिश्रमसीकरबालकेआइगुयेफनछांहकरीहै बरपैबरबुंदसुधाबरतेहरलैगिरिजाअरधंगधरीहै लैचलेआपनेमंदिरकोयशगावतकिन्नरनागनरीहै ५ ॥ दो० ॥ सोपतिचारिप्रकारकेभिन्नभिन्नगुनगाथ अनुकूलदक्षसठधृष्टपुनिबरनतकबिशिवनाथ ६ ॥ अथ अनकूललक्षणम् ॥ मनसावाचाकर्मनासदाएकतियप्रेम परनारिनप्रतिकूलहैसोअनुकूलसनेम ७ ॥ स० ॥ औरनसोनहंसैसपनेअपनेमनकाहूकीबातनआनै धीरधुरीनप्रबीनगुनाकरउत्तममध्यमकीपहिचानै दानदयासनमानसुशीलताआठहुयामयहैमनमानै ऐसीसयानसिख्यौकइमोहनतेरोईहासबिलासहिजानै ८ ॥ अथदक्ष लक्षण दो० ॥ सबकोमनलीन्हेरहैकरैनरसकीहानि चलनचातुरीदीनतादक्षसुलक्षणजानि ९ ॥ स० ॥ लीन्हेरहैसबकोमनहाथसनाथकरैब्रजनाथनिहारी नयनबिलासनकोमलहासनदीनभयोरहैमानबिसारी नेहनिबाहनकीगतिमाइकहाकहियेयहिकुंजबिहारी ढोलनिमंदिरमंदिरकीरसखेलनिबोलनिकीबलिहारी १० ॥ अथसठलक्षण ॥ दो० ॥ मृदुलबचनमुखसोंकहैहृदयकपटछलरीति शठनायकतेहिजानियेथिरनरहैमतिप्रीति ११ ॥ स० ॥ कान्हछलीगुरुलोगकहैसबतापसह्वैदशकंधमल्योरी बावनह्वैबलिबांधिलियोसबराजदियोसुररा

जभल्यौरीसतटारिजलंधरकी युवतीहरनाकुशबालिकोगर्बगल्यौ
री मोहिनीह्वैशिवनाथछल्योइनकोसजनीछलफैलिफल्यौरी १२
अथधृष्टलक्षण ॥ दो० ॥ लोकलाजकुलकानितजिचारिबिचारिबिहाइ
धृष्टसोनायकजानियेबरणतकबिकबिराइ १३॥ क०॥बंशकीनबि-
सरीसुभिझूंठीसोहैंखाइखाइतनआनमनआनकपटनिधानहौ लैलै
भजिजातचीरमाखनचोराइखातगारीदेतमुसकातनिपटअयानहौ
दूरिदूरिदुदुकारेदौरिदौरि पायपरिडारिदई लोकलाजछलनिछ-
लानहौ बकिबकिकोमरैआलीऐसनसोबारबारहितअनहितदोऊ
लागतसमानहौ १४॥ अथ उपपतिवर्णन ॥ दो०॥ लोकलाजमर्य्याद
तजिपरनारिनसोप्रीति देखेदोपनमानईयहउपपतिकीरीति १५
क०॥चंचलसेचखनबिलोकनिचपलगतिचंद्रमुखीमुखदेखबेकोल-
लचातहैं शंकनधरतउररंचकसोगुरुजनकीपूंछतहीलाखलाखसौं-
हनकोखातहैं निपटनिलज्जलोकलीकहिउलंघिजात पातहिके
खरकतहियधरकातहै पायनकीझनकखनकबिछुवानहूकी भनक
बचनकीनतनकसोहातहैं १६ अथ बैसिकनायकलक्षण ॥दो०॥बारमुखिन
सोंजोरसैबारबारबशुहोइ करैहानिश्रीधारकी बैसिकनायकसोइ
१७॥स०॥चंद्रमुखीमुखनैनचकोरनपीवतरूपननेकसकानो चारु
चरित्रनचित्तचुभैशठताईकीबातनभूलिलोभानो कानिकरैनडरैहित
हानिसोजानिपनोपवआपुभुलानो बारबधूनकेवारनहारसुधारन
कारनहाथबिकानो १८॥ अन्यच ॥जौलौंरहैवनधामधनोतबलौंवहबा
लरिझावतगाइकैहीनिभयोधनदीनभयेयहकीनकहासमुझैपछताइ
कै मांगीबिदाअबलाकरजोरिकह्यौमृदुमंजुलबैनसुनाइकै तिरछाइ
कह्यौजुकबैमिलिहौमिलिहैहमरौरवसैताहिआइकै १९ ॥अथमानीना-
यकलक्षण ॥ दो० ॥ गरबभरयोयौबनभरयोभरेआपनेरूप काहूमन
आनैनहींकहतकबिनकेभूप २०॥क० ॥काठसीकठेठीबातेंऐंठीऐंठी
बोलतहौशिवनाथऐंड़ीऐंड़ीजातकितवतहौ आपनेहीरूपगुणगुनत

नगिरिधारीडरमैंनऔरनकीबातहितवतहौ दयाकोनदेखियतदर-शहगनपरलालनिठुराईकरिनेहबितवतहौ वृषभानकीदुलारीदुरि देखिबेकोद्वारठाढ़ी गरबगुमानीइतउतचितवतहौ २१ ॥ अथचतुरना-यकवर्णन ॥ दो० ॥ गूढ़बचनकरिचतुरई मिलैनायकहिजाइ हितकरि रसउपजावई चतुरकहतकबिराइ २२ ॥ स० ॥ नंदगयेनंदगांउके गोंड़ेगईजननीजलल्लेननदीहै बलबीरगयेबक्कूरानचरावनआपुनकुं-जसमीरवदीहैवृषभानललीसोंसुनायकह्यौ गुणआगरीनागरीरूप लदीहै समुझीउतगोपिनमैंसकुचीहरिकीचतुराइचरित्रमदीहै २३ अथअनभिज्ञनायकलक्षण ॥ दो० ॥ रसकरनीसमुझैनहींपशुकरनीसोहेत सोनायकअनभिज्ञहैजानैंश्यामनश्वेत २४स०॥ सेजबिछाइलगाइ सुगंधशिंगारनसाजिहियेउमहै बंकबिलोकनिकीअवलोकनिनीबी कसैमुसक्यानिलहै कचकोरदेखावतपानखवावतजीललचावतके-लिचहै शिवनायकरैतियकामकला अनभिज्ञकभावैबयारबहै २५॥

इतिश्रीसिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टिनायक
बर्णनम्द्वितीयोरहस्यः ॥ २ ॥

दो० येनायकलक्षणकहेलखिग्रंथनकीरीति अबकहिइनकीना-यकाहोतपरस्परप्रीति १ ॥ अथ चारिप्रकारकी नायकालक्षण ॥ दो० ॥ उत्तम मध्यमअधमलघुयुवतीचारिप्रकार न्यारेन्यारेदोषगुणबिदितस-कलसंसार२ ॥ अथउत्तमावर्णनयथाराजपत्नी ॥ संपतिबिपतिजोएकरस रहेबिचारअचार ताहिउत्तमाजानियेपतिआज्ञाअनुसार ३॥ क० ॥ करतअचारऔबिचारसबव्रतनकोदानसनमानकीसीमूरति अवरे-खिये पियमनरुचिजैसीतैसीततबीरनतेलयेमनरैनदिनशारदासी पेखिये पालैपरिवारगृहदासीसीटहलकरैनातेप्रियप्रेमहीसोंअङ्ग अङ्गपेखिये फूलीहैशिंगारकीलतासीचारुचहुंदिशिकैधौंकल्पद्रुम कीशाखासमलेखिये४॥ अथमध्यमालक्षण ॥ दो० ॥ करैमानबड़दोषते

जानैपीअपमानतजैअलीमनुहारिकरिताहिमध्यमाजान५॥ क०॥ चूकनहमारीकछुरूठिबेकीप्यारेलालहमतौतिहारीगृहदासीतेस-रसहैं निशिदिनरावरेकीसुरतबसतनैनरूखकीरुखाईसोतोहमको झरसहै जापरकृपाकीदृष्टिदेखतबिहारीलालसोई शिवनाथसुख आनंदबरसहै बिनतीहमारीसुनलीजैगिरिधारी दीनअबलानिर-खिनहिंलागततरसहैं ६ ॥ अथ अधमालक्षण ॥ दो० ॥ बारबारजो हठकरैरूसिरहैबिनकाज कटुकबचनपतिसोकहैअधमकहतिकबि-राज ७॥ स०॥ बारहिंबारकोरूठिबोबावरीहैहितहानिअयानन कीजैफाटोहियाजोपियानबसैअरुकाटौसुजीभकुबोलनभीजैबाटो सोबुद्धिबियोगबसावनीमिंटोसोडीठिनप्रेमपतीजै बारोसोमानजो कान्हसोकीजियेबारोसोदानरिसाइकैदीजै ८ ॥ अथ लघुलक्षण ॥ दो० ॥ निलजनिशंककुबुद्धितियआनपुरुषरतिहोय कलहाकबि शिवनाथकहिलघुकरजानोसोय ९ ॥ स० ॥ लाजकेसाजधरेई रहैनिरशङ्कहवैईकुलकानिबिसारै डारिदियोगुरुलोगनकोडरघूं-घटओअचरानसंभारै भोरेहुनाचितवैपतिओरकहैकछुतोकटुबोल उचारै गोरसबेचनकेमिसजाइउतैयमुनातटकुंजबिहारै १०॥ अथ पद्मिन्यादिकथनम् ॥ दो०॥ नारिपद्मिनीचित्रणीबरणतकबिशिव-नाथ पुनःशंखिनीहस्तिनीबरणिकहौंगुणगाथ ११ अथपद्मिनीलक्षण दो०॥ अङ्गसुगंधस्वरूपशुभमंदहासमृदुबैनस्वल्पअसनरतिक्रोध शुचिमतिउदारसुखऐन १२ रोमहीनतनसोहियेकनकबरनचख लोल स्वल्पमाननिद्रातथापद्मिनिगातअमोल १३॥ क०॥ बदन बिलोकिचंद्रचपिजातमुसकातवारिजलजातअंगभृङ्गमडरातहै सु-रनरनागनकीकन्यकाभचकिरहीदेखैहै न ऐसीकछूछबिछहरातहै रमारंभाराधाकोबिलोकितृणचटकावै शिवनाथरतिलोरतीहूठह-रातहै १४॥ अथ चित्रणीवर्णनम्॥ दो०॥ दीरघकचदृगस्वेदजलगंध रहित रतिरंग बिरलसेमतनबुद्धिबरबासहासपतिसंग १५ ॥

नृत्यनादरुचि बसनसुचि गानबिधानप्रबीन कंजबरनसोबरनतन चित्तचित्रिनी दीन १६ ॥ क० ॥ कमलसो कोमल अमलगात लचिजातकचनकेभारगतिचलतमरालकी हंसिहंसिहंसाइरीझि रिझाइसखिनकोबीनहिंबजाइगाइहरीमतिलालकीयक्षिनीनहोइ ऐसीसरससुलक्षिनीसीचित्रनीबिचित्रनैनाडाम्मरीगुलालकीकबि-तकहानीरागरंगकीबिधानीहरिप्रेमसनमानी राजैबुधिबरवालकी १७ ॥ अथ शंखिनी लक्षण ॥ दो० ॥ कोपकपट श्रमगंधयुत अरुण बसनपर प्रीति दीरघतनबहु लोमयुत सुरता रतछलरीति १८ निपटनिशंक अधीरतियतप्तगात चितलोल शब्दघोरकचभाललौ उरजपीनमुखगोल १६ ॥ स० ॥ हासबिलासलगैबिपसीरद केछदंदेतमहासुखपावै नेकअघातनहींरतिसोंबिपरीतिरचैपियसों सचुपावै खातअघाइकै नीदबड़ीअरुदीरघस्वासचलैघहरावै कोप करैबिनकारणकामिनिकोकबिशंखिनीकेगुणगावै२० ॥ अथ हस्तिनी लक्षण ॥ दो० ॥ भृकुटीकटिअस्थूलमुखचरणआंगुरीजोइ मंदचाल चितद्रुमतिअतिबरणतबुधिजनलोइ २१ अधर श्रवण रददीर्घ कुचमदनसदनश्रमगंध सघन रोमतनअरुणकचअतितीक्षणमति अंध २२ ॥ स० ॥ मंदचलै गतिकंधनबाइकैसुधिबिलोकनिलाज बिसारै कोपभरी रहैआठहु याम सोकाम कीकिंकरिजानबिहारै अंगमयीदुरगंध छयीनिरशंकभईघहराइपुकारैक्योंसुखपावततासु पियाकरिनीकेकलोलनिप्रानउबारै २३ ॥

इतिश्रीसिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टिपद्मिन्यादि उत्तमादिबर्णनम्तृतीयोरहस्यः॥ ३ ॥

अथनायकाभेदबर्णनम् ॥ दो० ॥ इनलक्षणतेहोतहैंतीनिभांति कीतीय स्वकियाऔरपरकियासामान्याबरर्नीय १ त्रिबिधि नाय-

काभेदयहबरनतकबिशिवनाथस्वकियानिजपरपरकियासामान्या बितनाथ २॥ अथस्वकियालक्षण॥सो०॥ पतिकोसुरतिपुनीतनिशिदिन करलीन्हेरहैं कोमलअमलबिनीतबचनसुधासममुखकहै ३॥स०॥ अधरानहिंमेंमुसकैवहवालअमीसेकहैमृदुबैनरसीले गतिमंदकहूं अहटाततनेपुरकोपबिनिंदितनैनलजीलेसूयेसुभायनकी ठकुराय- निनेमनिबायनिप्रेमछबीले पुण्यपुराकृत भूरिभटूजेहिनायकचा- यनप्रेमबसीले ४ दो०॥ मुग्धामध्याप्रौढ़गतित्रिबिधिनायकाजान एकएककीचारिहैं तिनकोकरौंबखान ५ अथ मुग्धालक्षण॥ नवलबधू नवयौवनानवलरूपबपुहोइदिनदिनद्युतिसरसातिहै मुग्धाजानो सोइ ६ ॥ क० ॥ चंचलसेनयनबैनबोलतचपलगति नेकमुसकान लागेअधरकपोलरी नेकलालीयौबनकीझलकतबदनपरनेकउक सोहेकुचआभासीअमोलरीकामकी कहानीरससानीनासमुझिपरै बझतपियसखिनसोंकरतकलोलरी तिरछेचितैकैदुचितैकैउरदेखि देखि कामकीकुमारिकाकीलीन्हीछबिमोलरी ७ अथ नवोढ़ालक्षण॥ दो०॥अबलापनतनमेंबसैयौबनजोरजनाइजंगपरीमिलिदुहुनसों करतकटाक्षनघाय ८ मुग्धाचारिप्रकारकी प्रथम नवोढ़ाहोइ पुनि अज्ञाताज्ञातयौबनाऔबिश्रोढासोइ ९॥स०॥ अबलापनयौबन बीरबली दोउजंगजुरेमिलियुद्धकोठानो शोरपरोसबदेशनमें नृप यौबनजोरध्वजाफहरानो कौनकिजीतिकोहारपरै सोमनोगजझुं- डनसिंहसमानो खायहजारनघायकटाक्ष मनोअबलापनहारिप- रानो १०॥ अथ अज्ञातयौबनालक्षण॥ दो० ॥ यौबनकीझलकोझलक नहिंजानतजोबाम पूंछतप्यारीसखिनसों अज्ञातयौबनानाम ११ ॥ स० ॥ आलीकहायहब्याधिभई छतिया उमगी मनो आ- वतहै निसुबासरनेकसोहातकछूनहिंनैननितंबबढ़ावतहै कौनइ- लाजकरोंसजनीतोहिपूंछतलाजलजावतहै जियशंकबढ़ीकटिखी- नहिंदेखिसखीतोहिऔषधआवतहै १२॥ अथ ज्ञातयौबनावर्णन॥दो० ॥

काहूकेगृहजाहु जनिचलोनवायेनेन ब्याविनहींसुखकेध्वजाउर उकसायेमैन १३ ॥ स० ॥नैननवायेरहौसजनीगृहकाहुकेजाहुन मेरीगोसायनि मंदचलौगतिचालछपाइकैशीलसनेहसिखौठकुरायनि कीरतिसोकहिहौंसुधिकैतोहिं नंदकुमारहिब्याहउछायनि सुनिकैसकुचीतिरछीकरिभौंहललीदृगखंजनसेसुखदायनि १४ ॥ अथ विश्रब्धनवोढालक्षण ॥ दो० ॥ पियसोनहिंपतियाततियछलकरि सखिनबोलाइ सोनौढ़ाबिश्रब्धहैढिगबैठीलजियाइ १५ ॥ स० ॥ गौनेकीरातिकोसेजसंवारिसखीनबोलाइलईदुलहीसबिलासकरी निजुप्रीतमसोसिखदेइचलीरसरीतियही तबलालनआइलईडर लाइगईअकुलाइउसासबहीचौंकिपरीपरियंकतेबेगहहाकरिसुंदरि भूमिगही १६ अथ मुग्धाकासयानु ॥ दो० ॥ मुग्धाशयनकरै नहींपियपैसुनहुंअयानि जोबरबसउरलाइये तौअनरससुखहानि १७॥स० ॥ सोवतहैलड़िलीदुलहीपतिसंगभयाकुलहीमुखमोरी करसेकुचझंपिकैचापिचुरी नबजेपगपायलकंपितगोरी सेजपरी झझकैउचकैकटिकिंकिनिशोरपरोचहुंओरी हाहाकरौउतजागतहै ननदीबहियांनगहौपियमोरी १८ अथ मुग्धाका बिलास॥ दो०॥ पिय सोंकछुपतियाततियकछुडरलागतचित्त यहबिलासमुग्धानकोबरणौंलाजसहित्त १९ ॥ स० ॥ केलिबिलासअघानेनहींनिसुबासर बालबोलाइलईजू आईयसूकैअटापरबालसोधामकीदेहरीठाड़ीभई जू प्यारेकह्योढिगबैठियसुंदरि बोलतबैनसोलाजमईजू जानतहौ शिवनाथअबैअंखियानमेंकामकीछाहछईजू२० अथ मुग्धाकामान॥दो० करैमानमुग्धानहींकुशलसिंहसपनेहु जोकोईसिखवैसखीमनआनै अपनेहु २१ ॥ स० ॥ काहूसखीसिखयोनवलाकहमानकीरीति सयानसोकाची बोलीनबालबोलावतलालभरीगतिमानेबिलोकन नाची प्रातपयानबन्यौपरदेशकोबातबनाइकह्यौयहजांचीयोंहरुये हंसिबोलिदियोअकुलाइकह्यौपियझूंठकिसांची २२ ॥ अथ मुग्धाको

सुरतांत ॥ दो० ॥ नेहभरे आलसभरेसकुचभरेरतिरंग ।येनैनाअध अधखुलेजगेपगेपतिसंग २३ ॥ क० ॥ मंदभरेलाजभरेआलस सकुचभरेनेहभरेरसभरेलोचनबिलासीहैंपलकेंअधरअधखुलीअल कावलीगलितगुनमालउरउपटिप्रकासीहैं झुकिझुकिझूमिझूमिऐं- ड़तचलतबालमृगजमरालनकीगतिमतिनासीहैं सुंदरसुपेदीसेज सजीतजिउठीप्यारीकैधौंक्षीरसागरतेकढ़ीकमलासीहैं २४ ॥ अथ मध्यालक्षण ॥ दो० ॥ लाजमैनजाकेहिये नेकुनछांड़तसंग मध्याता सोंकहतहैं जेप्रवीनरसरंग २५ कहिमध्याआरूढ़जोबनाबचनप्रग- ल्भाजानौं प्रदुर्भूतमनोभवरनौसुरतिबिचित्रामानौं २६ ॥ अथ आरूढ़यौवनामध्या ॥ दो० ॥ मध्यायौबनरूढ़तियनिरखिआपनीछांह मुरिमुरिदेखतलालको दुरिदुरिनैननमांह २७ ॥ क० ॥ नैन मदमातेबांधेलाजकीजंजीरनसो झूमतऐंड़तचलेकामके मतंगवर पाखरपलककपटघूंघुटउघारिनेकझंपतिउचकिचपिकोरनकटाक्षशर सरसरीसारीसिरसोहतकिनारीदारसरकिसरकिजातकंचुकीअत- स्तरमुरिमुरिबिलोकतहैंलालकीबदनबालवारिवारिडारेकंजखंज नदृगनपर २८ ॥ अथ बचनप्रगल्भामध्या ॥ दो० ॥ बचननकीरचना करैपियहिउरहनोदेइ ताहिप्रगल्भाजानिये हितकरिसुखरसलेइ २९ ॥ क० ॥ दंपतिपलंगपरेसोहैंरंगरसभरे एकैपटलपटिकैस रससुखसाजेहैंप्यारीओरफेरिमुखलालनकरौंटलीन्हीदीन्हीछोरि छिनमनभायेकरिकाजेहैंझुकिझुकिउरोजनकेअंकुरचुभावैबालशिव नाथमदनव्यथाकेदलभाजेहैं हंसिउठिबोलीपियपींठदीन्हीहाह करौअंकभरिलीन्हीह्वैनिर्शंकनेकलाजेहैं ३० अथप्रादुर्भूतमनोभवा मध्या ॥ दो० ॥ प्रादुर्भूतमनोभवा मध्याकबिशिवनाथ अंगअंग छबिछरहरी कोकरियेगुणगाथ ३१ कबित्त॥ गुणनकीआलावृज बालालालालाड़िलीसीकैधौंरूपमालासुखसालालललीनागकी च पलाचपतचकचौंधतसीतनद्युति कैधौंमृदुमूरतिहै पतिअनुरागकी

कमलाकलासीमैनकन्यकाप्रकाशीकान्ह शिवनाथसोहैकैधौंरेखार सभागकी आननकीछबिदेखछपतछपाकरहैछहरिछहरिपरैलहरि उमगिसोहागकी ३२ अथसुरतिबिचित्रामध्या ॥ दो० ॥सुरतिबिचित्रा नायका मध्यायौवनवन्त अंगअंगछबिकीछटा भावतहैमनकन्त ३३ ॥ क० ॥ भागभरेउभालभागमोतिनसोहागभरीबंकभरीभौ-हनसनेहभरेनैनहैंनाजभरीनासिकाअधर बिबरसभरेहासभरीअ-लकसकुचभरेबैनहैं हुदभरेयौबनमनोरथमनोजभरेअंगअंगरस भरेरससुखऐनहैं लाजभरीगतिमतिप्रीतिभरीशिवनाथचातुरीचि तैनिहावभावभरीसैनहै ३४॥ अथप्रौढ़ालक्षण ॥ दो० ॥ पियसोंप्रे-मप्रतीतिरति कामकलारसलीन हावभावकोबिदभई प्रौढ़ापरम प्रबीन ३५ कहिसमस्तरसकोबिदा चित्रबिभ्रमाहोइ आक्रा-मितिप्रौढ़ाकहौ लज्याप्रारतिसोइ ३६ ॥ अथसमस्तरसकोबिदाप्रौढ़ा ॥ स० ॥ दंपतिकेलिकरीसबरैनि अनेकबिलासअनंगतरंगनि कुच चापिचुरीचटकाइमनोहरहारउतारिधरेतियअंगनि रदछेदकपो-लनचुम्बनआसनअंगसुवासनभायकेभृङ्गन लपटातसोहातल-गोपियगातअलीअनखातप्रभातबिहंगन ३७ ॥ अथबिचित्रबिभ्रमा प्रौढ़ा ॥ दो० ॥ अतिबिचित्रबिभ्रमकहौं प्रौढ़ागुननबखानि जाको जोबनजोहरी रसमानिकपहिचानि ३८ ॥ स० ॥ चपलाचपि जातबिलोकतआननबाननकीगतिसाननलूटी गतिमंदमनोहर हारहियेलटकीललकैअलकैछबिछूटी ज्योंपतिकीमतिचाहकरैर-तिरंगअनंगसुशीलबयूटी प्रातउठीअलसातझुकीछहरैछतियामो तियालरटूटी ३९ ॥ अथआक्रमितप्रौढ़ा ॥ दो० ॥ आक्रमितप्रौढ़ासु-नहु गानबियानप्रबीन चलनचातुरीदीनता जेपतिमतिबसकीन ४० ॥क० ॥ जटितजवाहिरकेभूषणसरससाजेछलकिछलकिपरै अंगनिझकाझकी चातुरीचपलननी आतुरहवैआईइतहितउपजाइ लगीनैननननटकाटकी मंदसेसुरनगाइकीन्हीपतिमतिबशरससर-

साइप्रेमपरीहैछकाछकी कुशलसिंहलटकिलटकिलागीउरबाल हमसोंनकीजेलालरंचकसकासकी ४१ अथलज्या प्रारतिप्रौढ़ा ॥ दो० लज्याप्रारतिप्रौढ़तिय पतिसोंरहैअधीन रतिमतिसोलज्याकरैनै-नबैनछलहीन ४२ ॥ स० ॥ चारिउयामरंगेरतिरंगजगोमिलि दंपतिरैनबिहाने लाजलपेटेलहैद्युतिकेबरलोचनशोचसकोचन-शाने चाहतिहैबिछुरैनहिं लालसु कोटिबिनोदपरैनबखाने चौंकि चलैनचलैपर्य्यंकपरैभरिश्रंकलसैललचाने ४३ ॥ अथधीरादिकथनं दो० ॥ मध्याप्रौढ़ानायका जबैकरतयेमान धीराप्रथमअधीरहै धीरअधीराजान ४४ ॥ अथमध्याधीरालक्षण ॥ दो० ॥ व्यंगबचनर-सकेसने बोलततियअनखाइ धीरातासोंकहतहैं नैननीरछहराइ ४५ ॥ क० ॥ अंबुजसेअंबकउमगिअंबुथहरातबोलीकरजोरि प्यारीप्यारेनंदनन्दलाल आयेप्राणनाथप्रातअंगअलसातमेरेप-रमसोहागकीलहरजागीचन्दभाल रैनकेउनीदेनैनकृपाकरिबै-ठिजैयेधन्यवहयौबनजवाहिरमसंदबाल हीरानाजमुरंतिनमूंग मोतीशिवनाथउरमेंबिराजीबिनधागेयहकौनमाल ४६ अथमध्य अधीरालक्षण ॥ दो० कोपसहितबोलैबचन त्योरचढ़ायेबाम पियसों देइउराहनो मध्यअधीरानाम ४७॥ स०॥आयेपियाअनतेबसिकै लखिभालमेंचन्दनदागदगेहैं बोलीरिसायउठीझहराइसोरावरे कौनकेरंगरंगेहैं काहेकोसौंहहजारनखातलगेनलगातछपातपगे हैं भावैजितैतितहीरहियेबरजोरनकाहूकेनैनलगेहैं ४८ अथमध्या धीरअधीरलक्षण ॥ दो० ॥ मध्याधीरअधीरतिय जानतहैंसबकोय रु-खरूखेहगनीरभरि दुःखजनावैरोइ ४९ ॥स०॥ सुनियेमृगलो-चनिबैनसुनेसबक्योंहंसियेहंसिश्रावतनाहीं गानकरोनसोहात अज्योंखेलियेसतरंजपिरातहैबाहीं मानकियोअपमानहिदेखिल-गैयोसुगन्धकरीपियनाहीं ढरकेअंसुवाहगकोरनलौंसोमनोमुकु-ताहलकीपरिछाहीं ५० अथप्रौढ़ाधीरलक्षण ॥ दो० पियसोंरूखेरुख

रहै बाढ़ेबालउदास प्रौढ़ाधीराकहतहैं अनखतकरैबिलास ५१
स० ॥ आजुकहाअलसातसेअंगहैं प्राणप्रियारसकोबिसरावत
फीकीसीलागतिहैमुखकीछबिज्योंसरसीरुहचंदलजावत चापिक-
पोललयोअधरारसनेककहूं मुसुकयानिनआवत भौंहमरोरिरही
मुखमोरिसोनैननमैंतियमानजनावत ५२ अथप्रौढ़ाअधीरालक्षण ॥
दो० दुरदैकैपियकोतिया कहैनैनतिरछाइ प्रौढ़अधीरानायकाब-
रणतहैंकबिराइ ५३ ॥ स० ॥ कान्हभलेजुभलेहमजानतआजु
कछूचितचक्रभयोहै कौनसीकामिनियामिनिजागिकिधौंधितकाहू
केसाथदयोहै करसोंकरबांधिकलीअवलीउरतेबनमालउतारिलि-
योहै सांचीकहौकिअलीरसलीनछलीछलकीनकिछैलभयोहै ५४
अथप्रौढ़ाधीराधीरलक्षण ॥ दो० प्रौढ़ाधीरअधीरतिय निरखिआनतिय
चिन्ह ह्वैउदासबोलीनहीं पियसोंडीठिनदीन्ह ५५ ॥ क० प्रातउ
ठिआयेप्यारेप्यारीकेधवलधामने सुकनिहारिरेखबंदनकीभालमें
बैठीपरय्यंकअंकभरिलीन्हीशिवनाथगईसुधसौतिनकेबिरहबेहा-
लमें बाहकेगहतनाहनाहींनाहींकहतहीनीरभरिआयोहगकोरन
केसालमें दीरघअमललोलफंदेबंधेमनौमैनमीनलालरेसमकेसुं-
दरसुजालमें ५६ अथज्येष्ठाकनिष्ठावर्णनम् ॥ दो० ॥ सरसप्रेमप्रियजा-
हिपरनारिसोज्येष्टाजानजापरघटि शिवनाथकबिसोईकनिष्ठामान
५७ लघुदीरघकोभेदनहिं नहिंसुन्दरीदरीनप्यारीहीकेप्यारपर
रहनायकरसलीन ५८ ॥ स० ॥ एकसमयहरिराधिकाऔललिता
मिलिकैबनमालबनायोनीलसरोरुहसोतनसुन्दरलैकरश्यामहिये
पहिरायो ललिताबहुद्वैजकोचंदविलोकिकह्योहरिभामिनीशीशउ
ठायो तौलौंललीवृषभानभलीबिधिचापिउरोजसुगंधलगायो ५९

इतिश्रीसिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि
सुकियाभेदवर्णनम्चतुर्थोरहस्यः ४

अथपरकियालक्षणबर्णनम् ॥ दो० ॥ निजपतितेंप्रतिकूलहै उपपति तेंअनुकूल परकीयातेहिजानिये मदनचातुरीमूल १ ॥ अथद्वै भेद बर्णनम् ॥ दो० ॥ ऊढ़ाप्रथमअनूढ़है चतुराईगुणगूढ़ ब्याहीऊढ़ा जानिये अनब्याहीसोअनूढ़ २ ॥ अथऊढ़ालक्षण ॥ स० ॥ गोकुलको बसिबोनभलोअनदेखेहीलोगकलंकलगावत मैंनसुन्योहरिकोन स्वरूपकहैंसबतेरेलियेइतआवत जोयहसांचकरीसबहीमिलितौ शिवनाथसबैबनिआवत रीवहअंबुजसेमुखकीमधुरीमुसुकानिसो काहिनभावत ३ अथअनूढ़ालक्षण ॥ दो० अनब्याहीजोपुरुषकी करैकामनाचित्त बालअनूढ़ाकहतहैं जोचाहैहियमित्त ४ ॥ स० ॥ गौरिकेमंदिरमेंनवलाबहुचंदनबंदनमालबनाइकै पूजिदोऊकर जोरिबहोरिकह्योमृदुमंजुलबैनसुनाइकै मनकीगतिजाननिहारि पुरारिप्रियातुमसोंकहियेकहगाइकै बरकीबरदानिहमैंबरदेयहसु न्दरश्यामभिलैमोहिंआइकै ५ ॥ अथपरकियाभेद ॥ श्लोक ॥ परकियाषट्प्रकारेण गुप्तालक्षितमद्विता साबिदग्धाचकुलटाच अनुसैनाचबिद्यते ६ ॥ अथगुप्तालक्षण ॥ दो० ॥ सुरतिछपावैतियनमेंचतुराईउरआनि बरणतकबिशिवनाथहैं गुप्तातातहिबखानि ७ क० पुहुपकीबाटिकामेंगईतिपुहुपलेनबानरकठिन एकदौरिकैलपटिगो नखनबिदारीसारीफारीमिरी मलमलकीकीन्हींमेंपुकारतबकुंजन झपटिगो भागिकैमरूकैमैंइहांलौंआईशिवनाथधरकतिहैछातीरंग मुखकोकपटिगो ८ ॥ अथलक्षितावर्णन ॥ दो० ॥ पीतमचित्तबसोरहै सखिसोंकरैदुराव पूछतहीअनखातहैयहैलक्षिताभाव ९ ॥ स० ॥ कान्हकीमूरतिचित्तबसीजबतेवहिकुंजनभेंटभई तबसेकछुऔरनई छबिछाजतलोचनमोचनलाजमई बारहिबारबिलोकतहाथकहा हिंदीघनश्यामदई अनखातभटूभृकुटीकरिबंककहा सजनीहम छीनिलई १० ॥ अथमुदितालक्षण ॥ दो० ॥ मित्रमिलनकीसुनिसखी मुदितहोइचितचारु फूलिफूलिउमगतहियो कबिशिवनाथबिचारु

११॥ स०॥ भोरहिकालिकापूजनकोघरकीघरहाइनिपेलिपठै-हो तूमतिजैयोसोहागिनसांवरीसावरेरंगमेंरंगमिलैहौ कानमें आनितहींसमुझाइबिनोदनछाइहियोहुलसैहौ फूलिगईमनहींमन नागरिनागरनंदसोहागरिझैहौ १२॥ अथबिदग्धलक्षण॥दो०॥युगु-ल बिदग्धा बरणियेलक्षणसहित बिबेक बाकबिदग्धाएकहैक्रिया बिदग्धाएक १३ करैबचनसोचतुरई बाकबिदग्धासोइ क्रियाकरै करसोअलीक्रियाबिदग्धाहोइ १४॥ अथबाक्बिदग्धा॥क०॥आजु दीपमालिकाकोपूजनगईहैं सबरैनिअंधियारीहोंअकेलीकहा की-जिये प्रेतऔपिशाचनकीनारीडोलैंघरघरधरधरकरेजोहोततातै भयभीजिये श्यामहिं सुनाइकैकहतगोपीबारबारदीपहुबुझानेमैन तानेसरछीजिये जौलौंघरहाईआवैमन्दिरलौंहाहातौलौं आउरी परोसिनबलायतेरीलीजिये १५॥ अथक्रियाबिदग्धा॥ दो०॥ सा-सुनिकटबैठीतिया मुखघूंघुटपटलोट क्रियाबिदग्धाबरणिये निर-खतछबिपटओट १६॥ स०॥ चंदसोंआननखंजनसेदृगबैठिब-नाइशिंगारकरै आइगयेमनमोहनताछिनदेखनकोचितचाहभरै आरसीमेंकरिश्यामकीमूरतिऔनिजमूरतिलाइगरै शिवनाथमनो रबिजाजलमेंसुमनोरतिमारबिहारकरै १७॥ अथकुलटालक्षण। दो०॥ नायकबिपुलचहैहिये बड़ीकामकीचाह कुलटातासोंकहत हैं कोकरिसकैसराह १८॥ क०॥ यौबननवेलीअलबेलीरूप मानभरीहंसतगयेलीशोपग्वालनसोंजाइके एकनबोलावैएकसै-ननचलावैएकनैननरिझावैएकरहैउरलाइकै निरखतचलतअंगक रनकटाक्षकरिअंचलउघारिदीन्हीलटलटकाइकै बागबनशैलसै लजातनासखीहूसंगलोकलाजडारिकुलकानिबिसराइकै १९। अथअनुसैनाबर्णनम्॥ दो०॥ केलिकरैजेहिकुंजमें सुचिकरिताहिब खानि अनुसैनातासोंकहत बिरहदशाउरआनि २०॥ क०। गुंजतमधुपवैतमालकीलतानपरबेलाकीसुगन्धबहैपरससमीरब

डहडहीबेलीबनफैलीफूलबरषतलहलहीलहरि वहयमुनाकेनीर की सुमिरिसकेतकुंजनैननप्रबाहबाढ़ेउसखीसमुझावैनेकधरतन धीरकी आईहैबसंतऋतुकोकिलकलापीपापीबोलतपपीहाकैधों मैनउपचीरकी २१ ॥ अथ बलासा अनुसैना ॥ दो० ॥ आईकुंजबिलास करि सखिहिसुनावैबैन अबकोऊअनखोवको लगेश्यामसोंनैन २२ ॥ स० ॥ देखिकदम्बतमालद्रुमंकुरफूलिरह्योबनयोसरस्यो अरुशीतलमन्दसुगन्धसमीरबहैमनमैनकेफंदफरस्यो सांवरीमूरति चित्तचुभीछबिआननपूरणचंदलस्यो शिवनाथसनाथभईलखिकै अबतोमनकुंजनबीचबस्यो २३ ॥ अथ प्रेमा अनुसैना ॥ दो० ॥ पिय कुंजनआयेअली मैनपहूंचीजाइ यहअनुसैनातीसरी शिशुनेप- छिताइ २४ ॥ क० ॥ ग्रीषमदुपहरीमेंसकेतकुंजकढ़िजाइशारंग केसुरतिबजायहरिबासुरी सुनिधुनिकाननमेंकाननमेंराखेप्रानता- ननकीबाननकीचुभीउरगांसुरी सासुकेसकोचननजानपाईशिव नाथअंगअंगरोमप्रतिपरीमैनफांसुरी आयेघनश्यामउतमैनगई कुंजधामअंबुजसेअंबकउमंगिआयेआंसुरी २५ ॥ अथ सामान्या वर्णन दो० ॥ बित्तवार्णाचितचहत बनीयनीसोंप्रीति सामान्याहतासों कहैहैग्रंथनकीरीति २६ ॥ स० ॥ मंजनकैतनभूषणसाजिलगाइ सुगंधकरीचितचोरी चंचलनैनचलाइकटाक्षकरीमुखपैअलकैंलट कोरी अधरारसप्याइपियाबशकैउरमालउतारिलईबरजोरी बैन नहींबतराइरिझाइलियोअपनाइकैनाइठगोरी२७ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहविरचितायांरसदृष्टि
परकियासामान्यावर्णनम्पंचमोरहस्यः ५

अथवारिसानमद बर्णनम् ॥ छंदचौपैया ॥ अन्नसुरतिदुःखितारूपगर्बि-
ताजानो मानवतीकेलक्षणतीकेपृथक्पृथक्येआनो सुरतिछपावै
रूपदेखावैप्रेमसहितपरमानो मानमनावैपीसमुझावैकबिशिवना-
थबखानो १ ॥ अथअन्नसुरतिदुखिता ॥ दो० ॥ निजपतिचिन्हबिलो-
किकछु आनतियाकीदेह समिखिउठैरिसिकरिअली सुरतिदुःखि
तायेह २ ॥ क० ॥ कमलसोबदनकुम्हिलानोकाहेश्रमबिन्दुग्री-
षमदुपहरीतपनसरसाईहै पीतपटकैसोतेरेकन्त बकसीसदीन्ही
धरिकेयोंबचनमोहिंमोहनबकाईहै बारक्योंलगीरीतेरेप्रेमकीक-
हानीकहीअरुणकपोलकाहेकेसरिलगाईहै ३ ॥ अथरूपगर्बिता ॥
दो० ॥ रूपवतीनिजमुखकरै यौवनरूपबखान बरणतकबिशिव-
नाथहै रूपगर्बिताजान ४ ॥ क० ॥ नेकचढ़िगईहौअटालैंसुन
मेरीबीरपायनमेंछालनकीकनीझलकातहैचंचरीकलपटिगयेरीसि-
बअंगनमेंहांकिहांकिहाथनकीअंगुरीपिरातहै निरखिउरोजनस-
रोजसकुचानलगेदृगनबिलोकिमृगखंजनलजातहै औरहौंचकोर
नकीकहाकहौंशिवनाथचंदहूकेयोखेयोखेमुखमडरातहै ५ ॥ अथ
प्रेमगर्बिता ॥ दो० ॥ निजनायककेप्रेमको गर्वजनावैबाम तासोंक-
बिशिवनाथकहि प्रेमगर्बितानाम ६ ॥ क० ॥ जोईहौंकहतसोई
करतप्रमाणपियवाकीदीठिमेरेसंगलागीसीफिरातहै मेरेहंसेहंस-
तउदासीतेउदासहोतनेकरूशिरहौंपानीपाननासोहातहै तौनगुन
रीझेमैनजासोंकछुरसभावकेधौंमेरेभागकीबड़ाईठहरातहै कुशल
सिंहबारबारघूंघुटउघारिझांकिचंदज्यों चकोरनकेनैनललचातहै
७ ॥ अथमानबर्णनम् ॥ दो० ॥ पियप्यारीकेप्रेमतेउपजिपरतअभि-
मान तबैत्रिबिधियहहोतहै गुरुमध्यमलघुमान ८ औरनारिको
चिन्हलखि बचनकहैसतराइ सोगुरुमानबखानिये छूटैपरसहि
पाइ ९ ॥ अथराधेजूकोगुरुमान ॥ स० ॥ जावकदागदगेमुखपैलखि
नैननपावककीगतिलीन्ही भौंहचढ़ाइउठीझहराइतुम्हैंबिधिनेक

हुलाजनदीन्ही बैननशोचसकोचननयननकाकमरालपरैनहिंचीन्ही नीचसुभावमिटैनहिंकैसेहुकीटपतंगज्योंदीपककीन्ही १० ॥ यथा ॥ क० ॥ तुम्हैंजकलाग्योलाउलाउबैनसुनैबैनमारिरहांसोमारदाहनदहंतकी बोलिहारीकोकिलापपीहाटेरिटेरिहारेदामिनीचमंकिहारीनहींचाहकन्तकी कैसेहूनमानतकुशलसिंहहाहाकरि जानीनापरतप्यारीगरबकेअन्तकी आपैचलिमाननीमनायलीजे प्यारेलालहौंतौबलिहारीहारीमारुतबसन्तकी ११ ॥ अथराधेजूको मध्यममान ॥ दो० ॥ बातैंकरतबिलोकिकै आनबधूसोंलाल उपजत मध्यमसानतहं भइसरोसतनबाल १२ ॥ क० ॥ नितउठिरूबिबेकीकौनरीतिशिवनाथ कौनेधौंसिखायोयेरीकहांकोसयानरी आयेमनभावनमनावनपलटिगयेतासोंमुखमोरिरहीकैसोतेरोज्ञानरी वाहिरटलागीरावैरावेतूनिठुरभईकबलोंरहैगोतेरोकठिनगुमानरी उठिचलुप्यारेनंदनन्दपैमयंकमुखीमानतजिकरिअलीयौबनकोदानरी १३ ॥ अथराधेजूकोलघुमान ॥ दो० ॥ करनलगेकछु औरई निकसिआनतियनाम दुखरूखेदृगसजलकरिमानजनायोबाम १४ ॥ स० ॥ चंद्रमुखीब्रजचंददोऊमिलिलैसुरतानेनढारदुरे आनतियाकोपियालियानामसोप्राणप्रियासुनत्योरमुरे हरीदरियाईकीकंचुकीपैढुरिनैननतेजलबुंदपुरे भीजीमनोमुकुतानकेलालचकंजकेपातनलालडुरे १५ ॥ अथकृष्णाजीकोगुरुमान ॥ दो० ॥ लोकलाजमर्य्यादतजि कहैबचनकछुबाल सोगुरुमानवखानिये उपजतहैउरलाल १६ ॥ स० ॥ आजुकीबातसुनीकछुबालसोरावरेसों हरिरूठिरहेरीमेरेमनायेनमानतबालसुतेरेलियेपरिपाइगुहेरी बैठिरहीनिहचिंतकहाचलिमानमनाउसोहागचहेरी सुनिकेमुरझाइ गईनवलाकेहिकारनमानकीरीतिकहेरी १७॥ अथकृष्णजूकोमध्यममान ॥ दो०॥ हाहाकरिबिनतीकरीपीहारेपरिपाय जहांनमानतमानिनी कहिमध्यमकबिराय १८ ॥ क० ॥ सखीबचन ॥ अबलाअधरबुधि

कहाजानैरसभावतुमतौसुजानऐसोमनधरियतुहै ऐसोबोलबोलौजैसोबोलियतुबलिजाउखेदेकहुपक्षिनकेपाछुपरियतुहै कीजैसनमान अरुखैयेपानपान प्रानप्यारेबिनाजलयानकैसेसिंधु तरियतुहै जाकेलयेमोसोहाहाकरीपरतपांयतासोहरिअनरसकीवातकरियतुहै १९ ॥ अथकृष्णजीकोलघुमान ॥ दो० ॥ पियकछुकह्योफेरच्यो नहींदियोलाजसकुचाय यहैरीतिलघुमानकीबरणतकबिकबिराय २० ॥ स० ॥ आजुहिक्योंचलिहैमनकीगतिलाड़भरीसोदुलारकरोजू अबहींबहुकेलिकिरीतिनजानतिसाहसकैरिहिआंकभरोजू जोइकहैकरियेमनमोहनवाहिकेबैननढारढरोजू बलिजाऊंललारसरीतियहीहरुयेहरुयेहरिहाथधरोजू २१ ॥

इतिश्रीसिरमौरकुशलसिंहविरचितायांरसवृष्टिगुरुमध्यमलघुमानबर्णनम्रखष्टमोरहस्यः६ ॥

अथमानमोचनबर्णन ॥ दो० ॥ तजैमानजेहिरीतिसोराधागोपीनाथषटप्रकारकोभेदयहबर्णतकबिशिवनाथ १ ॥ सामदानवतरसप्रणतिअनायासकरिभेद मानबिमोचनरीतियहदण्डकियेहसखेद॥ अथराधाजूकोसामउपाव॥रुखलीन्हेसमुझाइकैशांतिवचनपतिप्रीतिसामउपाउमिलाइबोबर्णतकबिजनरीति ३ स०॥ जासोंरहैरसकीनितआशअलीसपनेरिसकेहूंनकीजै देखेबिनामरियेनितप्यासनलोचनरूपअघायकैपीजै नीरहितेसुखपावतमीनकहौबिनुनीरवुहकैसेकजीजै मानिनीह्वैबशकीन्होपियाअबतौचलिकैमिलिकैरसलीजै४॥ अथकृष्णजूकोसमापाउ ॥ मैंहितकीकहियोसमुझौमनआपनेश्यामनरोषभरोजू होतुमहीतुमहीहरिहौयहप्रीतिकीरीतिनमानधरोजू काचिकलीनखिलैशिवनाथसुधारससींचउपायकरोजू चलिकैमिलियेवृषभानललीफिरिकुंजनकुंजनराजकरोजू ५ ॥

अथदानलक्षण ॥ दो० ॥ देइकछूप्रीतमप्रियहिमानछुटावैआइ यह लक्षणगणिकानकोकोबिदकहतबुझाइ ६ ॥ अथर धिकाजूकोदानउपाउ क० ॥ बकिबकिजकिदूतीहारिहारिफिरिआई रूपमतमातीबैठी मानसरसाइगोहंसिहंसिहेरिहेरिफेरिदृगसखिनसोमिसमिसराधे केनिकटहरिआइगो कह्योउरलीजेप्यारीहारयहमालतीकोतेरे कुचपरसिनकेहूंकुम्हिलाइगो आलीहौंअचंभोरहीआवतनबैनक-हीआपनीपियारीलीन्हीआपहीमनाइगो ७ ॥ अथकृष्णजूकोदानउपाउ स० ॥मुसकायगईढिगनयनचलाइभलीबिधिलालगलेभुजमेली मुखमोरतहैघनश्यामजबैतियपानखवावैअंगूठनदेली उरसोउर लायदियोअधरारसमानछुटावतबालनबेली अंकभरीहंसिकैशि-वनाथमनोसुखकीरसरासिसकेली ८॥ अथबतरसलक्षण ॥ दो० ॥ बातनहींमनमोहियेभूलिजाइजेहिमान हंसिहंसाइपरिहाससो बतरसलक्षणजान ८ ॥ अथराधेजूकाबतरस ॥ क० ॥ नेकहंसिबोलो करजोरिकैकहतलालमैतोतकसीरप्यारितेरीकछुनाकरी कालिका कोपूजिरक्तचंदनचढ़ायोभालजावककेधोखेसतरानीहौकहाकरीहं सिहंसिहंसाइदीन्हीमुखमोरिशिवनाथ सखीसोंसहादीदैदैसांवरे हहाकरीभूलिगईरिसुमुसकानलागीमानतजिकरीसोकरीअबआ-ओजूछमाकरी १०॥ अथकृष्णजूकोबतरस हंसतहंसतआईश्यामकेस-मीपबालरूपकीसीमाललोललोचनचलाइकैमानीभयेकौनपरसां चीकहोमेरीआनगौनीप्रीतिरावरेकीदीजियेबताइकै मानजनिछो-ड़ौनेकसूधेतौबिलोकोलालहरचौमनकहूनवलयौवनदेखाइकैकहा चतुराईकहौराधिकाकी शिवनाथबातनहींप्राणप्यारीलीन्होहेम-नाइकै ११॥ अथप्रणातिलक्षण॥दो०॥हितपराधकेकामवश पीप्यारीपरि पाइताहिप्रणातकबिकहतहैं मानछुटावैजाइ १२॥ अथराधेजूकोप्रणति॥ स० ॥ धाईसहेलीसखीसिगरीसोमनाइरहीकहिसूधेनिहारिये ताताजोहोइसिराइकैखाइयेरीपैथारनलातनमारिये मानकियो

नभलोसजनीयहसौतिनकोअपमानबिचारिये तौलौंनमान्योगु-
मानभरीजबलौंहरिपाइनपाणिपसारिये १३॥ अथकृष्णाजूकीप्रग्यात॥
क०॥ जासोंसुखपाइयतबलिजाउअंगअंगताहिदुखदेनहूंकीसु-
धिबिसराइये जाकेबिनदेखेनपरतकलपलपलतासोंहठकैसोका-
न्हकंठहिलगाइये जाकेलयमेरेपगलागतलगीसीपगसोहैनैनक-
रोनेकभागहीमनाइयेमानहीमेंमानिलीजेमनप्यारीहाथदीजेकी-
जेरसरीतिप्राणप्रेमउपजाइये १४॥ अथअनायासलक्षण॥ दो०॥
भयपरिहासकिमैनते छूटिजाइजेहिमान अनायाशशिवनाथकबि
बरणतपरमसुजान १५॥ अथराधेजूकोअनायास॥ छन्दत्रिभंगी॥
पलकापरपौढ़ीनारिनवोढ़ीघूंघुटवोढ़ीछबिसरसी आयेमनभावन
लगेजगावनमानमनावनपगपरसीजनिछुवोहमारीकुंजबिहारीम-
लमलुसारीकरतलसी औचकघहरानीतड़ितनजानीउरलपटानी
रसबरसी १६॥ अथकृष्णाजूकोअनायास॥ क०॥ केकीकोककोकिल
चकोरकीरझिलीगनदादुरपपीहाकूकिबचनसुनायेही घननिकी
घोरदेखिचपलाकीचमकताईदेखितमसरसाईमदनसतायेही शी-
तलपवनमन्दमलयकोप्रसंगगंध केसरिसुगंधमृगमदउरलायेही
सूनीसेजसजीदेखिचंपकचमेलीचारुहंसिहंसिमिलेरीदोऊमानही
मनायेही १७॥ अथभेदलक्षण॥ दो० बचननकीरचनानसों करबि-
भेदउरमाह सुखदैकैसबसखिनसों आनमिलावैनाह १८॥ अथ
राधाजूकोभेद॥ क०॥ धाइओखवासिनिसिखाइअपनाइलीन्होकौ
लोंयहमानकीसयानीउरतोलिहौ बैनकहेकटतनबलिजाउमेरी
बीरअंकुरगुमानकोछुरीलौंकहाछोलिहौ सुधातेसरसमनमोहन
कोशिवनाथबैरीकालकूटसेबचनताहिघोलिहौ सौतिनकेबीचअ-
पमानजोकरैगोकान्हमेरेपगपरिपरिनिहोरेकरिबोलिहौ १९॥
अथकृष्णाजूकोभेद॥ स०॥ वोऊरहीहठिरूठिललाअबक्योंबनिहैदु-
हुंओरकोमामिलो हौतौथकीजकिकैबकिकैहरिकौनकरैयहरावरो

झामिलो सोललयेतेनबोलियेबोलजसेतुमबोलतहौवलिकामिलो आजुमिलोव्रजभानदुलारिहि कालिहचहोमिलियेचहौनामिलै ॥ दो० ॥ दंपतिकरतविहाररस होतपरस्परप्रीति बरणीकविशिव-नाथयह मानविमोचनरीति २१ पुनिपुनिमाननकीजिये रंचककरिरसलेहु बढ़ैप्रेमसन्मानसुखप्रियप्यारीउरनेह २२ ॥

इतिश्रीसिरमौरकुशलसिंहविरचितायांमान मोचनरसवृष्टिबर्णनंसप्तमरहस्यः ७

अथसखीभेदबर्णनम् ॥ दो० ॥ घाइसखवासिनिनाइनी पनवारिनिबरणी-यमालिनिचुरिहारिनिनटी औपरोसकीतीय १ शिक्षादेइउराहनो भूषणबसनबनाइ गूढ़बचनपरिहाससखि दंपतिमानमनाइ २ मोरहश्रृङ्गारबर्णनम् ॥ स० ॥ उबटेशुचिअंगसुमज्जनजाचककेशसवां-रिसोअंजनदीन्हो मुखरागतबोलअभूषणभूषिसुआरसीलैअवलोकनकीन्हो बालहंसीचितचातुरीचारुसुगंधउरोजलगाइकैलीन्हो मंदचलैप्रियप्रेमकीमूरतिबालकटाक्षणघायलकीन्हो ३ अथबारह आभरण ॥ क० ॥ चोटीचारुशीशफूलटीकोजगमगैभालवेसरित ह्यौनाकंठकंठसिरीसोहिये हारउरमोतिनकेकिंकिणीकलितकटि बाजूबंदकंगनकनकछबिजोहियेहरीहरीचूरीचारुहाथनहरिणनै-नीनूपुरबजतकेहूउपबनटोहिये बारहोअभूषणसजतप्यारीसुकु-मारीलीन्होशिवनाथब्रजनाथमनमोहिये ४ ॥ अथसखीकोपरिहासनायकासों ॥ क० ॥ सखिनकेमंडलमेंमंडितमुकुंदप्यारोकरतविलास हासरसिकछबीलोलालकाहूसोंधकायकीभरतकाहूअंकभरिकुंकु-मतिलकलैअभूषितमयंकभालकुशलसिंहऐसीभांतिक्रीड़तकलो-लकरिमदनकदनरूपराजैउरबनमाल एकउठिबोलीनंदआवत सुनतश्यामदुरिबेकोचलोदैदैतारीहसोव्रजबाल ५ ॥ अथसखीका-

परिहासनायकासों ॥ स ७ ॥ पतिसोरतिकैपरभातउठीझलकैनखको
छदछातीदयोरी देखिसखीबिहंसीमुखमोरिदोऊकरजोरप्रमान
ठयोरी रंचकअंचलसोंगुनलैतियकेकुचऊपरडारिदयोरी बातअ-
पूरबहैसजनीउदयाचलद्वैजकोचंदउयोरी ६ ॥ अथनायककोपरिहासु
नायका सों ॥ क ७॥ चंदनअरुभालजेतेतिलदागदगिमृगमदकीरे-
खैबीचबीचवीरआयेहैं डगमगेडगनिचलतबालललटपटीसगबगे
बचनकहतसचुपायेहैं पतिकोबदनबालदेखतहीभौंहचढ़ीजावक
के धोखेचोखेदगभरिआयेहैं शिवनाथइततेस्वबासिनीसहेलीहंसी
उततेहंसेहैंश्यामसुखबरसायेहैं ७॥ अथघाइकोशिक्षानायकासों ॥ क०
जासोंजोबचनदीजैताकोप्रतिपालकीजैअधररसपीजैलीजैकंठहि
लगाइजू सांझहीतेसेजसाजिबैठीसुखआशाकरिराधरेमिलापको
अलापसरसाइजूतलफितलफिबाहिक्षणासौयामबीतेलालरीतेभ-
येबालकेमनोरथकन्हाइजू कौनयहरीतिप्रीतिहांसीहैनबनवारी
वारीवारीऐसीभांतिनेहघटिजायजू ८॥ अथघाइकोशिक्षानायकासों ॥
मतिकोमतोनलेइनितउठिमानसेइयहसुनिसौतिनकेआनन्दभरत
हैं छिनकमेंसीरीतातीअठिलातीमंत्रकछुतेहीपढ़िआसमानघायन
धरतहैं तेरोईअनोखोरूपराजतकुरंगनैनीतुमसोंनऔरकोईब्रजमें
सरतहैं मेरोकहाजैहैपछतैहैबीरशोचिशोचिमानतरुतेरोबिषफल-
निफरतहैं ९ ॥ अथवआमिनिकोबचननायकासों ॥ स० ॥ आजुबसंतसु-
न्योब्रजमेंसबलोगलोगाइनिसाजसवांरो तुमहींकछुगाफिलसी
ठकुराइनिनायनिधायनिहूंनबिचारो गानबिधाननकेपरिरंभनहा-
सबिलासनलाजबिसारो कंचनकीपिचकारिनकैसरिलैरंगप्यारी
पियापरडारो १० ॥ अथवआमिनिकोबचननायकसों ॥ आइहौलैनचलौ
बलिबेगिहीकोरिउपायकियेंढिगएहै लाजअजौंलपटीउरअंतरअं-
चललोचनचारुछपैहै ज्योंजलजातपरेजलबुंदसमीरछुएछिनलौं
ठहरैहै रंचकआलसमीदलगैफिरिआधिकरातिमनावतजैहै ११

अथनाइनिकोवचननायकसोंउरहनो ॥ क० ॥ ऐसेदलमलियतनिर्दईदई देहआवोउरउठीथरथरीथरथरीहै शिवनाथप्रीतिकेयोंरीतिबलबे-रकीहैलागोबरबरीकरकरीहइरहरीहै सीरोहवैरहतपीरीपरतचंद-नपरबीरिऊनखातजरजरीहुरहुरीहै सावरीबिलोकनिमेंविषकीलहरिकेयोंप्राणनमेंपरीघरघरीफरफरीहै १२ ॥ अथनाइनिकोवचननायकसों ॥ स० ॥ पोरिहुलोंपहुचेनललापहुचीपरिप्राणनपीरपिरानी आंखिनआगेअगोटिरहोहरिसोंकहिबेनसुधारससानी पल को बिछुरे पलकौं न लगैपलकापरपाइगहोसुखदानी भूषणभार उतारधरोव्रजभूषणभूपिरहोठकुरानी १३ ॥ अथपनवारिनकोवचन नायकसों ॥ क० ॥ दोनालेगईतीमैंतोसांवरेसलोनापासहाहाकहि सोसोंकह्योप्यारीकोबोलाइले तोबिननखायेमुंहवैसेईधरेहैंपनिच-लुचलुचंदमुखीहांसिउरलाइले गरबनकीजेगरबीलीनेकयोबनको सपनोसोसांचोझूंठोचरचाचलाइले मुखसींठबोलनकीकुंडलअमो-लनकीझलकनबिलोकनकीछविकीबिलाइये १४ ॥ अथपनवारिनिको वचननायकसों ॥ लोचननवायेनेकचलियेचतुरलालचपलिचितौनि चोटचाटडरियतहै उरझिउरोजनसोसोजनकरतडरउरगनसीअ-रिअरिआहिभरियतहै गोकुलकीगोरीभोरीथोरीथोरीबैसनकीहरि रिहरिहरिननैनीरूपचरियतहै मदनबधिकसरसाधेयोबनमेंघेरि घेरिघेरिपक्षीमनआगेकरियतहै १५ ॥ अथमालिनकोवचननायकसों ॥ फूलनकेभूषणबनायेहरिअंगनमेंफूलिफूलि उठैमनफूलसीबसात है ललितलतासीफैलिफलितमनोरथकीगलितगुमानगुणछविछ-हरातहै रंचकमेंरतिपतिकीज्वालनजरेगीज्योतिशिवनाथदेखोइते निशिसरसातहै चांदनीमेंचांदनीसीचंदनचरचिचीरचलियेचतुर चंदबैठिचरजातहै १६ ॥ अथमालिनकोवचननायकासों ॥ स० ॥ पौरि लोंआयेललासजनीचलचंदमुखीकरिआदरलीजे भागभलेहैंसो-हागसनेअनुरागहिकेरंगरागरंगीजे देखनहीसमरैव्रजबालवेहा-

लभईनिशिवासरछीजे सोघरबैठेहिपाईप्रियातनयौबनप्राणनि-
छावरिकीजै १७ ॥ अथचुरिहेरिनकोवचननायकसों ॥ क० गतिमतिनैनन
कीसैनतकीचंचलाईकहांलोंगनाऊंगुणहिसिहसिहनकी शिवना
थचातुरीचितौनिचारुचितचोरिचित्र नीचपतचुपचौंकनिचलनि-
की काल्हिहीतेकामकीकथमेंमनदेनलागीचरचानचालौदिनचा-
रिकचलनकी ऐसीअलबेलींप्यारीयौबनकीमतवालीकान्हचलि
देखोहालीसुताएकग्वालकी १८ ॥ चुरहेरिनको वचन नायकसों ॥
दूरिहीतेदुरिदुरिदेखतदृगनमोरिनेरेनेक चलौमैंदिखाऊंघनश्या-
मरी आखिनबिलोकेवीरकाहूकीभजतभूखपानीकीकहानीकयों
सिरातप्यासतापरी बनबनमालीआलीगोकुलकीगैलनिमेंछैलन
छबीलोछबिवारीकोरकामरी येरीभटूबावरीअयानीतैंनजानीयह
लैलैतेरोबीनमेंबजावैनितनामरी १९ ॥ अथनटीकोवचननायकसों मन
मनमिलैमैनमन्त्रहिमिलाइमतिमामिलामिलनमित्रमानसोगल-
तहै हरषिपठाईहौंसहीनकरिहरुवाईशिवनाथप्रेमपैजझमिलेझ-
लतहै हासहौंसहठहरिकाहूसेनहोतहेतहितसोहितूकीहरिचर-
चाचलतहै शोचिशोचिससकिसकोचिमोचिनीरदृगबैठीव्रजवाला
लालहाथनमलतहै २० ॥ अथनटीकोवचननायकासों ॥ भरिभरिभुज
भटूभेटतिहौंमोहिकहासुरतरुकीसुनेगाथादारिददहतहै चापिचा
पिचुवनकरतबौरीमेरोमुखओसनकचाटेकहूंतृपितलहतहै मदन
मनोरथतरंगिनीसीउमंगिउमंगिअंबुआनंदबहतहै कुशलसिंह
सुन्दरिसकुचकुलतरुतोरिश्यामसुखसागरसोंसंगमचहतहै २१
अथपरोसिनिकोवचननायकसों ॥ ज्योंहीढरढारुत्योंहींदुरियेदुरनिढिगढी-
लीढीलीबातैंतोरसीलीसोनचालिबो रसहीरसिकरुखराखिरैनि
रतिरंगरमियेरमनिकरिआपनोमतालिबो फेरिफेरिलाखनभिला-
पमुखपूरिपानअगरसुगन्धलेउरोजनसोमालिबो पौरुषपरायेप्रे-
मपाइयेनप्राणप्यारेशिवनाथख्यालहैनप्रीतिप्रतिपालिबो २२

अथपरोसिनकोबचननायकासों ॥ स० ॥ चितवैचितचोपचितौनिललात-बतेचितवैअनतेमुरिकै जबबोलतेबैनसोमैनभरीतबबोलतीघूंघुटमें दुरिकै कौलौंरहैअनबोलिठठोलीकरैहमसोंदगदैजुरिकैनाहनछां-हछुवैछिनलोंछबिछीनछपोरितुहैफुरिकै २३ ॥

इतिश्रीसिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि सखीभेदवर्णनम्अष्टमोरहस्यः८

अथचारिप्रकारकेदर्शनवर्णन ॥ दो० ॥ चहुंबिधिदर्शनबर्णिये कबि शिवनाथसुबैन दंपतिदर्शनदरशही उपजिपरतउरमैन १ स्वप्न श्रवणचितचारुलखि होतमदनकीचाह साक्षातदरशनसुकबि शु-भकोकरिसकैसराह २ ॥ अथराधेजूकोस्वप्नदर्शन ॥ स्वप्नदरशशिवना-थकबि सदाहोतदुखदानि तातेयाहिदुराइये प्रगटनकहियबखा-नि ३ ॥ क० ॥ सोवतिउचकिपरीलालहिबिलोकि बालस्वपन कहानिकहिसानीमृदुबानीसों सांवरोसोढावरोलकुटपटपीतवारो मेरोपटपकरिलपटिउरआनीसों सकुचिसकुचिआलीलाजनमरत कछुकाजनसरतयेरीबिनादधिदानीसों शोचिशोचिमोरिदगबाव-रीबरानीसफरीसीतलफतप्यारीबिनपानीसों ४ ॥ अथकृष्णजूकोस्व-प्नदर्शन ॥ तड़ितकलासीरतिकासीअमलासीहासतारासीदपतिते-रीमेरेउरपरिगई कमलाकनकज्योतितिलनतिलोत्तमासीघृतासी छरिछबिनेकचितगड़िगई उरमेंनआवैउरबसीयक्षकिन्नरीसीनरी रूपकयोंलगैताकेमनहरिगई मृदुलमृणालिकासीमल्लिकासी मालिकासीबालिकामरोरि मनसेहरसोकरिगई ५ ॥ अथराधेजूको श्रवणदर्शन॥ दो० ॥ करनकहानीकान्हकी सुनिसुनिहियहरषाइ फिरिफिरिबूझतसखिनसों मैननेहसरसाइ६ क०॥कान्हकीकहा-नीकहाफेरिफेरिबूझतहौमेरीरानीओसक्योंसिरातप्यासपानाकी

मोदकमनोरथकेभूखनाभजत बौरीरागनकेसुनेकेहूंत्रिपितसोहा-
नीकी कनरसुलयतेनामिलेकोसुखपाइयतबैसगयेरपछुतानिपछु-
तानीकी ७॥ अथकृष्णाजूकोश्रवणदर्शन ॥ क० ॥ सुनिसुनिश्यामाकी
सलोनताईगुणगणचाहभईवृजराजरावरेमिलावेकोप्रीतिश्रौसको
चहूकोगाथगुणएकमुखएकैबारकहिदोऊको बिदकहावैकोसौहनि
केसांचेलोकलीकहि उलंघिजातजैसीतुमसुनीश्रानिश्रांखिनदेखावे
को काचेदाखरसहिनिचोरिचहोचाख्योश्यामशिवनाथबलिऐसी
युगुतिबतावैको ८॥ अथराधेजीकोचित्तदर्शन ॥ दो० ॥ सखिनमध्य
मंडितसुतिय करतकछूरसख्याल श्रौचकहीचितचुभिगईमृदुमूर-
तिगोपाल ६ ॥ स० ॥खेलतहीसखियानकेबीचश्रचानकहीचित
श्यामहिंदेखी चौंकिपरीसकुचीपटश्रोटदैलाजछईदृगदौरिकेपेखी
श्रानसखीश्रवलोकतहीचकिसीरहिज्योंपुतरीश्रवरेखी योंमुरिश्रंग
दुराइरहीसुमनोहरिजूगहिबांहबिशेषी १० ॥ अथकृष्णाजूकोचित्तदर्शन
श्रानिश्रचानकचित्तचढ़ीवृषभानसुतामृदुमूरतिप्यारी क्योंमिटि-
येउरचाटकसोंवहचंदतेचौगुनीसीउजियारी ग्वालसखासुधबोलि
उठेचलियेवृजभूषनकुंजनचारी कोप्रतिउत्तरदेइसखीहरुयेहरुये
हरिनामपुकारी ११ ॥ अथराधेजूकोसाक्षात्दर्शन ॥ दो० ॥ बिनदेखे
ऐसीदशा तनमनबिरहगंभीर देखेक्योंकरहोयगो मैंबूझोंतोहिं
बीर १२ ॥ मुरिमुरिश्रवलोकनिचितै लईचपलगतिझूलि येईजो-
हनशरबिषम कहैंसुमनविधिभूलि १३ ॥ स० ॥ बंकबिलोकनि
कीश्रवलोकनिहेरिहरेउहरिनाक्षिकटाक्षन सबिलासचितैहरिना-
यकत्योंबरषैरतिनायकशायकचाछन तानतिमूंदिउघारतिलोचन
चंदखुलेश्रधचंचलताछन श्रानंदसीउपजावतश्रावतहैवृषभानकु-
मारिसुलाछन १४ ॥ अथकृष्णाजूकोसाक्षात्दर्शन ॥ यावृजमेंपगफूंकि
धरोसिखसीखिलल्लीउरमेंनिजधारो तेरेउरोजनश्रीफलकीछबि
छीनिश्रलीजनिलाजबिसारो हितसोंहितकीकहियोपरिश्रावतमे-

रीगोसाइनिअंचलडारो नेकभटूमुखसोंपटडारिबिलोकतहैंइतनन्दहुलारो १५ ॥

इतिश्रीसिरमौरकुशलसिंह बिरचितायांरसवृष्टि दर्शनबर्णनम्नवमोरहस्यः९

अथमिलनबर्णनम् ॥ दो० ॥ जलबिहारबनबाटिका धाइसहेली धाम सूनेघंरभयब्याधिमिलि तीरथउत्सवबाम १ ॥ प्रथममिलनअस्थानभिन भिन्नभिन्नगुणगाथ कहंराजाकहंरंकको बरणत कबिशिवनाथ २॥ अथजलविहारकोमिलन ॥ क० ॥ कालिंदीकेसलिल सखानसंगव्रजराजलैलैगतिमीननकीखेलतकलोलकरि एकओर राधेआनिसखिनकेझुंडनमें करीपिचकारिनकोझूमिझूमिरारकरि चुभकोलैप्यारोजाइमिल्योप्यारीप्राणनकी पूरेकैमनोरथलगायो लालअंकभरि आनिकढ़ोआपनेसखानबीचशिवनाथलाखलाख आनंदकेपुंजबाढ़ेहियहरि३॥ अथवनविहारकोमिलन ॥स०॥ गागरिलै चलिसागरतेवहिकुंजनश्यामहिंभेंटभईजू प्यासलगीकहिकैमुसकाइगयेढिगत्योंतिरछेचितईजू नैननबैनमिलाइलियोमनलाल भुजागहिअंकलईजूपूरिमनोरथयोंमिलिकैहरिकुंजनसोनिजधाम गईजू४॥ अथवाटिकाविहारकोमिलन ॥क०॥ फूलनकारनबागगईअनुरागछईद्रुमबेलिनिहारी आनंद सोचनिफूलनबाललगीतहंआइ गयेगिरधारी आपलग्योचुनिकैमिलिलालकह्योतियलीजियेगोद पसारी देतलगाइउरोजनसोंकरहेरिहंसीवृषभानदुलारी ५ ॥ अथधाइकेघरकोमिलन ॥ क० ॥ भेषकैकुमारिकाकोमिलिगोकुमार कान्हदुरिदुरिदौरिदौरिगयेश्यामचलिकरैनिअंधियारीकह्योआवो आंखिमूंदाखेलैंचपलासीचपलनैनमानिकसीझलकै ढुकिढुकिढाढ़सुकेअंकभरिशिवनाथपूरेअभिलापदुरेअतिदुखदलिकै चंदब्रज

छैलछबिछलकिछलकिपरैधाईकेअजीरआजुचारीकरीछलिकै ६ अथसहेलीकेघरकोमिलन ॥ दो० ॥ मैंल्याईउठिलीजिये चंदकलासीबाल राखोचंपकमालसी हृदयपहिरिनंदलाल ७ ॥ क० ॥ चंपककीसीकलीललीलाड़लीछबीलेलालछबिसीछपाकरकीछाहहिंछपाइकैकेहूकेहूकठिनकैकरआईकरमननतेकरैकरिकरिप्रेमरसउपजाइकैअबकेबिझूकेफिरिरैहैपछितानिहाथ कुशलसिंहराखोमूढ़मूरतिबनाइकै ठाढ़ीहैअजिरमाहिंलीजियेलगायउरऔरकहाल्याऊंलालकंधहिचढ़ाइकै ८ ॥ अथसूनेघरकोमिलन ॥ दौरीदौरीफिरतखरिकसूनीबालवुहयौवनबिशालालैलैलैपनखेलावती रूपकीसीरमनीरमतसुखआपनेहीपगतालीतालदैमधुरसुरगावती ताहीसमयऔचकगयोरीकान्हदेखतहीगईमुरझाइमुख पीरीपरिआवती कजरारेअमलउमंगिआयेशिवनाथबारिधरबारिजसोंनैननलजावती ९ ॥ अथभयकोमिलन ॥ साजऔसमाजकरिगोपीग्वालबालसबरासहिरच्योहैश्यामभीठीधुनिगाइकै हासऔबिलासरसरसिकछबीलेलालहरेउसबहीकोमनबीणाहिं बजाइकै ताहीसमयशंखचूड़आनिवृजबधुनकोझपटिदपटिलीन्हों यानहिचढ़ाइकै राधेजूससकिहरिउचकिलपटिगई तड़ितकलासीलालललीन्हींउरलाइकै १० ॥ अथव्याधिकोमिलन ॥दो० ॥ ब्याधिभईकछुराधिकहिं तनमनपीरपिराइबिनयकरीवृषभानतिय चलियेगोकुलराइ ११ ॥ स० ॥ दीनभईवृषभानकिरानिसोंबारहिंबारमेरेपगलागी बेगिचलौबलिबोलतहैंकरिऔषधदानबिधाननजागी जाइबिलोकुबधूमुखपंकजअंगअनंगबिथानसोपागी देखतहीहरिकोशिवनाथगईवहपीरीभईअनुरागी १२ ॥ अथतीर्थयात्राकोमिलन ॥ दो० ॥ गोवर्धनपूजनचली गोपीबालकवृंदअर्धयामरजनीरही राधागोकुलचंद १३ ॥ स० ॥ गोधनपूजनगोपबधूमिलिकैचलिगानबिधानबनाये रैनिरहीघटिकायुगलौंतमघोरमहाचहुंओरसोहाये

पौनझकोरउठेकरशोरनसूझिपरैकेहुंहाथपसाये पगद्वेपछिलेहरि राधिकाजूअधरारसलैगहिकंठलगाये १४ ॥ अथउत्सवकामिलन ॥ चोपिगजाननपूजनकोरनगोपबधूगृहआइनवीनी चंदबिलोकनके मिसहीनिशिदौरिअटाचढ़ीबालप्रवीनी श्मामहिंदेखतचौंकिचली हरिधाइकैअंकलगाइकैलीनी यहिभांतिमनोरथपूरिदुवोमिलिरी- झिरिझाइबिदाकरिदीनी १५ ॥

इतिश्रीसिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टि
मिलनबर्णनंनामदशमोरहस्यः१०

अथअष्टनायकावर्णनम् ॥ दो० ॥ प्रथमकहौंस्वाधीनपति बासक शय्यानाम अभिसंधिताबखानियेऔरखंडिताबाम १ बिप्रलुब्धा उतकंठा अभिसारिकासुतीय प्रोषितपतिकानायका लक्षणकबि बरनीय २ ॥ अथस्वाधीनपतिकालक्षण ॥ रूपवतीअबलापरम पतिअ- धीनसुखकंद सोस्वाधीनपतिकाकहौ लखिचकोरजिमिचंद ३ ॥ अथनवोढ़ास्वाधीनपतिका ॥स० ॥ सोवतहीलड़िलीदुलहीहरिआइगये सुतहांरसपागे आननबालछ्वैश्रमशीकरलैकरबीजनहांकनलागे सोखिगयोजबहींशिवनाथतबैमुखचुंबनकोअनुरागे धाइखवासि- निरीझिहंसीसखीहोयकहाअबयाहूतेआगे ४ ॥ अथमध्यास्वाधी- नपतिका ॥ दो० ॥ यौबनरूपदोऊमिले बनेसेजकेधाम बीचहिघन बरषनलगे लैउछंगप्रियबाम ५ ॥ क० ॥ दंपतितरुनरूपचायन सोंसंधिमिलिसेजकोसुरतिऐनचलेमेहझरमेंकीचकोबिलोकिबीच बाटबालठाढ़ीभई कैसेपगधरौंलागीमेहदीचरणमें शशिपरडारि लालल़ईहैउछंगभरिहरिहाहाभीगीजातचूनरीसुवनमें कुशलसिं- हकैधोंसुरराजधनुमंडलकोचौंकिचौंकिचपला समानीश्यामघनमें ६ ॥ अथप्रौढ़ास्वाधीनपतिका ॥ दो० ॥ पियप्यारीकेप्रेमबश आपहि

करतशिंगार सोप्रौढ़ास्वाधीनहै कबिशिवनाथबिचार ७ ॥ क० आपहीलगायोपगजावकबसनचुनिआपहीचमेलीगूंदिहारपहिरावते आपहीसवांरिबारबेनीमांगमोतीभरिआपहीदृगनबीचअंजनलगावतेआपहीसुगंधलैकपोलनपरसकरिआपहीजटितनगभूषनबनावते नैननकीतारिनसोंनेकनाकरत ओटशिवनाथहाहाकरिमानिनीमनावते ८ ॥ अथपरकियास्वाधीनपतिका ॥ दो० ॥ श्यामसंगकुंजनगई बनबिहाररसबीन चरणचुभोमगकाकरी लालअंकभरिलीन ९ ॥ स० ॥ श्यामकेसंगगईबनमेंतनमेंतनकोनहिंशंकभईहै बालकरीलकेकुंजनऊपरफैलितमालतताउनईहै देखतदौरिलगीपदकाकरीनाकरोमोरिसिसीकलईहै धाइधरीगहिअंकलगाइअलीयहप्रीतिकीरीतिनईहै १० ॥ अन्यच्च ॥ एकसखीहरिसंगबिहाइकैफूलनकारणबागगईरी कंटकबेधगयापदआंगुरीहे हरिहाइपुकारिदईरी काननसोंसुनिकाननमेंधुनिधाइकैकंधचढ़ाइलईरी श्रोणितपोंछिलयोपटपीतअलीयहप्रीतिकीरीतिनईरी ११ अथस्वाधीनपतिकासामान्या ॥ स० ॥ छूटिगयोगुरुलोगनकोडरटूटिगईप्रियबंधुसगाई भूलिगयासगरेगृहकाजनलाजनआवतसाजनताई आठहुयामलयेसंगडोलतबोलनकीहुकिबातसोहाई नेकहुमानकरैअबलाजबतोकरजोरिरहैंशिरनाई १२ ॥ अथवासकशय्यावर्णनम् ॥ दो० ॥ सेजसाजिशृङ्गारकरि चाहछबीलेछैल बासकशय्यानायका जोवैपियकीगैल १३ ॥ अथनवोढ़ावासकशय्यालक्षण ॥ दो० श्वेतबसनभूषणकनक हीराजटितअनूप शरदचांदनीखिलिरहीशरदशशीसोरूप १४ ॥ क० ॥ श्वेतसारीसोहतकिनारीदारजगमगीजेवरजड़ाऊजेबअंगअंगझलकत तैसियेछिटिकिरहीचांदनीशरदचंदचंदसीउज्यारीप्यारीढारीछबिछलकत तिलसीतिलोत्तमानतोलियततनताकेलहलहीकल्पबेलिनेहहियोदलकत कैधौंशिवनाथरतिगौनासोबिछौना करिसांवरेसलोनाकाजलढाजभरी

ललकत १५ ॥ अथमध्यावासकशय्या ॥ स० ॥ बिद्रुमपलंगतामेंरेश-
मनेवारबुनीसुन्दरसपेदीपयफेनुतेसरसरी सुघरसहेलीअलबेली
सीबिछाइसेजबेलीराइचंपकचमेलीकोपरसरी भूषणबनायेअंग
दूषणलगतमानौपूषनसुगंधमालेचंदनबरसरी बैठीबालआशाक-
रिनैननबिलोकैमगयेहैंप्राणप्यारोमेरीकामनासरसरी १६ ॥
अथप्रौढ़ावासकशय्या ॥ दो० ॥ रहसिरहसिगृहकाजकरि साजीसेज
समाज फूलिफूलिमनमें उठे प्राणपियाकेकाज १७ ॥ क० ॥
करिकरिकाजसबमंदिरकेचायनसों भरिभरिगुलाबनीरसेजछिर
कावती धरिधरिसहेलीसोंकरतठठोलीबालदुरिदुरिपरतरैनि ति-
मिरबतावती गरिगरिधरतप्रानप्यारेकेखवाइबेकोपरिपरिरहत
सेजउठिमुसुकावती ढरिढरिपरतमैनमातीकबिशिवनाथहरिहरि
रटतध्यानलोचननिंदावती १८ ॥ अथपरकियावासकशय्या ॥ दो० ॥
सघनकुंजबैठीअली फूलनसेजबिछाइ बासकशय्यापरकिया हर-
षशोचअधिकाइ १९ ॥ स० ॥ चंपचंबेलीकलीचुनिकैअलबेली
सीफूलनिसेजसवांरी कुंजकीदेहरीबैठीरहीमगजोवतश्यामहि
गोपकुमारी ज्योंज्योंगईरजनीसरसाइकैआवैनआवैइतैगिरधारी
खोलतमूंदिरहैपटघूंघुटकाननकाननकामसवांरी २० ॥ अथसामान्या
बासकशय्या ॥ दो० ॥ सेजसाजिसाजेबसनआंजेलोचनलोल मांजे
मुकुरकपोलज्योंलाजेकंजअमोल २१ ॥ स० ॥ सेजसवांरिकैबारि
कैदीपक ढारिकैअंजनरूपलदीहै बारकेद्वारबिलोकतबाल मनो
उमगीउरप्रेमनदीहै लैकरबीननवीनसीनागरिगानबिधाननमान
मदीहै आजुमेरेअनुरागकीरातिहैआवैगोलालधनोधनदीहै २२ ॥
अथकलहंतरितालक्षण ॥ दो० ॥ आयेमानकरैअली कोटियतनसमुझाइ
कलहंतरितानायका फिरिपीछेपछिताइ २३ ॥ अथनवोढ़ाकलहंत-
रिता ॥ स० ॥ गौनोंभयोदिनद्वैकभयेअबहींअबलापनमानभरोरी
लालमनावतनेकनमानतहाहाकरीबिनतीकरजोरी बोलीनबाल

बोलावतहीबहियांगहिश्यामदईझकझोरी पीयगयेपछितातअली इननैननलाजअकाजकरोरी २४ ॥ अथमध्याकलहंतरिता ॥ दो० ॥ पियआयोमनुहारकरि तबैंकरततूमान रूठिगयोप्यारोपरम अब लागीपछितान २५ ॥ क० ॥ ज्योंज्योंपरेउपायनत्योंपाहनते पीनभईदीनभयोहोतकहाछीनभरडामरी रंचकसोमानकरिलूटि-यतरसआलीनाहनाहसोनकीजेहठसुनुबावरी बोलिहारेउप्यारो तबबोलीनामयंकमुखीअबबोलिबेकोबिललानीचढ़ोचावरी रूठि गयोलाड़िलोबिहारीलालहाहाकरिछुटिगयोतेरोमानसांवरेमना-वरी २६ ॥ अथप्रौढ़ाकलहंतरिता ॥ सो० ॥ तबैंकियोमैंमान पियके-तीबिनतीकरी अबलागीपछितान मोहिंदईउलटीपरी २७ ॥ क० ॥ आयेमेरेमंदिरमनायोमोहिंलायोउरजोरिकरहाहाकरिपा-यनहरेपरोमैंनबोलीमेरीबीरउठीहैअधिकपीरकैसेतनधरोंधीरशो-चनकरेपरो कौनबुद्धिदईदईदाहनदहतदेहआहनपरतपियचाह-नमरेपरो बोलैकनबालेप्राणप्यारोमोसोंशिवनाथयेरीमेरोमानअ-बमेरेईगरेपरो २८ ॥ अथपरकीयाकलहंतरिता ॥ दो० ॥ हरिआयेमेरे घरैं मानकियोपियपाइ कलहंतरितापरकिया शोचिशोचिपछिता-इ २९ ॥ स० ॥ जाकेलयेयहगाउंचवाइमेंनाउंधराइकैबातसही री जाकेलयेगृहगोकुलछांड़िकैजाइकैकुंजनबैठिअहीरी जाकेलये पतिकोपरिहासबिलासतज्योंअरुलाजबहीरी मोहिंमनाइरहेबि-नतीकरिताहरिसोंहमरूठिरहीरी ३० ॥ अथसामान्याकलहंतरिता ॥ दो० ॥ ह्वैअधीनआयेपिया मेरेमंदिरमाह मैंबोलीनहिंहठकियो पछितानीगयेनाह ३१ ॥ क० ॥ कबहूंजटितनगभूषनबसनचुनि-झीनेसेनबीनेभीनेसुघरबनावतो कबहूंचंबेलीबेलामालतीगुलाब गुहिभरिभरिडालीअलीहारपहिरावतोऐसोप्राणप्यारोमेरेपायन परनलागोमैंनबोलीबोलीधरिधरिउचकावतो ह्वैगयोरीकौनशि-वनाथमानठानशोचिशोचिपछितानीजारीप्यारेकोमनावतो ३२ ॥

अथखंडितालक्षण॥ दो० ॥ चंदनमेंपियकेलखी बंदनरेखाभाल द्वेज चंदमानोंलसे इन्दबधूकीमाल ३३ ॥ खंडितामुग्धालक्षण॥ स० ॥ बंदनरेखलगीपियकेतियकेदृगनीरभरेसरसाने मनहींमनशोचि सकोचिनबोलतचंदलखेजिमिकंजसकाने लालगाइलईउरसों रतिकीबतियाकहिकेललचानेबोलिनबालबोलाइरहेढिगबैठिरही पटघूंघुटताने ॥ मध्याखंडिता ॥ दो० ॥ आनतियाकोचिन्हकछु लखेंपियाकीदेह रुखरूखेंअनखैंअली मध्यखंडिताएह ३५ ॥ क० ॥जावकलिलारलीलबंदनकपोलसोहैंचंदनचरचिरेखाकज्ज-लकीकीजिये पाननकीपीकसौंपलककलागीप्यारेलालपागलटप-टीशिरऐसेपेंचदीजिये सोहैंकिनकरोनैनसौहैंकितखातजातअंग अलसातआयेशिवनाथदीजिये जोपैमेरेकहेतेकसरिकछुरहिजात तौपैलालआरसीलैमुखदेखिलीजिये ३६ ॥ प्रौढ़ाखंडिता ॥ दो० ॥ पियआयेपरभातबसि आनतियाकेगेह नखरेखानिरखतअली मानजनायोनेह ३७ ॥ क० ॥ प्रातउठिआयेप्यारेअनतबिहार करिवैसईबचनप्रेमफूलसेझरतहैं मानभरीभौहैंसोहैंनैननबिलो-किबालआदरकैल्याईपतिठारहीढरतहैं श्यामतनतामेंमालमोती लालगुनगुहीबीचनखरेखलागीशोभाकोधरतहैं कालिमकठिन-ताकेतारबेको शिवनाथबालबिधुमज्जनत्रिबेनीमेंकरतहैं ३८ ॥ परकियाखंडिता ॥ दो० ॥ हमसोंतुमसोंलालअब नैननहींकोप्रेम सांझउतैभोरहिइतैं भलोनिबाह्योनेम ३६ ॥ स० ॥ जाकेलयेकु-लकानितजीघरहाइनिकीचरचानहिंमानी जाकेलयेसबगोकुलमें बदनामभईमनमानिमळानी बंदनदागबनाइकपोलनभोरहिला-लजगावतआनी कोटिकरोमनयोबनदैपरकन्तनआपनहोतसया-नी ४० ॥ सामान्याखंडिता ॥ दो० ॥ औरनारिकोलखिअली छला छबीलेपास सामान्याखंडितकहौं ऊंचीलईउसास ४१ ॥ स० ॥ इहांहमसोंकरिकौलगयेअनतेरसियारँगजाइरंगीजेहेरतहेरतहा-

यलहैसबयामिनिमेरेमनोरथकीजे छलाछलबालछलापहिरायकै लेतउसासनअंगपसीजे नेहछुटोहमसोंतुमसोंनहिंमानोंगीलाल जोलाखनदीजे ४२ ॥ अथविप्रलुब्धालक्षण ॥ दो० ॥ आपुजाइसंकेत में सेजनपावैलाल विप्रलुब्धसोनायका कीन्हीमदनबेहाल ४३ अथमुग्धाविप्रलुब्धा ॥ क० ॥ जटितजवाहिरकेभूषणसरससाजिचली गजगतिरतिलालकेमिलनबाल पगपगमगमगकरतमनोरथनड- गडगडिगडिगमैनमदमातीबाल किंकिनीकलितधुनिनूपुरनिरुन झुनहायलकरतबजेपायलपरततालचंदतेचटकप्यारीबदनसलो- नताईपीरीपरिगईपायोसेजपैनप्यारोलाल ४४॥ अथमध्याविप्रलुब्धा दो० ॥ सखीसंगशृंगारकरि चलीबिलासनिकेत पीयनपायोबि- कलह्वै तनमेंचलयोप्रसेत ४५ ॥ क० ॥ संगलैसहेलीअलबेली सोमअंकमुखीबीलीसीसिंगारकीनवेलीदरसतहै लालकेमिलन काजकामनाकरतजातअंगअंगशिवनाथलाजपरसतहै सूनोदेखि सेजधामदूनोदुखपायोबामआननउदितश्रमकनसरसतहै स्वास कीसमीरनतेमैनउपचीरनतेकलानिधिमानोअमीबुंदबरषतहै ४६ अथप्रौढाविप्रलुब्धा ॥दो० ॥ पुहुपसिंगारकरेउचली पियपैसगुनमना- इ सेजनपायोप्राणपति कोपकरैपछिताइ ४७॥क० ॥ फूलनको शीशफूलबेनीगुहीफूलनकीफूलनकेकर्नफूलचंपकलीहाररी फूल- नकीभुजबलीगजराबिराजैकरशिवनाथचावचढ्योकरन बिहाररी बालमबिहीनीसेजनैननिरखिकोपिसंगकी सहेलीमेलिमालन सोंमाररी तूलतनबामप्रतिकूलभईआसासबशूलसोंलगनलागो फूलनशृङ्गाररी ४८ ॥ परकियाविप्रलुब्धा ॥दो० हेरबसनभूषणकन- क रेशमरहेपुराइ हरेहरेकुंजनगई हारीहरिहिनपाइ ४९ स० ॥ ऋतुराजसमयब्रजराजकेकाजचलीवहगोपकुमारिनईरी चायनि सोंकरिनापनिसाथसतायनिमैनकीचाहभईरी केलिकोठाहरसू- नो निलोकिमनोउरमेंबिषबेलिबईरी कान्हहिकोहिफिरीपछितात

सोमोहिंदईबुयिकौनदईरी ५० ॥ अथसामान्याविप्रलुब्धा ॥ दो० ॥ करिभूषणगणिकाचली धनीमीतकेधाम मिलोनलालबिहालह्वै भयोशोचउरबाम ५१ ॥ क० ॥ तिलकेअतरतरतेसईसवांरेबार हारउरमोतिनकेभारलंकलहकत मीतकेमहलबीचसहलसहल जातगातनसुगंधकीझकोरबासमहकत बादलाकीओढ़नीकिनारी दारशिरसोहैलालनकेसेजजाइबनीठनीठहकत काबगाहमंदिरन पायोप्यारोशोचिवीरआनमीतआशाकरिचलीकोपिझहकत५२ ॥ अथउत्कंठितालक्षण ॥ दो०॥ कंतनआयोसेजपर गयोबीतियुगयाम छिनहींछिन मुरझातितन मुग्धाउत्काबाम ५३ ॥ स० ॥ सेज परीतलफैसजनीरजनीनिपटीनहिंआयेललारी चंदचढ़ोशिरलों शिवनाथछईपियरीमुखमानमलारी ओढ़िरहीशिरओढ़नीसातकी भाषितघूंघुटझीमझलारी बारकद्वारबिलोकतझांकिमनोरविमं-दिरचन्द्रकलारी ५४ ॥ अथमध्याउत्कंठिता ॥दो०॥चौंकिपरीसोवति अलीसेजनपायोपीय मैनमारिव्याकुलकरीमध्याउत्काताीय ५५ स० ॥ चौंकिपरीपर्यंकतियाछतियाधरकीरतियासरसानी सेज लह्योनहिंप्राणपियाबतियाकहिबावरीसीबररानीधाइकोधाइज-गांइपठाइसोलालहिल्याउमिलाउसयानी कारनकौननआयेइतै अरतेबसियारसियारतिमानी ५६ ॥ अथप्रौढाउत्कंठिता ॥ बरवा ॥ कौनउहेतनआयउप्रीतमधाम शोचिशोचितनतलफितउत्काबाम ५७ ॥ क० ॥ किधौंसखानसंगरंगरागकीभईसभाकिधौंझरीबि-लोकिमैनबाननासताइया किधौंककूब्रतादिनेमआनतीभयोहैप्रे-ममानपीकियोकिधौंअरीनवेधपाइया किधौंसुखीनदेहहैलग्योसु-काजगेहहैकिधौंछुटोसनेहहैबियोगबालछाइया जरीअंधेरिआव-तीजोयामिनीसतावतीरिकामिनीडेरावतीसखीनकंतआइया ५८ अथपरकिया उत्कंठिता ॥ दो० ॥ कंजभवनबैठीअली श्यामहिंभईअ-बार हौंभूलीकैअतगये मनमेंकरतबिचार ५९ ॥ स० ॥ कैगृह

काजदुहावनधेनुकिधौंमनभावनसुद्धिबिसारी कैअनतेबसियाशि-
वनाथकिधौंलखिफैलिरहीउजियारी चौंकतिसीचितवैचहुंओरन
चौरनलौंडरवैसकुमारी शोचिसखीभरिलेतउसासनआयोनकुंज-
नकुंजबिहारी ६० ॥ अथसामान्याउत्कंठिता ॥ दो० ॥ करिशृंगारबै-
ठीतिया मीतहिभयोबिलंब शोचिशोचिदृगनीरभरि धनवारोअव-
लंब६१ ॥स० ॥ मीतनआयोअज्योंरजनीपतिअस्तभयोदृगनींद
नआवती आपहिगाइबजाइकैनाचतआपहिआपनेभागमनावती
आवगोलालअंधेरीभयेअधरारसप्याइकैपानखवावती पीरसिया
रससोंबशकैपहुंचोगहिकैपहुंचीउतरावती ६२ ॥ अथअभिसारिकाल-
चण ॥ दो० ॥ साजेसकलशृंगारको चलीबालपियपास सोईहैअ
भिसारिकामनमेंकरतहुलास६३॥धाइखवासिनिसंगअतिसलज
बालसुकुमार मन्दमन्दपगमगधरैमुग्धाकोअभिसार ६४ ॥ अथ
मुग्धाअभिसारिका ॥ क० ॥ कुंकुमलगाइचारुमोतिनकेउरहारचली
अभिसारगतिमदनमरालसी केसरिरंग्यौदुकूलहंसतझरतफूल
सौतिनकरतशूलअलीचंदबालसी गहगहीचांदनीउठतअंगमहम
हीलहलहीसोहागकीलताज्योंसरसालसी घूघुंटउठायेचहुंओर-
नउजासहोतकैधौंशिवनाथप्यारीमोहनीमसालसी ६५ ॥ अथकृ-
ष्णाभिसारिकामध्या ॥ दो०॥ सारीकारीपहिरिकै अंधियारीनिशिबा-
ल मिलनचलींघनश्यामसों सघनदेखिबनमाल ६६ ॥ क० ॥
घननकीघोरशोरमोरऔपपीहनकोदामिनीदमंकिदेखिचलीब्रज-
बालिका सूझतनगातबीतीआईअधरातप्यारेमोहनपैजातमनो
कामकीकृपालिका कुंजनतेगुंजिगुंजिभौंरभीरपाछेपरीकुश्लसिं-
हकैधौंयहमोहिनीकीजालिका हीरामणिलालनगआभाजगम
गीज्योतिश्यामहिंमिलनआईमनोदीपमालिका६७॥ अथप्रौढाअभि-
सारिकाप्रेमा ॥ दो० ॥ पियपैअनबोलेगई नागरिनरसनवीन यह
प्रेमाअभिसारिका प्रौढ़ाचतुरप्रवीन ॥ क० ॥ आईहौसबेरेमोहिं

मोललीन्होबिनागाथधुनिसुनिपपिहाकीप्रेमडपज्यो नयो देख्यो कैसे मगजहांपगऊनदेखिपरैचपलाचमकि चलीतमधीरहरिगयो भूतनकीभामिनीफिरतऐसीयामिनीमें शिवनाथरावरेकोध्यानउर धरिलयो संगनासहेलीकोऊऐसीअंधियारीप्यारीप्रीतमतिहारो साथप्रेमरहबरभयो ६९ ॥ अथपरकियाअभिसारिका ॥ दो० ॥ चकित बिलोकतचलतमृग भयकंपितउरबाल परकीयाअभिसारिका मिलनचलीनदलाल ७० ॥ स० ॥ बोलिपरोसिनिसंगचलीप-गपायलकिंकिणिछोरिधरैरी बिछियानछूजीभैनलागनदेसुनिहैं कोउभामिनिशंकभरैरी गहिअंकभरोहरिजूकोभुजामनहींमनबा-लकलोलकरैरी मन्दचलोगतिअंगदुराइकैदीपकसोमुखजोतिजरै री ७१ ॥ अथसामान्याअभिसारिका ॥ दो० ॥ भूषनबसनबनायकर चलीमीतकेगेह अगरसुगंधझकोरतन दीपशिखासीदेह ७२ ॥ क० ॥ सरससवांरिपाटीभालचंदसोंबिराजैभृकुटीकमानबानने-ननकेतानेहैं नासिकाकपोलदंतपंगतिअधरज्योतिपाननकीपीक लीकदेखेमनमानेहैं चिबुकसोहाईग्रीवमानोछविछाईकुचकंचुकी उकसिकैसुमैनकेनिसानेहैं धनिनकीप्यारीसुकुमारीप्यारेपासच-लीकुशलसिंहमन्दसेबचनरससानेहैं ७३ ॥ अथप्रोषितपतिकालच्छण ॥ दो० ॥ जाकोपियपरदेशहै बिरहबिकलबिललाइ प्रोषितपतिका नायका बरणतहैंकबिराइ ७४ ॥ अथमुग्धाप्रस्यानपतिका ॥ स० ॥ प्रीतमगौनसुनेअबलाभरिलेतउसासभईतनखीनी पीरीह्वैमुख-पैनवलासुलहीदुलहीबिरहाछविछीनी मनहींमनशोचसकोचन बोलतडोलतकंजसीलाजलजीनी कोमलगातपरीबिललातकहै किमिबातसोनारिनवीनी ७५ ॥ दो० ॥ तेरोपीपरदेशको भोरच-लैगोबाल सखीबचनसुनिसूखितिय कीन्हीबिरहबेहाल ७६ ॥ अथमध्याप्रस्यानपतिका ॥ चलनहारपरदेशको जाकोपीयलजाइ सेज परीतलफतअली लागीबिरहदवाइ ७७ ॥ स० ॥ सेजपरीतलफै

सजनीरजनीयुगयामगयेपियआये अंकभरीउससीशिवनाथभरे दगनीरजसेजलछाये काहिकोनेहलगावतहौहमतोसुखरावरेसंग पठाये जोकहियेघरहीरहियेतोकहौगुरुलोगतियाललचाये ७८ अथप्रौढ़ाप्रस्यानपतिका ॥ दो० ॥ पियप्यारीपरभातउठि गहितियचि-बुककपोल मांगीबिदाबिदेशको बोलोबचनअमोल ७६ ॥ स० ॥ पीयबिदेशकोनामनलीजियेकैसेकैयामिनिनींदपरैगी क्योंतनप्रा णरहैंबिननाथहियाबिरहानलज्योतिजरैगीहवैहैतोसोईजोलिला टकेअंकमेंकोटिकरौनहिंरेखटरैगी मारिमरोरिबसंतकीमारुतको-यलकूकनघाहकरैगी ८० ॥ अथपरकियाप्रस्यानपतिका ॥ दो० ॥ हरि मथुराकोजाहिंगे आयोअबअक्रूर सुनिगोपीब्याकुलभई कौन जन्मकोक्रूर ८१ ॥ क० ॥ आयोहैअक्रूरक्रूरकरनीसुनीहैवाकीगो-कुलकोछांड़िश्याममथुरासिधारिहैंजाकेलयेपतिपरिवारलोकला-जछांड़ीताहिहमछांड़िधीरकैसेउरधारिहैं जलजसेलोचनजलदसे उमड़िआयेगिरीमुरझाइवृषभानकीकुमारिहैंसखिनउठाइचारुचं-दनलगायतनभस मउदातलागीबिरहदवारिहैं ८२ ॥ अथसामान्य। प्रस्यानपतिका ॥ दो० ॥ मीतचल्योपरदेशको घरीनघरठहराइ सि-सकिसिसकिशोचतिअली झूंठहिं नीरबहाइ ८३ ॥ स०॥ लैसि-सकीमुरकावतमोहनलालभुजागहिबालउतालहिं योंउमड़ोघु-मड़ीअंखियांझुमड़ीअंशुवानपरीछबिजालहिं त्योंहरषोहंसिबोलि उठीचलिवेकोपियाचरचाजनिचालहिं तेरोइनामजपौंनिशिबासर योंकहिकैउतरावतमालहिं ८४ ॥ मुग्धाप्रोषितपतिका ॥ दो० ॥ जब तेलालबिदेशगोभरेरहैंदगनीर मुग्धाप्रोषितपतिकहौप्रगटकरैन-हिपीर ८५ ॥ स० ॥ जादिनतेपरदेशगयोपतितादिनतेपियरीतन छाईनीरभरेंदगकोयनलोसनिकज्जलबूंदनकीसरसाईऊंचीउसा-सनतापतोमनहीमनमैनकीपीरपिराई ब्याकुलहवै पर्य्यंकपरी नरहीसुधिग्रानिसखीनउठाई ८६ ॥ अथमध्याप्रोषितपतिका ॥ दो० ॥

दननदेखिघायलभईघरीधरीनहिंधीर परीमैनकेजालमेंज्योंसफ-रीबिननीर ८७ ॥ क० ॥ कोकिलगावनघरव्यनकेधावनकोबिजु-चमकावनकीपवनकीपरसनि मदनसतावनकीपीरीतनछावनकी अधिकीबतावनकीनैननकीतरसनि शिवनाथचावनकीचित्त लल-चावनिकीऊभीससुकावनकीबिरहकीझरसनि प्रीतमकेआवनकी हंसिउरलावनकीसुधिसरसावनकीसावनकीबरसनि८८॥ अथप्रौढा प्रोषितपतिका ॥ दो० ॥ मुरझिमुरझिगिरिगिरिपरैउचकिउचकिकु-म्हिलाइ प्रौढ़ाप्रोषितपतिअलीदामिनिदमकडेराइ ८९ ॥ स० ॥ लूकनसीतडितातडपैधरकैधरकीधुरवानकीधूकनि मारि मयूरन-कीझकझोरनिझंझसमीरनकीझकझूकनि सूकननीरकनूकनकीसु जगीमननमैनदवारिबबूकनि हूकनहोतहियेहलकैसजनीसुनियेप-पिहानकीकूकनि ९० ॥ अथपरकियाप्रोषितपतिका ॥ दो० ॥ ससकि ससकिमनमेंरहैटसकिटसकिमुरझाइ प्रोषितपतिकापरकियाशो-चिशोचिपछिताइ ९१ ॥ क० ॥ जैसीकरैकान्हतैसीकोऊनाकरैरी आलीऔचकगयेरीनेकभेदनाबतावते छलबलकीबातनकोसांचो करिमेरीबीरजानतनपीरनेहकैसेकैलगावते कपटीसदाकोहमजा-नतअहीरवारोपरपतिआपनोनहोतमनभावतेससकिससकिशोचि बावरीसोबोलेबालकज्जलमिलितनैननीरभरिआवते ९२ सामान्या प्रोषितपतिका ॥ दो० ॥ जबतेमीतबिदेशगेभरेरहैंदृगनीर सामान्या प्रोषितकहौंतनमनबिरहगंभीर ९३क० जादिनतेलालपरदेशको गवनकीन्हों तादिनतेबालतनमदनबेहालकीभूलीसुधिभूषनबस-नपानखानहूकी भूली सुधिसकलबिसतरसख्यालकीकैसेहूनकी गृहकेमनावैंसमझावैंबहुयतनसोंरतननदेइहारेकैतघरघाल आन-तमनाइहारेहाहाकरिगाइहारेगायकबजाइहारेतालकी ९४ ॥

इतिश्रीसिरमौरकुसलसिंहबिरचितायांरसदृष्टि
अष्टनायकावर्णनमेकादशोरहस्यः ११ ॥

अथविप्रलंभासिङ्गारवर्णन ॥ दो० ॥ दोऊचाहभरेरहैंबिप्रलंभशृं-
गार कैसमीपडरलाजतेकैबिदेशपियप्यार १ ॥ बिप्रलंभद्वैविधि
कह्योदशप्रकारकोभेद दशोअवस्थादेतहैंतनमनयौबनखेद २॥
यथासमीपडरलाजते ॥ स० ॥ श्रीपतिश्रौवृषभानललीनमिलेंड-
रलाजनप्रेमअगाधिका तैसीगुलाबकलीचटकारिनडारीमरोरिम-
नोजकीबाधिका बेलिनसोंउरझीसुरझीसुरझीसीसमीरसुगंधन
माधिकाराधेपरीकहिमाधवमाधवमाधवटेरतराधिकाराधिका ३॥
अथप्रवासविहार ॥ क० ॥ दादुरपपीहाकैधौंबिरहपिशाचबोलैझीलि
गनदामिनिकरेजनदरतहै उसीरगुलाबनीरकरपूरपरसतशीतल
समीरबीरतीरसीखगतहै बालमबिदेशजानिबैरकीन्हों रतिनाथ
शिवनाथबारबारकोकिलठगतहै देखिघनकारेमोरचातृकपुकारे
प्रानप्यारेबिनतारेसोअगारेसोंलगतहैं ४ ॥ अथदशावर्णन ॥दो० ॥
चिंताजड़ताव्याधिपुनिउन्मदमरनसुजान अस्मतअभिलाषैतथा
औगुनकथनबखान ५ ॥ पुनिउद्वेगप्रलापकहिदसोंअवस्थाजान
बिप्रलंभशिंगाररसकबिशिवनाथबखान ६ ॥ अथचिन्तालक्षण ॥ दो ॥
कोनभांतिप्यारीमिलैनैननिरखियकबार यहचिन्ताचितचटपटी
मनमेंकरतबिचार ७ ॥ क० ॥ सकलसुबाससुखसाधनकीसिद्धि
यहरिद्धिसीप्रसिद्ध तनदुखसरसातहै चंदतेउज्यारीमानौमयन
कुमारीवहऐसीप्राणप्यारीसोबिसारीकापैजातहै चित्रिनीचपला
नैनीगजगौनीपिकबयनीवारिजलजातनेकमुरिमुसकातहै क्योंक-
रिमिलनबनैचिंताचटपटीउरराधाराधारटनिशिबासरसिरातहै ८॥
अथजडतादशा ॥दो०॥बिरहबिथाव्याकुलभईकहतआनकीआन बौरी
सीडौरीफिरैजड़ताताहिबखान ९ ॥ स० ॥ कबहूं ब्रजकुंजकेपुंजबि-
लोकतलेतउसासउदासठढ़ीकबहूंहरिकेपदचिन्हनिहारिबिलोचन
बारिजवारिचढ़ीकबहूंयमुनातटबेनुबजावतधाइकदंबकी डारचढ़ी
कबहूंशिवनाथनिहारतधेनुमनोव्रजनाथकेमोहमढ़ी १०॥ अथव्याधि-

दशलच्छन ॥ दो० ॥ बिबरगागातभयेअलीअलिनवसनरुचिहीन उ-
ससिउठैदृगनीरभरिब्याधिदशायहकीन ११ ॥ क० ॥ गोरीकी
गोराईथोरीथोरीसीजरदहोतशरदसमीरनतेपीरतनआधिका भू-
लिगयोअसनबसनदृगनीरभरेकोपनलौंबिरहतरंगिन अगाधिका
सूखिगोरकतमासभरतउसासनहीं तापसीतपतकीन्हीमदनअसा
धिका कबिशिवनाथदोऊब्याकुलसेफरफरातराधाकहैं हरिहरि
हरिकहैंराधिका १२ ॥ उन्मादवशावर्णन ॥ दो० ॥ बकिबकिचकिचकि
उठिचलैहंसिहंसिबिलखिडराइ सोउन्मादजियजानियेबरगातहैं
कबिराइ १३ ॥ स० ॥ चौंकिपरैचितवैचहुंओरनदौरिअलीबनकुंज
निहारै घूंघुटकीघटकीसुधिभूलिबकैबहुरौअचरानसंभारै गाइउठै
कबहूंशिवनाथहंसाइउठैघहराइपुकारै कांपिउठैससकैकरुगाकरि
लोकअलोकितलाजबिसारै १४ ॥ अथमरगादशालच्छण ॥ दो० ॥ मि-
लनहोतनहिं कोटिकरितलफितलफिमुरझाइ मरगादशापरिताप
बहुकहैंमहाकबिराइ १५ ॥ स० ॥ सीतअसीततपैतनतापहिये
बिरहानलदाहबडोरी केहूसुनेसमुझैनहिंबातकछूनसोहातउसा-
समडोरी प्रीतिलगीकिधौंप्रेतलग्योकिलग्योनटनागरचित्तगडोरी
कामकितापलगीशिवनाथकिबामकेवैरसंतापअडोरी १६ ॥ अथस्मृ-
तिदशालच्छण ॥ दो० ॥ भूषनभोगसोहातनहिं नहिंकाहूकेबैन पियमि-
लिबेकीकामनाअस्मृतिकरुगाऐन १७ ॥ स० ॥ भूषगादूषगासेसब
लागतबातसोहातनगात जरैरी खेलनहांसोनगानबिधाननपा-
नसखीनिशिनींदपरैरी चंदनचांदनिचंपकचाहननाहकेशोचसदा-
हिमरैरी शिवनाथकबैमिलिमंजुलमूरतिबांसुरियाधुनिक्योंबिस-
रैरी १८ ॥ अथअभिलाषदशालच्छण ॥ दो० ॥ मंदपवनछायासुखदका-
लिंदीकेकूल घनश्यामहिं सखिपावतीहरतमदनशरशूल १९ ॥
स० ॥ आवैगोकुंजबिहारीजबैनरनारिसबैमिलिमंगलगाइकै ब-
जैगीअनंदबधाईतबैगुरलोगसबैमिलिहैंउरलाइकै लोगविदाकरि

सांझहिश्यामभुजागहिकोमलअंगलगाइकै बहुरोकबहूंदिनह्वैहै भटूब्रजआयोपियाकहिहैकोउआइकै२० ॥ अथगुणाकथन दशावर्णन ॥ ॥ दो० ॥ बिरहनीचसुधिकरिअलीपियकेभूषनअंग वरनतकबिजन गुनकथाप्रीतिकहीहरिसंग २१ ॥ क० ॥ मोरपंखवारेरखवारे मेरेप्राननकेताननकेबाननकीझरिझुमड़ीपरै अंबुजसेलोचनमदन मदमोचनसोंशोचनहरनमखहांसीहुमड़ीपरै पीतपटनटवरचोरायो चितशिवनाथघूंघुरारीअलककपोलघुमड़ीपरै केसरतिलकभाल उरबनमाललालकुंडलचलाचलकिआभाउमड़ीपरै २२ ॥ अथउद्वेगदशालक्षण ॥ दो० ॥ सुखदहुखदह्वैजातकहकविशिवनाथसुजान सोउद्वेगवखानियेलगतबुंदजिमिबान २३ ॥ स० ॥ वैब्रजकुंजवैमधुपनकीगुंजवैबकदादुरसघनघनछायेहैं वैजलबुंदवैसुमनहारगुंदे सखिवैपिकचातृकमयुरसुरलएहैं वैचारुचपलाचकोरमोरचक्रबाक वैपियचाहनकीअहैनितनएहैं कविशिवनाथब्रजनाथबिनयेरी अलीजेईसुखदाईदुखदाईतेईभयेहैं २४ ॥ अथप्रलापदशालक्षण ॥ दो० ॥ भ्रमतरहैचितचक्रज्योंनयननीरपरिताप पियबिस्वाससुधिकरिअलीतासोंकहतप्रलाप २५ ॥ स० ॥ कुंजनकोबसिबोसजनीउपचारअनेकतेमानमनावते करसोंकरग्रंथिकपोलनछ्वैभरिअंकभटूबहुरोउरलावते मेरेलियेहरिचंपकलीअवलीगुहिहारहियेपहिरावते नयनभरीभरिग्वालिकहैसखिओधिगईपरकंतनआवते २६ ॥ अथसंदेशावर्णनम् ॥ दो० ॥ अहोपथिककहियोनिठुरगिरिधारीसोंजाय पीतपिछौरीकीचटकनयननरहीलोभाय २७ ॥ ब्रनितनकोतनकोनहीं तनसुखतोबिननाथ कैआवनकीअवधिदेकैराखोनिजसाथ २८ ॥ अथराधेजूकोसंदेशो ॥ क० ॥ सुनहुसंदेशोश्यामराधेजुकह्योहैमोसोंरावरे किप्रीतिदेखीनिपटगुमानकी तेरेलयेसुखपरिवारलोकलाजछांड़ि भूषनबसनओअसनपानीपानकी चलतचखाइनिकीसैनचहुंओरना तेचटकनीदेदैसबकहतसयानकी नेकनअनखमानोकोऊकहोशिव

नाथसांवरीसुरतिभईपूतरीचखानकी २९ ॥ अथकृष्णजूकोसंदेशो ॥ दो० अहोगूजरीजाकहोराधेसोंसमुझाइनिशिदिनतेरेदृगनकीलगनिअगनिजालाइ ३० ॥ स० ॥ कहियोवृषभानललीसोंभटूहियतेरोईप्रेममढ्योविसवासहेप्यारीदयाकरतीरहियोसबभूलिदियोरसकोपरिहासहै तेरेईबैनप्रसूनसुयेतुमआनंदकंदकियोउरबासहै तेरोईरूपबस्योशिवनाथसोईइननयननज्योतिप्रकाशहै ३१॥ अथराधेजूकीपाती ॥ दो० ॥ लैकागदमसिकरगही चलीदृगनजलधार कज्जलसहितकपोलपर परसिकंचुकीपार ३२ ॥ छप्पै ॥ स्वस्तिश्रीव्रजराजलाजराखतनिजजनकी बड़ेगरीबनेवाजजानकरुणाकरमनकी हमपैलिखीनजातिकठिनयहव्यथामदनकी निशिदिनकछुनसोहातगईसुधिबुधिबरतनकी कुशलशवरीचाहियेइहांकुशलतवदरशलगि भरतढरतजिमिरहतघटनयनतिहारेप्रेमपगि ३३ ॥ अथबांचिबोपाती ॥ दो० ॥ दईपथिकपातीसरस बांचीमदनगोपाल सांचीजानअजानजिमि उमगिअंबुदृगलाल ३४॥ क० ॥बांचीमैंनव्यथासांचीक्योंनकहौमेरीसौंह बांचतहीपातीछातीधरकिदरारकी उरसोंलगाईऔपठाईपुनिसखाहाथसुनिव्रजबधूपीरमैनशरसीरकी राधेजूकीप्रीतिरीतिनयननसोंचाहिचाहि शिवनाथरीझीमतिनंदकेकुमारकी कुशलहमारीप्यारीपासलैचलोजूऊधोकंसकेपछारनेकीकारनअबारकी३५ ॥ अथकृष्णजूकीपाती ॥ दो० कनकपत्रलिखिपत्रिकादैमधुकरकेहाथ योगयुगुतिबरमुक्तिकी कथाकहीशिवनाथ ३६ ॥ छप्पै ॥ श्रीवृषभानकुमारिप्रेमकीअवधिउजागर तोबिनकछुनसोहातपद्मअंकितनटनागर पातीलिखीनजाइनयनउमगेसुखसागर उससिपल्लवितगातबैनहरबरपुलकागर योगयुगुतिशिवनाथकरिमुक्तिसरसरसलीजिये व्रजबनितासमप्राणप्रियमोहिंउऋणअबकीजिये ३७॥ अथऊधोकोव्रजआइबो ॥ दो० ॥ वहैजानवहपीतपट वहैमुकुटबनमाल राधेसोंललितैकह्यो आये

श्रीगोपाल ३८॥ क०॥ ललिताललितश्रानिराधेकेश्रवणबीचह-रेमृदुमंजुलसेबचनसुनाइकै श्रायेयदुनन्दनंदद्वारलौंबिलोकिश्रा-ईयेरीकुंजबासीदौरिमिलेउरलाइकै सुनतहीश्यामाधामकामबि सरायेसबमानेमनदेवदेवीकुशलमनाइकै जागीकर्मरतीपुण्यपूरब उदितभयेसुन्दरसोसांवरोमिलैगोमोहिंश्राइकै ३६ ॥ दो०॥ नन्दद्वारदौरीगईं बौरीसीबरनारि लखिऊधोब्याकुलभईं तनकी दशाबिसारि ४०॥ दईपत्रिकाहाथकरि भईमदनकीपीर गोईस-खिजनजानिकै वोईस्वाससमीर ४१॥ श्रथराधेजूकोबांचिबो ॥ क० बांचतही बैननयनलागेजलधारदेनटपकिपरतबुन्दलोचनकीता-रिका श्रवधिकेश्रंकनिबिलोकतमयंकमुखीत्योंहीडीठिपरीयोगश्रं-कितकीबारिका सखिनसुनाइपातीकातीघातीप्राणनकीछातीछद भयेमातीमैनमदमारिका कान्हकहजानेकहूंबैरिनिसिखायोयह कंथाडारिभीखमांगैंगोकुलकुमारिका४२॥ श्रन्योवाच॥दो०॥लाजन श्राईकरतयह योगकथाब्रजराज येयौवनब्रजवधुनके कियेफकीरी काज ४३॥ स०॥ योगलिखोहमकोमनमोहनकूबरीकीयहसी-खलईहै केलिइतैकुबजापरिहासइतैब्रजमेंबिषबेलिबईहै चाहिये जैसीनतैसीकरीबिधिभालबदीशिवनाथभईहै जेपरहाथनहासरि बातकीऊधोतिहारियोबुद्धिगईहै ४४॥ श्रथराधेप्रतिऊधोवचन ॥ सो० युक्तिमुक्तिकीबाल बिनायोगसंयोगनहिं कियेकोटिजपमाल बार बारब्रजराजकहि ४५॥ छंदझूलना ॥ पंचपचीसकेईशकोजीति कैवीसकैमैनकेशरसतावन चक्रषटबेधिकैसोधिकैमात्रिकास्वास कोसाधिमनकरोपावन बैठिबवरनाडमेंखंडिकरिदोषसबसोखकी युक्तिमूर्च्छानलावन बहुरिशिवनाथसंसारसोंरहितह्वैमिलोभग-वानयहवेदगावन ४६॥ श्रथऊधोप्रतिराधेवचन ॥ दो०॥ बाज़ीगर कोपेखनोयहीयोगकीरीति निगमबुद्धिवूढ़ीभईतिनकोकहाप्रतीति ४७॥ बिरहबियोगीघटनहींयोगीतमधूंकूरि लोकलाजगृहकाज

सुखदेतिनकाशीतूरि ४८ ॥ क० ॥ छांड़ेउसुखभोगयोगसाध्योह-
रिआवनकोपाखनसोंअंगरतिपतिकोझरसहै देहभईखेहऊभीस्वा-
सकीसमीरचढ़ीप्रकृतिभुलानीकैसोइन्द्रिनपरसहै त्वचामृगछाला
भयोआलानेकरहिगयोमालाश्यामसुमिरनकोबालाकेकरसहै भा-
वैमुक्तिहोयकैनहोययहरामजानैबिरहबियोगीऊधोयोगीतेसरसहै
४६ ॥ अन्यच्च ॥ दो० ॥ औरकछूबरणनकरत करियेगूढ़प्रकारसो
अनोक्तिजियजानियेकबिशिवनाथबिचार ५० ॥ अथश्लोकपिचीमिश्रित ॥
मधुपएकबिदीदंमालतीवावरेगुलसरसरसगिरिफंतंबादजाऊंपरी
जन् आगमतूआरिजेमनूसुस्कअंबरबरायेलुबुधपरसभूपः श्या-
मसंदरयथासः ५१ ॥ पुनः ॥ सखिउरोजंगिर्दसरोदंयदिक्रतममको
पंपुब्दहस्तेउड़ाया   पततिजेरपांसबादजाऊचरफतन्भवतिहम्
चुहैरतअर्कपुष्पेनिस्तितं ५२ ॥ अन्यच्च प्रत्युत्तर अथव्याधिकरणोक्ति ॥
दो० ॥ प्रगटकीजियेऔरमेंऔरैकोगुणदोष व्याधिकरणयासेंकहैं
सुनतहोइसंतोष ५३ ॥ स० ॥ तूसमझीनहिं मेरीभटूघनश्यामकी
प्रीतिसोभौरमेंदेखी पहिलेबतराइकपोलनमेंफिरिचापिउरोजस-
रोजनपेखी सजनीजबहींमनमानकरै तबपांयपरैबिनतीनटवेखी
छिनएकीमेंजाइअहीरनसोंरसिकारेनकीयहरीतिबिशेखी ५४ ॥
अथऊधोवचन ॥ दो० ॥ योगसाधिसुखधामशिवनाथसुरनकेईश
चंदचारुसुरसरितबरबसतअचलह्वैशीश ५५ ॥ अथराधेवचन ॥
चित्तभस्ममण्डित सुतनुव्यालगरलसोंप्रीति बौरासोंदाराफिरै
जरैयोगकीरीति ५६ अबऊधोब्रजनाथजूभयेकूबरीनाथ आनंद
सोंउतहीरहोहमसुनिभईसनाथ५७॥ स० ॥ वेदिनभूलिगयेमन
मोहनरंचकछांछकेकारणआवते पायनसोंपरिकैबरजोरकेतीमनु-
हारिकैप्रीतिलगावते गोधनसंगउतैबनतेचुनिमालतीहारबनाइकै
लावते आपभयेरसियाशिवनाथहमैंलिखिकागदयोगपठावते५८
अथ ऊधोप्रतिचंद्रावली बचन ॥ सो० ॥ मधुकरतुम्हैं नखोरिजोरियुगल

करदगसलिल उससिकह्योमुखमोरिहृदयमैनकेशरदलिल ५९ ॥
स० ॥ बदीहैसोहोइगीश्यामसखाहमजानतीहैंहरिकोचितचंचल
फीकीभईवृजकीबनितासुभयोकुबरीहियाहेरिहिमंचलसांचीकहो
हरिआवहिंगेढरकैंअंसुवाशिवनाथदगंचल कज्जलकीसरिताउम-
गीकलिताकरसोंखिलियोनिजअंचल ६० ॥ ऊधोवचन ॥ दो० ॥
ऊधोहमसांचीकहीसाधेयोगअनूप बांधेकटिकटिमानमद मिलैं
जाइहरिरूप ६१ ॥ क० ॥ सांचीतुमकहीसांचीकहीवृजराजसब
सांचोयोगरीतिप्रीतिप्राणनसोंकीजिये कुशलसिंहसांवरीसोंमूर-
तिसलोनताईभरिभरिनैनपुटघूंटनसोंपीजिये जोपैपियमिलबकी
युक्तिनआवतऊधोतोपैमुक्तिबदनधोरिमसिलाइदीजिये६२॥दो०
कह्योगोकुलनाथसोंमेरीबिनयप्रणाम योगयुगुतिसिखवैउहवै
कूबरवारीबाम ६३॥ ऊधोवचन ॥ धन्यललीवृषभानकीधनिगोपि-
नकोप्रेम धन्यतिहारीबुद्धिबरभलोनिबाहोनेम ६४ नंदसुवनमि-
लिहैंतुम्हैंधरोधीरउरबाल बिदामांगिऊधोचलेसुमिरतश्रीगोपाल
६५ ॥ अथ ऊधोप्रतिकृष्णजूके बचन ॥ दो० ॥ कहौकुशलवृजबयुनकी
अहोसखाहितजान सहोबड़ोदुखदीनह्वैगहोप्रेमपरमान ६६ ॥
ऊधो बचन ॥ क० ॥ सूखीशमीसीभ्रमीसीभवैरतिनायकशायकशूल
सहीहै नैननसोंतचलैंसरितानज्योंत्योंतनपीरीपरीपुलहीहै टा
ढरीपहुंचानलौंआवतस्वासनिकीसिसिकीउमहीहै श्यामतिहारे
बियोगनतेजरिआधेहीरूपकीराधेरहीहै ६७ ॥ अथ कृष्णजीकीचेष्टा।
क० ॥ राधेकीरहनिसुनिदहनिदहीहैदेहनेहकैसेनीरदनयननते
बरसत सांवरीसीमूरतिमें झांवरीसीपरिगईतांवरीसीआइताहि
श्रमबुंदसरसत स्वासनतेबाड़वकीज्वालसीजरनलागीझरपिझर
पिझूमिदावरीसीझरसत आंखैंखोलिबोलिकह्योऊधोजीतिहारे
सोंहमरोवृजचलिबेकोअंगअंगतरसत६८॥ अथ आगमपतिकायथासगुण
दो० ॥ बामअंगफरकनलगेटूटिहारछहरात सुघरकागबोलतभले

जूरीछुटिछुटिजात६६॥क०॥ढुरिढुरिपरतमोतीमांगहूंतेबारबार लुरिलुरिपरतबेनीजंघनलौंआवती सरकिसरकिजातकंचकीकुच-नपरथरकिथरकिगातभृङ्गनउड़ावती छूटिछूटिजातबेंदीगलतेफ-रकिअंगटूटिटूटिजातमालबिरहबटावती गिरिगिरिजातकीलपा यलकीशिवनाथफिरिफिरिबिलोकैद्वारसगुनमनावती ७०॥यथा॥ दो०॥तेरोपीआवतअलीसखीसुनायेबैन बिरहतापपरिपातजि गयेउघरिसेनैन ७१॥ क०॥ दौरिदौरिदेबिनमनावतमयंक मुखीहोरिहोरि आलिनकेपायनपरतिहै घोरिघोरिचन्दन करत-थारशिवनाथबोरिबोरिबातीघृत आरतीसरतिहै तोरितोरिगजम-निकीमालचौकपूरतहैछोरिभूषणनिछावरिधरतिहै कोरिकोरिअं-जनलगायोदृगकोरनलौंजोरिजोरिसेजघिरिभावरीभरतिहै७२॥ अथआगमपतिकालक्षण दो०॥धन्यघरीशुभसुदिनहैआयेप्रीतमधाम फू-लिफूलिमनमेंउठैआगमपतिकावाम ७३॥क०॥ आयेमनभाव-नबनायेअंगभूषितकैछायेसुखरोमरोमपायेतनप्राणरी कुशलसिं-हआरतीसंवारिवारिमणिमालमिलनउतालप्यारी आईतज्ञान री फूलनकीसेजबैठीफूलीसीमयंकमुखीफूलनकीमालदेखवारंपि-यपानरीकरतबिहारहारटूटेलरमोतिनकेछूटेसिरकेशलूटेबिरहते-शानरी७४॥अथनायकाकोबचननायकसों स०॥कैसेउपोहेसुहावनोभव-नोशीतलताबरसाइअमीछे तारेनजोतिसोजोतिमिलाइअज्योंमति मंदनिहारततीछे बावरेबैरकियोशिवनाथजुचंदकलानियसारि छीछे चैतकीचांदनीचंद्रिकाचौंकिगईतनसांवरसांवरेपीछे ७५।

इति श्रीसिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसदृष्टिविप्र लंभशृङ्गारबर्णनंद्वादशोरहस्यः १२॥

अथहावभावलक्षण दो०॥बिप्रलंभशृङ्गारकोबरणियथामतिराति हावभावबर्णनकरौंसुनियेरसिकसप्रीति१॥ कविहिभावअनुभाव

कबिअस्थाईपरमान ब्यभिचारीसात्विकतथापंचभावयेजान२ ॥
अथअविभावलक्षण ॥ प्रगटहोतअनयासहीरससमूहशिवनाथ तासों
बरणिबिनावककबिश्रीराधाब्रजनाथ ३ कहिबिभावद्वैभांतिकेलक्ष-
णसहितबबेक आलंबनअस्थानहैउद्दीपनपुनिएक४ ॥ आलंबनस्थान
वर्णन ॥ स०॥दंपतियौबनरूपदोऊमिलिसेजबिराजतकंचनधाम-
हि तेसिमंदबसंतकीमारुतकोयलकूकिलगीबनगामहि चारुसु-
गंधनकेलिपटेंउपटीशिवनाथलोभातनकामहिगानबिधानननकेपरि
रंभनहासबिलासरचेउबरबामहि ५ ॥ अथउद्दीपनलक्षण ॥ दो० ॥
परिरंभाआलापकोअवलोकनिचखलोल नखरदछदचुंबनअधर
कुचमर्दनमृदुबोल ६ ॥ स० ॥ अवलोकनिअंकुशसोचुभिजातकि-
योपरिंभनरागनिहारी रदकेछददेतकपोलनमांहलियोअधरार-
सकुंजबेहारी शिवनाथभनैयहभावउदीपनहासबिलासनरासन-
कारीपरसेकुचसोनखचिन्हलगाइकैकौनललायहरीतितिहारी७
अथअभावलक्षण ॥ दो ० ॥ आलंबनअस्थानकेउद्दीपनगुणजोइ सो
अनुभावबखानियेप्रेमपरस्परहोइ८॥ अथस्थाईभाव ॥ हासहर्षअरु
शोकपुनिरतिसुखक्रोधउछाह अस्थाईतेहिजानियेपियमिलिबेकी
चाह ६ ॥ अथव्यभिचारीभाव ॥ सबहीरसकोभावपुनिप्रगटहोतबिन
नेम तासोंब्यभिचारीकहैकबिशिवनाथसप्रेम १० मोहकोहआ-
लसतथाजडतागर्बगलानि उत्कंठाअरुउग्रतात्रासतर्कजियजानि
११ मरणब्याधिउन्मदतथाचिंतादुखिताखेद नींदस्वप्नअधबाद
रतियहब्यभिचारीभेद१२॥ अथसात्विकभावभेद॥भावमध्यसेवनकृपा
दयाधर्मसुबिनीति कर्मक्रियासुचिदीनतादानध्यानपतिप्रीति१३
छलबिहीनपोषणभरणधरणधीरशिवनाथ परहितसात्विकभावये
श्रवणसुखदपतिगाथ१४ ॥ अथहावलक्षण ॥ हरिराधाशृंगाररसउ-
पजतभावप्रभाव ताकीछबिकीछांहतेकहियतद्वादशहाव १५
बिभ्रमबिहितबिलासकहिकिलकिंचितजियजानि कुटुमितिमोटा

इतललितलीलामदअनुमान १६ हेलाबोधकजानियेपुनिबिब्बं-करमणीय लक्षणद्वादशहावकेकुशलसिंहबरणीय१७॥ अथराधेजूको बिभ्रमहाव ॥ वाचबिभूषणप्रेमतेजहांहोहिप्रतिकूल पियदेखनकी चटपटीबिभ्रमरसकोमूल१८॥ क० ॥ करतसिंगारबैठीसखिनके मंडिलमेंत्योंहींनंदलालकोसंदेशोकाहूकहिदयो सुनतहांबिभ्रम उमगिआयेउरमाहनाहकेमिलनकाजप्रेमउपज्योनयो उलटिपल टिपटभूषणपहिरिचलीजावकलिलारचारुबंदनपगनदयो नूपुर करनबांधिआरसीअनौटकरिकज्जलकपोललोललोचन बिरीदयी १६ ॥ अथकृष्णजूकोबिभ्रमहाव ॥ स० ॥ केलिकरैयमुनाजलमोहन ग्वालसखासंगछैलनवीनो त्योंवृषभानकुमारिसखीमिलिआवत श्यामकहूकहिदीनो योंउमग्योउरबिभ्रमकीगतिऔरकिऔरकहै रसलीनो पहिरेउलटेपलटेपटहारविहारतज्योअवलोकनकीनो॥ २० ॥ अथराधेजूकोबिहितहाव ॥ दो० ॥ चाहतकह्यो कहौनकछु परीलाजकेफंद बिहितहावतेहिजानियेश्रीराधाब्रजचंद २१ ॥ स० ॥ क्योंहरिसोंहंसिबोलतकाहेनकौनसुभावपरयोअलबेली हौसमरैसजनीसगरीब्रजप्रीतमसोवतराइनबेली ज्योंचुपचापरहौ गहिमौनअलीमुरझातसोहागकीबेली आंखिनसोंनहिं देखतदेत रहीउरमेंगड़िलाजसुबेली २२ ॥ अथकृष्णजूकोबिहितहाव ॥ स० ॥ बोलतनाहिंसखीकेसकोचत्योंवृषभानकुमारिगईजू सीखदईसमु-झाइउराहनोफूलनमालनमारिदईजू लाइसुगंधलगाइलियोउरहै हितहीनअधीनभईजू उत्तरदेतननन्दकुमारनवाइबिलोचनलाज छईजू २३ ॥ अथराधेजूकोबिलासहाव ॥ दो० ॥ हंसतबिलोकति केलिकरिजलथलबिबिधिबिलास बरनतकबिशिवनाथयहदंपति करतप्रकाश २४ ॥ क० ॥ हंसतखेलतखेललोचनचलाइबालरद चमकाइगाइभौंहमटकावती श्यामकरबांसुरीछिनाइछुवायोअध-रनसोखैंचिखैंचिपीतपटमालब्रटकावती देनकहैनटजातहाहाखात

अठिलातकुशलसिंहवारबारत्तनचटकावतीमोहनकेमोहिवेकोसांचीकहौमेरीबीरकौनब्रतसाधेराधेलालभटकावती २५ ॥ कृष्णजूको बिलासहाव क०॥ करतबिलासहासयमुनासलिलबालदुरिदुरि दौरिदौरिआयोनन्दनन्दरीबसनचोराइजाइदुचिताईसखिनकोचढ्योहै कदंबडारछैलब्रजचंदरी एकभईदीनीएककहतअधीनीभईएकआइ लोचनललामेगतिमंदरी एकहाहाकरिकरिपरतिपायकरजोरिदीजियेबिहारीचीरकीजियेअनंदरी२६॥ राधेजूकोकिलकिंचितहाव ॥दो०॥ क्रोधहर्षश्रमकंपभयविकलहोयदृगनीर किलकिंचितजियजानियेबरणतकबिमतिधीर २७॥ स०॥ आजुदेवारिकिरातिजुवामिलि खेलतदंपतिहैंरजधानी दोऊकेलेतभयोझगरोपियपासनकीनिलियोगहिपानी क्रोधउठीभयकंपउद्योतनस्वेदछुट्योअंखियासरसानी लाललगाइलियोउरसोंमुसकायदियोशिवनाथसयानी २८॥ कृष्णजूकोकिलकिंचितहाव ॥ स०॥सांझहिलालझरोखेनझांकतआवतहौ बिनहींपहिचाने कौनकिलेतबलाइबलाइलेकंपतनैनभरेसरसाने ऐसोकरोकबहूं हंसिदेतप्रसेदभयोतनमौंहनताने सांचिकहौहम सोंशिवनाथहहाहरिकाहूकेहाथबिकाने २९ ॥ अथराधेजूकोकुट्टुमितहाव ॥दो० ॥ देखतहीउरगड़िगयोमनपियहाथबिकाइ यहकुट्टुमित हियहरतहैराधागोकुलराइ ३० ॥ क० ॥पियरोपिछौरावाराकारोसोढोटौनालोनामेरीओरहेरिहरिचाटकसोकैगयो मैनहूंकेशायकतेपैनेईचखंनवाकेसैनईचलाइरोचोराइचित्तलैगयो वंशीकोबजैयाबंशीबटकोबसैयावहप्यारोसोकन्हैयादैयाअंगअंगछ्वैगयो तबहीतेदेखनकीचाहसीचढ़ीहै मोहिशिवनाथरोमरोमप्रेमबीजबैगयो ३१ कृष्णजूकोकुट्टुमितहाव॥क०उझकिउझकिझुकिझांकतझरोखनमेंत्योंतीडीठिलालकीअचानकहीपरिगई तड़ितकलासीकमलासीबिमलासीबालमूरतिसलोनीश्यामआंखिनमेंभरिगईघूमिघूमिझमिझमिघायलसोंतरफतकैधौंशिवनाथब्रजनाथमतिहरिगई कहूंगिरचे

पीतपटमुरलिमुकुटकहूंकहूंबनमाललालमोहनीसीकरिगई ३२॥ अथराधेजुकामोटाइतहाव ॥ दो० ॥ कपटकरैकरिमानकोकेलिकलासुखदानि उपजतमोटाइततहांकबिशिवनाथबखानि ३३॥स०॥हरिसोंहठिरूठिरहीमुखमोरिगहीपियबांहछुटावतप्यारी यौंअनखाइभईचपलाइकितीमनुहारिकरीगिरिधारी फिरताहीकोआजुसिंगारतलालअरीकछुप्रीतिकिरीतिवन्यारी कितोमुखमोरिरहीझिझकोरिकितोरसयुक्तकरैबतियारी ३४॥कृष्णजूकोमोटइतहाव ॥स०॥आवतजानिकैरूठिरह्योअरुभौंहतनीकरुबैनकहेरी सूधेनहींचितयोतेहिओरअलीकरजोरिकैपांयगहेरी हहाकरिबालबोलाइरहीहरिमौनगहीनहिंबातकहेरी फिरिताहिकोआजुलगीउरमेंइनकोहिततोइनहींनिबहेरी ३५ ॥ अथराधेजूकोललितहाव ॥ दो० ॥ अवलोकनिबोलनिहंसनिचलनमंदगतिहोइ रूपसहितशिवनाथकबिललितहावजियजोइ ३६ ॥ क० ॥ मुरिमुरिबिलोकतहंसतबालदुरिदुरिढरिढरिचलतमन्दगतिगजराजकी गातरूपदेखिदुरिजातजातरूपरूपतैसीछबिछाजैसंगसखिनसमाजकी नुपुरकेसुरनमरालनकेबालचौंकिकिंकनकेभारलंककलचिपरैनाजकी करमेंसुमनमालकुशलसिंहव्रजबालयौबनस्वयंबरज्योंमूरतिहैलाजकी ३७ ॥ अथकृष्णजूकोललितहाव ॥ क०॥मंजुलमुकुटमौलिमोरकेपखौवनकोललितकपोललोललोचनबिशालरी पीतपटबंशीधरकाछिनीकछिलकटिनटवरभेषउरराजैबनमालरी सांवरोसलोनारूपकिंकिणीकलितरवग्वालबालसखासंगह्वैत्रिभंगलालरी रसबरषावनवाबैनदृगशिवनाथमीठीधुनिगावतयोंआवतगोपालरी ३८॥ अथराधेजूकोलीलाहाव ॥ दो० ॥ दंपतिलीलाकरतजहंप्रेमसहितरसरीति लीलाहावबखानिये होतपरस्परप्रीति ३९ ॥ स० ॥ बागबिराजतदंपतिसंगसखीमिलिफूलनगेंदबनायो प्रीतमप्यारीलगेमिलिखेलनभूमिपरैजनिडीठिलगायो चंदसोंआननकीछबिदेखतहाथबराइकै

चोटचलायो फूलकपोलहिं लागिगयोतबमानभयोपरिपांयमनायो४० ॥ अथकृष्णजूकोलीलाहाव स० ॥ नाइनकोपियभेषकियोठकुराइन पायनजावकलायो सारीउतारिधरीउबटैबेकोकंचुकीकोहरिहाथचलायो चौंकिचितैअवलोकिरहीपतिकोपहिचानिकैशीशनवायो मेरेलियेयतनीकरिमोहनहाइअलीगहिकंठलगायो ४१ ॥ अथराधेजूकोमदहाव ॥ दो० ॥ पूरणप्रेमप्रतापते उपजतगर्बगुमान तरुणरूपमदहोइजहं सोमदहावबखान ४२ ॥ स० ॥ आजुबिराजतहैशिवनाथगुमानभरीवृषभानदुलारी रूपमहामदसोउनमत्तमनावनआयेहैंकुंजबिहारी पायनसोंपरिकैकरजोरिकितीमनुहारिकरीपियप्यारी कूंकिअचानकमोरउठेसोलगीहरिकेउरसोंभुजडारी ४३ ॥ कृष्णजूकेमदहाव ॥ क० ॥ कमलअमलकमलाकोभासमलैगिरिशिवनाथकैसोमनलागसुबरनमें मालतीगुलाबरतिकीरतितड़ितछबिनेकनाडगतचितचंपक दलनमें उन्मतफिरतबीचसखिनकेझुंडनमेंमोहनसकतमनमोहनकेतनमें चंदतेचटकरूपराधेकोबिराजमानपानकरिबदतनकाहूघालिमनमें ४४ ॥ अथराधेजूकोहेलाहाव ॥ दो० ॥ लाजभरेचंचलचखन अवलोकतउरप्रेम सोहेलाहियहरतहै कबिशिवनाथसनेम ४५ ॥ स० ॥ लाजभरेचखलोलबिलोलअमोलकटाक्षनहींबिशकीनो भुजमेलिगरेपियकेउरसोंलपटाइअलीअधरारसदीनो मृदुहासप्रकाशबिलासप्रकाशितत्योंशिवनाथसबैरसलीनो हेलहिंश्रीवृषभानुकुमारिमुरारिहिंस्योहियहेरिप्रबीनो ४६ ॥ कृष्णजूकोहेलाहाव ॥ स० ॥ सैननबोलिलियोमनमोहनबैननहींबतराइरिझायो बांसुरियासुरकीधुनिताननरूपमहामदपानकरायो चंपकमालपुहीअपनेकरलैशिवनाथहियेपहिरायो अंगनिछ्वाइदईकुचसोतियहेरिहंसीजलजातलजायो४७॥ अथराधेजूकोबोधकहाव ॥ दो० ॥ करैचतुरईगूढ़जो सखिनमध्यरसरीति सोबोधकरसहोतहै कबिजनकहतसप्रीति ४८ ॥ क० ॥

सखिनकेमंडलमेंमंडितमयंकमुखीआयोनंदनन्दजूसरसरसभीनो है लोचनअमोललोलउथलिउथलिपरैआननज्योंशरदमयंककछवि छीनोहैमोरपक्षचंद्रिकाकिरीटछविकुंडलकीशिवनाथझलमलातपी तपटझीनोहै कंजकुम्हिलानोएकराधेकोदेखायोजाइउनगुलचां- दनीपुहुपकरदीनोहै ४९॥ अथकृष्णजूकोबोधकहाव॥ स०॥ गोपसभा महंगोविंदराजतजोवृषभानकुमारिगईजू हावनभावनतेपरिपूर- णनयनसकोचनलाजमयीजू लैकरफूलदुपाहरीकोहरिकोदेखरा- इकैभौंहदईजू नयननिदायदयोघनश्यामतहींचितईहियबोधभई जू ५०॥ अथराधेजूकोविव्वोकहाव॥ दो०॥ कुशलसिंहतियनेमउर मिलैरूपमदआइ सोबिव्वोकरसबर्णिये कपटिनिरादरपाइ ५१ स०॥ प्रेमस्वरूपकोगर्बबढ़ोपियआवतजानिकैअंगपसीजे आल- सकेमिसनयननिदावतसांझसमयसरसीरुहछीजे त्योंहरुयेहरि बैठिगयेढिगभौंहमरोरिअलीबरजीजे कान्हबड़ोबकबादमचावत घेरिकहारहेसोवनदीजे५२॥ अथकृष्णजूकोबिव्वोकहाव॥स०॥शिवनाथ चितैबहुगोपिगोपालकछूपरिहासकीबातकही हमसोंतुमसोंरस रीतिकहासुनिआंसुनकीसरिताउमही मुरझाइनिरादरकीगति जानिहियेपरितापकीदाहदही घनश्यामलगाइलईउरसोंपटपों- छिदृगंचलबांहगही ५३॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहविरचितायांरसवृष्टि हावभाववर्णनंत्रयोदशमोरहस्यः १३॥

अथअंगप्रतीकाभाववर्णनम्॥ दो०॥ कारेझपकारेमृदुल दीरघकच अनुकूल कोयलश्यामाकाकअहिहारेउहरिमखतूल १॥ क०॥ श्यामाअहिकोयलकीश्यामतालगतकैसेकारेझपकारेप्यारे अरग- जेसरसत दीरघअमलकेशकपोलपैकुचनछ्वैजंघनतेलटकिचरणा

हूंलोंपरसत कज्जलतेचटककछटकिरहेशीश परदेखिदेखि मेघन ज्योंकजरारीतरसत चंदनकीचौकीबैठीबारनसुखावैबालछोरन तेचुवैबुंदमानोंमोतीबरषत २ ॥ अथबेनीबर्णनम् ॥ दो० ॥ बेनीकारी नागिनी परीपीठपरआइ सहसाकरपरसनकरो नाजानैडसिजाइ ३ ॥ क० ॥ कंगहीकरतराइबेलाकोफुलेललाइलालगुनगुहीमोती लरलटकाईहै कैधोंब्यालबिपधरकीलहरेसमेटिगूढ़ी कामकोत-वालकेकोड़ातेसरसाईहै आजुनाबचोगेलालकोलकीनिरखिबेनी बरबसडसैगीजूकठिनबिषताईहै मंत्रऊनलागैकिनकोटिकरोशि-वनाथबचोबनवारीखैंचिमदनदोहाईहै ४ ॥ अथजूरोमांगपाटीबर्णनम्॥ दो० ॥ जूरोबांधतमनबंधै सूरोमनललचाइ चीरिमांगमोतिनभरी पटियनलौंचिकनाइ ५ ॥ क० ॥ जूरोतियशीशकैकंगूरोकामम-न्दिरकोसूरोउरसालतहैपूरीछांहकरिकै चीरिमांगमोतीभरिबंदन लगावैकैधोंपावड़े बिछावैसुखलोककोडगरिकै सरससवांरिपाटी पारिपारिकंगहीलैसौतिनकेनयननकरोतीसीप्रकरिकै सोरहोंक-लातेपरिपूरनहैकलानिधिशीशचढ़िआईकारीप्यारीघटाभरिकै ६ अथअलकबर्णन ॥ दो० ॥ अलककपोलनपैपरीमेचकश्यामअनूप लहल-हातलहरैउठीं नागछवनकेरूप ७ ॥ क० ॥ मोहरज्योंमुखताकीयुगु-लबिकारीदईलोचनतरंगकैधोंचाबुकमसंदको लहकिलहकिटेढ़ी बेढ़ीसीअलकदोऊबहकिबहकिकरैचरचाअनन्दको लटकिकपोल नकलोलनकरतझूमिफैलिफहरानोंकैधोंध्वजाकामफंदको बिषम कटोहैअलसोहैसेकुशलसिंहनागनकेछौनापैबिछौनाकियोचन्दको ८ ॥ अथभालबर्णनम् ॥ दो० ॥ जटितजवाहिरजगमगैटीकोभामिनि भालथरथरातबिधुद्वैजपैलटकनभषनमराल ९ ॥ क० ॥ कैधोंभौममं-डलप्रकाशकरप्रकाशकीन्होंकैधोंबिधुमंडलमेंभृगुकोप्रकाशहै कै-धौंचतुराननकीचतुरताबसीहैआनिकैधौंशेषशीशमणिशोभाकोबि-लासहै कैधौंकल्पद्रुमपुहुपकमलाकोभासकैधौंयहमोहनीहैकियो

निजबासहै टीकोजगमगैजीकोचोरिलियोशिवनाथहीकोउकसावै फीकोलागतसिंगारहै १० ॥ अथकरनबर्णनम् ॥ दो० ॥ करननामराजासुनो करेउकनककोदान करनकामिनीकेसुनै नायकगुणनपुरान ११ ॥ क० ॥ करनकरीहैजैसीकरनीकरनदोऊचरनबिचारिदीन्हींकंचनकोदानिये औरऊकरनएकपिताप्रतिपालकीन्हो बांहकासनीहैहमकथामृदुबानिये कामिनीकरनदोऊकरतसोघटिनहींकरनबिहारसमयसेजसनमानिये वैकरनपिताभक्तमनबच केशिवनाथयेकरनपतिकेबचनभक्तिजानिये १२ ॥ अथभौंहबर्णनम् ॥ दो० ॥ भौंहशरासनसीकहो कारीसघनअनूप कुटिलमरोरीचीकनी भरीमानकेरूप १३ ॥ क० ॥ कुटिलअनूपसोहैमानीकीसी गतिजामेंभृङ्गनकीश्यामतासरसछबिछाईहै कामकेशरासनतेत्राशनअधिकदेख्योआसनमुनिनइन्द्रसासनचलाईहै कासनकहौंरी योगीडासनतजतजगोसासनभरतरोगीभयेमुरझाईहै तानमेंतुरंगमनपाईऐसीबंकताईजैसीशिवनाथप्यारीभौंहबनिआईहै १४ ॥ अथबरुणीबर्णनम् ॥ दो० ॥ कारीझपकारीबनी ठनीलाजकेऐन बाल तिहारेदृगनके बरुनीछोरचुभैन १५ ॥ क० ॥ कारीझपकारीघाहझपझपकरतकारी ऐसीनिठुरारीनेकलाजहिंडरतहै बरुनी तिहारीप्यारीसैननहलारीकैधौं तेजतमबारीभारीशोभाकोधरतहै छोरनकीपैनईचुभतआनिउरअंतरशिवनाथलचलचीमनकोहरतहै कामबादशाहताकेनयनायेवजीरदोऊपलकैंसहेलीशीशचौंरसीकरतहै १६ ॥ अंजनबर्णनम् ॥ दो० ॥ औरएकअचरजसुनो भरिभरि अंजनदेत नयनहलाहलखाइकै जीऔरनकोलेत १७ ॥ स० ॥ खाइहलाहलऔरनमारतआलीअचम्भवबातसरीहै नेकदयाजियमेंधरियेयहतेरेइऊपरपापपरीहै काहेकोअंजनदेइसवांरतऐसे हियेउरशालकरीहै कोजगनाहिंभयोअभिमानअरीइननयननबांकिधरीहै १८ ॥ अथअंजनकोरबर्णनम् ॥ दो० ॥ अंजनकीकोरैंबनीन-

स्तरकीमुनिहोइ उड़ननागिनीजीभसी लपलपातदृगसोइ १९ ॥
स० ॥अंजनकोरदृगंचलराजतकैमुनिनस्तरआनिचुभीवै कैदुमुही यहनागिनिकीशिवनाथभनैरसनासिलसीवै चंदहिचाहिचढ़ीफह-राइकपोलनकूलअमीरसपीवै देखतहीबिषछाइगयोउरकाटतही कहोकैसेकैजीवै २० ॥ अथनेत्रवर्णनम् ॥ दो० ॥ कजरारेदीरघअम-ल चंचलअरुणअमोल पानिपतेपूरेभरे मानोंउथलेगोल २१ ॥
क० ॥कैधोंखंजरीटनकीचपलताईहैछीनीकैधोंचंचरीकनकीकज-रारीछाइये कैधोंप्रातकंजनकोस्वच्छतानिवासकीन्होंलाजकोस-मेटिबिधिलोचनबनाइये चतुरचलांकेबांकेसैनईउझकिझांकेपैनई सरसकैधौंमैनसरपाइये हंसिहंसिहेरिहेरिफेरिफेरिशिवनाथहरि सोंहरिननयनीनेकनाहुराइये २२ ॥ अथचितवनवर्णनम् ॥ दो० ॥
कुहीबाहरीबाजअहि बानबहेलियामारि खड्गकटारीछूरिकाश-क्तिगईहियहारि २३ ॥ स० ॥बाजकीबैठकलैउचकीपुनिबेधिक-ढ़ीपरघूंघुटझीनों उड़िजाइकुहीजिमिदूरिदुरीबहुरोगतिआनिक-रीलकीलीनो तानतकाननलोंचखलोलसोसाननमें झरबाणन कीनो सालतदेवअदेवनहूंबरुपारथकोपुरुपारथछीनो २४ ॥
अथनासिकावर्णनम् ॥ दो० ॥ कहौंनासिकातुंडशुक बेसरिमुक्तासोभि श्रमसुगंधकीपारखीदेखतहीमनलोभि २५ ॥ स० ॥नासिकाचा-रुबिलोकतहीबनजाइसमूहनकीरछपाने बेसरिकोमुकुताछबिदेत मनोंकमलागृहतोरनताने स्वासनतेउसकैपुटबालकहैंकबिकोमल होतपखाने लैसिसकीमुसुकावतभायनघ्राणसुगंधनकीपहिचाने २६ ॥ अथनासिकावेधवर्णनम् ॥दो० ॥सुभगनासिकाबेधयह बेधकर-नततप्राण याहिलखेकुंठितभयेपंचबानकेबाण २७॥स० ॥ साल-तहैनटसालहियोसरसालबिनिंदिततीक्षणताई देखतहीमनभूलि रह्योकहियेकिमिनासिकबेधसोहाई योंशिवनाथबिराजतगाज-तलाजतमोतिनबेसरिकाई जानिबड़ोबितकामनावोरमनोंकमला

ग्रहसंधिचलाई २८ ॥ अथअधरपनारीवर्णनम् ॥ दो० ॥ अधरना-
सिकाबीचजो गाढचिन्हछबिदेत तियबुलाककेभारके परापनारी
ऐत २९॥ स० ॥ कैधौंगुलाबकीपाखुरीहैयहछांड़िप्रसूनहिं आनि
बसीहै कैयहमोहनीकीमरजादहैकाहूकेप्राननपैठिनसीहै गाढुपरो
तियकेअधरोपरकैशिवनाथबुलाकधसीहै कैहरिकेउरकोतजिकैभृगु
कोपदचिन्हसोआनिधरीहै ३० अथअधरवर्णनम् ॥ दो० ॥ अधरबिंब
सेबरणियेबिद्रुमकमलसुधार अमीमधुरताखीनता अधरनकेसुख-
कार ३१ ॥ क० ॥ अरुणसेअमलकमलकीसीकोमलाई अधरन
देखिबिंबाकरतप्रलापये जाकेरूपआगेरूपबिद्रुमबेरंगहोतसोचि
सोचिमोचिदृगभरतअलापये खीनेहैंनथूलेभूलेदेखिकेकुशलसिंह
देवतानहूंकेमनसुखदकलापये अमीरसमातेतातेचढ्यौहैउन्मादउ-
रहैजकेयुगुलचंदकरतमिलापये ३२ ॥ तंबालरेखावर्णनम् ॥ दो० ॥ अ-
धरनपररेखालसतधसतपानकीपीक बिद्रुमपैमीनाखिंचोदईलाल
सीलीक ३३ ॥स०॥ लालनबालबिलोकिरहेवहलालसीलीकल-
खीअधरानहिं अधरानहिंत्योंपरसीशिवनाथनईचितचोपभईपिय
प्रानहिं प्रानहिपैठिकढ़ीचखओरबढ़ीउरप्रीतिअरीमुसकानहिं मु-
सकानहिंसोंहरिरीझिगयोउरलाइलियोसोखवाइकेपानहिं ३४॥
अथ स्वेतदशनवर्णनम् ॥ दो० ॥ स्वेतदशनवाबालकेचमचमातछबि
पाइ चंद्रकिरिणसीझलमलैकलीचंवेलीभाय ३५ ॥ क० ॥ कैधौं
कलीवेलीकेचंवेलीकेचमकचौकाकैधौंअनवेधमुकुताहल बसायेहैं
हीरनकीखानियहैजानियेकुशलसिंहकैधौं मणिमर्कतकेसीकरसो-
हायेहैं हंसनकेछौनायेपढ़नआयेबाणीपासकैधौंयशबीजप्यारीमु-
खहिंजमायेहैं दामिनीचमककैधौंधसीहैदशनआनिसोरहौंकलानि
काटिबत्तिसौंबनायेहैं ३६ ॥ अथअरुणश्यामदशनवर्णनम् ॥ दो० ॥ कहं
लालीकहंश्यामताद्विरंगदशनछबिदेत चौकाचमकनचौंधईबरवश
हींजोलेत ३७॥ स०॥ दाड़िमकेदानेआनिभुलानेमुखहिंलोभानेछ-

बिछलकी कैधौंमुकताहलखाइहलाहलभयेकलाहललखिभलकी भौंरनकेछौनाकरतपिछौनाकरतनागौनापलदलकी शिवनाथनरीचीरतनकिरीचीचंदमरीचीबलबलकी ३८॥ अथरसनावर्णनम्॥ दो०॥ कोमलअमलकमलछबिनीतिनेहगुणखानि कहौंशारदासोजसी राधारसनाजानि ३९क०॥शारदाकीसेजकैधौंसुखकीसहेलीसोहै रसकीसीरानीकैधौंकबितबिधानीहै कोमलअमलअमीअंशहीचोराइकैधौंकमलाकलासीचारुचंदहिंछपानीहै हरिसोंकहतबैनहांस रसरीतिप्रीतिनीतिनिपुणाईकैधौंनिगमनिधानीहै कुशलसिंहकैधौं अरबिंदमेंनिवासकीन्हौंबिधिकीवरंगनासरसबरदानीहै४०॥ अथमुखवासवर्णनम् ॥ दो० ॥ अगरअतरकीचाहनानगररहीनहिंकाहुबगर वगरकीडगरमेंतवमुखबासप्रबाहु ४१॥स०॥सुगंधप्रवाहबहैअबलामुखज्योंमलयागिरिगंधप्रकासी चंपचबेलीगुलाबजुहीजहिंकुंकुमकेसरिपाइसुबासी चंदनऔघनसारहिंपैठिकियोइनबैठिबड़ोतपकासी भूतलतेभरिमैनबिलोकहिमुक्तभयेलहिनाककेबासी ४२ अथवाणीबर्णनम् ॥ दो० ॥ बानीबरनीबालकीसानीसुधासुधारि बानी जानीबुद्धिबरबसिरसनाअनुसार ४३ ॥ क० ॥ बानीजगरानीकी बखानीनपरतकेसेज्ञानीसुनिसकलासयानीकोतजतहै श्रुतिसुखदानीचारयौमुक्तिकीबिधानी हियहरतमलानीबरदानीसीबजत है मोहमदभानीगुनखानीगुनननकीशिवनाथमृदुलसोहानीध्यानीध्यानहिंतजतहै हरिठकुरानीजगरानीसानीसुधारसबानीवेदबिद्या सबयाहीकोभजतहैं ४४ अथकपोलबर्णनम् ॥ दो० ॥ मुकुरचंदद्युति बर्णियेअमलकमलसेगोल कोमलविहसतागाडपरिचिक्कनझलक कपोल ४५ ॥ क० ॥ मुकुरसेमंजुलझलकिरहेमाणिकज्योंहंसतपरतगाड़अमलअमोलये कमलकीकोमलाईलगतनानेकजामें रसभरेचीकनेलटतेबनेगोलये गदगदेगोरेभोरेकठिनईथोरेथोरेअरुणाईबोरेचोरेचितहिं बिलोलये अधरनकेप्यारेकैधौंमानहूंकेता-

रे शिवनाथछबिवारेचंदनिरखिकपोलये ४६ ॥ अथशीतलादाग वर्णन

दो० ॥ दागशीतलाकेनहींमृदुलकपोलनमाह रूपसलोनेदेखि कैगड़ीडीठिकीछाह ४७ ॥ क० ॥ चंदकीमारीचीकानतोरिबिथ राइदीन्हींकेधौंहीराफोरिकैकनूकायरिधरिगयेकेधौंकाममंदिरकी झंझरीबनाईबिधिकैधोंसोनजुहीकेपुहुपझरिझरिगये कामिनीम- नोरथआलवालशिवनाथमैंनकमतंगमातेबेलिचरिचरिगये अमल कपोलनपैदागनहींशीतलाके डीठिगड़िगड़िगईगाडपरिपरिगये ४८ ॥ अथ स्वेदकणवर्णन ॥ दो० ॥ स्वेदकपोलनपैढुरयोभामिनि दामिनिरूप कनकपत्रमानौलसैमोतीजड़ेअनूप ४६ ॥ क० ॥ कंच नकेपत्र कैधौंमुकुताजड़ाइदीनोप्यारीकेबदनमैंनमदसों उयोपरै बारिजदलनओसकनसेबिराजमानशिवनाथ मंजुलकपोलनछुयो परै बीचबीचशीतलाकेदागनमेंढुरिरह्योजुरिकैउमड़िआनिकचन चुवोपरै राहकेरदनकेछदनबीचचंदनतेछलकिछलकिअमीबुंदन चुवोपरै ५० ॥ अथचिबुकवर्णन ॥ दो० ॥ गोरीचिबुकागाड़परिभोरी सोवरनारि नैनठगनिकोरूपयहमारतयाहीडारि ५१ ॥ क० ॥ चिबुकप्रकाशकैधौंइंदिराकोमंदिरहैकैधौंमैनसरजलभौंरछबिछाई है कैधौंठोढीकाटिकैबनायोबिधिरतिमुखताहीतेपर्योहैगाड़लग- तसोहाईहै कैधौंहरिकंठमणिताकोप्रतिबिंबजानकैधौंभवकूपन- रलोगनबनाईहै राजसुखयज्ञताकोकुंडयहैशिवनाथशंकासोंसनव पाइआहुतिबनाईहै५२ ॥ अथगाडतिलवर्णनम् ॥ दो० ॥ तिलशोभाक्यों बरणियेचढीचिबुककेअंग परेउगाड़अतिथकितह्वैमानोमन्मथअं- ग ५३ ॥ क० ॥ गाडपरेउकैधौंयहमदनमतंगमात्योकैधौंचंचरीक अरबिन्दरसपाग्योहै कैधौंश्यामघटाकोकन्हकाटूटिगड़िगयोरस बरसावनसरसअनुराग्योहै करतबिहारबैठिबालकेबदनपरकुश- लसिंहदेखोयहरूपमददाग्योहै नैनठगहांसीफांसीडारिमारिर- सिकमनताहीतेचिबुकगाडकालिमासोलाग्योहै ५४ ॥ अथमुखमंडल

बर्णनं ॥ दो० ॥ मुखमंडलवाबालको बढ़िगायेतोउदोत राकाशशि
अरबिन्दको बदनमलिनदुतिहोत ५५ ॥ क० ॥ कैधौंशिवनाथउ-
दयाचलउदितभयोसोरहैंकलातेपरिपूरणमयंकरी लोचनचकोर
येचलनलागेचारोंदिशिभरिभरिपियूखरसपीवतसिशंकरी सोतेये
कमलनयनीसकुचिनमितमुखगईमुरझाइफीकीपरीछबिपंकरी रा
धेकोबदनयेरीसदनसुधाहूकोतिल औडिठौनासोईकठिनकलंकरी
५६॥ अथग्रीवाबर्णनम् ॥दो०॥लकाकबूतरसेकहौ कंबुकपोतहिं जानि
सुभगग्रीववावालकी सोकबिकहतबखानि५७॥ स०॥ लचकैजि
मिचारुकबूतरकंठहिरेखबिराजतकंबुकलासी देखिकपोलनफां-
सिदईउरजानियहैछबिभानमलासी हंसनकेचितचोपभईबिचरैं
करिआठहुंयामतलासी योंशिवनाथबनीनवलाकमलाग्रहकंचन
कीलवलासी ५८ ॥ अथ भुजबर्णनम् ॥दो०॥भाईभाइभुजनपर साईं
क्योंनलोभाइ चलतहलतहलकतहियेयाहीयहीसुभाइ५६॥क०
हलतचलतकैधौंछीरनिधिकीलहरिभाईसीभुजननंदलालनलोभा
इगो गोरे-सेअमलयेकमलकीसीकोमलाईहेरिहेरिसौतिनकोमुख
कुम्हिलाइगो ऐरापतिकरकीसीतरासिरीशोभियतचोभियतचित्त
मांहऐसीछबिछाइगो कंठकेबसैयाकैधौंआनन्ददेवैयाशिवनाथबर
सैयारसलोचनअघाइगो६०॥ अथपाणिबर्णनम् ॥ दो०॥ बाहुमृनाल
कमलकर नखमाणिकछबिपाइ राकाशशिकीबिमलतावसीहथेरी
आइ६१॥ क०॥ कमलसेकोमलअमलदुतिचंदकीसीनखनमेंकैधौं
भौमसुतनबिलासकी कैधौंकमलासनकोआसनकुशलसिंहज्योति
जगमगैशोभामाणिकप्रकाशकी प्यारीकेपरमपाणिनिरखतभवर
भूलिकेतकीगुलाबतजिचाहतसुबासकी मोहनऔजोहनडचाटन
औवशिकरनउन्मदसहितपंचशायकनेवासकी ६२ ॥ मेंहदीबर्णनम्
दो० ॥ युगुलपाणिशोभितभई नहदोउमेहंदीवाल मनोकमलके
दलनपर इंदुबधूकीमाल ६३ ॥ क० ॥ स्वच्छमकमलकरमेहंदी

लगाईबालकैधोंमनमोहनीकोसोहनीकीजालिका चित्रकैसीचातु-रीसुरंगरंगशोभाधरेकैधोंशिवनाथजूसोहागकीबिशालिका कैधों अरबिन्दकेदलनमेंगवनकीन्हेंछबनेसमेत इन्दुबदनकीमालिका रसबरसावनकेकारनकहनआईचंदकेभवनभूमिसुतहूकीबालिका ६४ ॥ अथकुचबर्णनम् ॥ दो० ॥ अमलकठोरेचीकने ऊंचेगो-रेगोर अंचलेबामहरौलयेबिचलेदलहिं बहोर ६५ ॥ क० ॥ अ-मलकठोरेगोरेचीकनेउतंगभोरेबरबशमरोरेमननेकनाडरोलयेशी-शपैझिलमडारिबदतनकाहूसूंघालैसालकरैघावकठिनकरोलये ऐं-ड़िकैअड़तआनिखेतरसजूझहूमेंटरतनटारेभारेरतिकेहरोलये अ-ड़ाअड़ीपरेतेअंचलापैचलाइदलकबिशिवनाथक्षीनिमैनकेसरोलये ६६ ॥ अथत्रिबलीनाभिबर्णनम् ॥ दो० उदरपानसोसोहिये त्रिबलीरे-खबिराज नाभिगंभीरीहिरतमन गंगभ्रमरछबिछाज ६७ ॥ क० पानसोउदरतामेंत्रिबलीबिराजमानकैधोंत्रैलोकहूकीशोभामर्य्या-दरी नाभिकीगंभीरताबिलोकिमनभूलिजातसुरसरिसलिलकेभ्र-मनछबिछादरी कोमलअमलद्युतिगोरीकीगोराईवरहेरिहेरिशिव नाथनयननसीआदरी कैधौंपारकूपयेअबलाउझकिउझकिउठत तरंगकैधोंहरतबिषादरी६८॥ अथरोमराजिबर्णनम् ॥ दो० ॥ रोमाव-लियाबालके उदरलसतयहिभांति नाभिकुंडमधुलेनको चलि पिपीलिकापांति ६९ ॥ स० ॥ कैधोंसिंगारकीबेलीबिराजतकैं इननयननफंदबनायो मैनपिपीलिकालेनचलीरसनाभिमनोमधु-कुंडसोहायो रामकीराजीबनीनवलातनत्योंमखतूलकेरामलजा-यो कैसुखलोकनिसेनीबनीशिवनाथयहैबिधिवेदनगायो ७० ॥ अथपृष्टिबर्णनम् ॥ दो० कनकपटीकाशीबनी परीपनारीपाइ कदलि पत्रसीचीकनी क्योंकबिबरणिसिराइ ७१ ॥ क० ॥ कंचनकी पाटीतामेंसोहनकस्योहैकैधोंमोहनीकेमोहनकोमोहनकोबानरीकैं धौंबेनीभारतेपनारीपरिगईप्यारीदेवनकुमारीबलिहारीछबिकान

री कुशलसिंहहेरिहेरिहाहाकरिखोलिखोलिबोलिबोलिदीन्हीवै
अदीतीभरीमानरी नीठिनीठिपीठिप्यारीपरसतपरमपानिमानि
मानिनेहकीन्हीप्रेमपहिचानरी ७२ ॥ अथकटिवर्णनम् ॥ दो० ॥
खोनीकटिवाबालकी पीनीलईचोराइ छीनीछबिहरिलंककी स्व-
च्छमसोदरसाइ ७३ ॥ स० ॥ स्वच्छमलंकबिलोकतबालकीकेह-
रिजाइभयोबनबासी सूमकोदानकिगौरिकोमानसोछीनिछवोऋ-
तुहैबिमलासी भूतनचितयोचितचोरतकादरकीदृढ़ताजिमिनासी
कचभारनतेलचिजातअजौशिवनाथभनैप्रियप्रानछमासी ७४ ॥
नितंबवर्णनम् ॥ दो० ॥ बर्णोंबालनितंबबर उच्चरचेबिधिहाथ मा-
नोंकनकतंबूरद्वौ उलटिधरेरतिनाथ ७५ ॥ क० ॥ गानकरिमद
नतंबूरनउलटिधरेकंचनबरणदोऊलगतसोहायेहैं चीकनेउठौंहे-
मृदुबालकेनितंबबरमहिमानकहिजातऐसोछबिछायेहैं शोभाको
समेटिओलपेटिसबउपमानचायनसहितबिधिइनहींबनायेहैं कैधौं
जगजीतिरतिआपनीदोहाईफेरिनौबतिबजाइयेनगारेऔंधायेहैं ॥
७६ ॥ अथजंघावर्णनम् ॥ दो० ॥ जटाजूटबनमौनगहि कदलिखंभ
यकपाइ कियोबड़ोतपदीनह्वै लहैनजंघसुभाय ७७ ॥ क० ॥
कैधौंमैनमंजिनीमतंगिनीकीसकुचद्वीनिकैधौंहंसहंसिनीबिहारकी
चलनिहै कैधौंसुखसागरथहावतमयंकमुखीकैधौंनन्ददलालम-
नमाणिकझलनिहै हरेहरेहेरिहेरिहठिहठिहरिननयनीझमतझु-
कतकैधौंकेसरीमलिनहै शिवनाथकैधौंअनुरागमेंसोहागबेलिफह-
रिफहरिफैलिफूलनफलनिहै ७८ ॥ गतिवर्णन ॥ दो० ॥ सकुचन
मैनमतंगिनी हंसराजगतिहोइ चालबालकीबर्णिये मन्दमन्द
जियजोइ ७९ ॥ अथजंघाको ॥ क० ॥ कंचनकेखंभकैधौंईगुरसोंबोरि
राखेगोरेगदगदेचोरेचितहिंअमोलये केलिकेनिधानकैधौंमदनबि-
मानरूरेसरससवांरेप्यारेकरनकलोलये जंघनयुगुलदेखिकदली
लजाईबनगहनदुरीरहैबिराजीछबिनौलये करिहिंबिलोकिकैप-

टकिडारैबारबारऐसेसुखदायकअमलमृदुगोलये ८० ॥ अथचरण वर्णनम् ॥ दो० ॥ प्यारीपदपदवीपरखि इंगुरमनललचाइ परम नरमनवनीततो लखिजलजातलजाइ ८१ ॥ क० ॥ देखौशुभ बालापदसुन्दरबिशालामानौइंगुरलजातजाकेदेखतचरणहैं ज-लजगुलाबखिसियातदेखिकोमलाईसिरसहुपुहुपमनमाहिंसकुचत हैं ऐसेपगप्यारीकेसकलछविछीनिलियोछबिनहिंकाहूकीपदन-सरसतहैं उपमानकाहूकीसकलकबिढूंढ़िहारेमधुपतिजैसेप्यारी तेरेयेचरणहैं ८२ ॥ अथचरणअंगुरं बर्णनम् ॥ दो० ॥ कनकवरणपद अंगुरीनवलालीछविछाइ कमलदलनपरभौमदश बैठेसदसिब-नाइ ८३ ॥ स० ॥ कोमलफूलमनौअरबिन्ददोऊपदसुन्दरिके रसभीने ताकीअनूपमआंगुरियांछविलेतसुवर्णकीमानहुंछीने अं-गुरीलालीलखीपदमेंजनुभूसुतबैठिसमाजहिंकीने उपमारतिनाथ लखातनहींनिजहाथरचेपदअंगविधीने ८४ ॥ अथजावकवर्णनम् ॥ दो० ॥ परखिअंगोछतहरिहियेदियोअनदियोजानि एंड़ीलखिदु-चितीभईनायनिजावकपानि ८५ ॥ स० ॥जावकनायनीदेनलगी ठकुराइनिपायनिकीछबिछाई जालखिचोपिचबूटनटैचितलूटन कारणबेलिबनाई कोइरिसीसरसीपरसीउपमासुखमायहजातन गाई मोहनकेमनमोहनकोशिवनाथसोहागकीसुन्दरताई ८६ ॥ अथदीसबर्णनम् ॥ दो० ॥ फुन्दनकंजकपूरविधुतड़ितकेतिकीजोति कै गौमैंनमसालसीजगमगातछबिहोति ८७ ॥ क० ॥ गहगही गोरीकीगोराईगोरेगातनमेंलहलहीलहकिजोतियौबनबिशालसी महमहीमहकिमरीचिकासी झलमलैडहडही डिगतनआभासुख सालसीकुन्दनकपूरचन्दतडिततरेलूहोतदीपतिदधारीकैधौंमदन मसालसी शिवनाथअम्बुजगुलाबमैंनआवरहीबिधिरिधिरोंकिप-हिनाईछबिमालसी ८८ ॥ दो० ॥ नखसिखशोभामैंकहीअपनी बुधिअनुमान यहढीठीशिवनाथकीछमियोसकलसुजान ८९ ॥

इतिश्रीशिरमौर कुशलसिंह बिरचितायां रसदृष्टि अंगप्रतिशोभा
बर्णनम्चतुर्दशमोरहस्यः १४ ॥

अथबसनभूषणादिशोभाबर्णनम्॥ दो०॥ नूपुरअनवटबीछुवाबजतमैन केभृङ्ग सजतसाजसबसुरनकोबसिअंगुरिनकेसंग १ ॥ क०॥ सुरनकोसाजिकैधौंगतिनसमाजसोहैमोहैमनमोहनको ऐसीधुनिकामेंहै कमलकेदलनिमरालनकेबालनज्योंलियोहैबसेसोकलमुखरछमोमेंहै श्रुतिसुखकारकीबिहारकीनिपुणताईकारणबनायेबिधितालनकेधामेंहै चितउचकावनलोभावनकुशलसिंहनूपुरबजतकैधौंमदनदमामेंहै २॥ अथपायलबर्णनम्॥ दो० ॥ कियोहियोहायलहहलिपायलझनकसुभायमायलठहैघायलभयोफरफरातपरिपाय ३। कनकभंवरसेमदनकेचरनकमलरसपेत लटकिलटकिएड़ीनसोंझटकिझटकिजीलेत ४ ॥ अथगूजरीबर्णनम् ॥ गौरमुखनपैअतिलसैपरी गूजरीपांइ घेरिलियोज्योंकमलकोतरनिकिरनिकीआइ ५ ॥पहिरि गूजरीगूजरीराकाशशिछबिपाइ मनोंसिंहिकासुतक्षुधितगयोबीच सोखाइ ६ ॥ लहंगाबर्णन ॥दो० ॥ कीमखाबलहंगोबनोलंकलहरिया देतघिरिघिरिघूमतलंकपरफिरिफिरिमनहरिलेत ७॥ स० ॥ घेरि रह्योंकटिघांघरोघूमिमनोघनघोरिउठोकरिसोरनचौंकिचितैवहिकुंजनतेचहुंओरनकूककरीबनमोरन बूटनलूटनप्राणलगेजरतारीकिनारीलगींसबछोरन प्रातचलीवृषभानललीलहकैलचिलंकपरीझकझोरन ८ ॥ अथनींबीबर्णन ॥ दो० ॥ लसतमनोहरनाभिपरउपमा क्योंकहिजात मानोंकलीगुलाबकीलालनलखिललचात ९॥स०॥ वातकहैअबलाजबहींतबहींउचकैलखिमानभरीसी जोहंतदेतबधू मुखतैसइनाचतलाजहिंछांड़िछरीसी योंचुनिकैकसिराखतहैपियकेललचावनकाजधरीसी नींबीबिराजतनाभिमनोहरकेशिवनाथ सनाथकरीसी १० ॥ अथछुद्रघंटिकाबर्णन ॥ दो० ॥ खीनीकटिकिंकि-

निलसैछीनीउडगनजोति झनझनातमुखमधुरधुनिलालालचिलचिहोति ११ ॥ शब्दसुनतहीश्रवणमेंकियोमोहनीमंत्र रुनझुनात लचिलंकपैमनोकेलिकोतंत्र १२ ॥ अथमुंदरीछलावर्णनम् ॥ छलाछबीलीआंगुरीछलतसबनिकोचित्त छलकिछलकिछबिपरतसीमुंदरी नगनसहित्त १३ ॥ पहिरिकनककीआरसीवदनबिलोकतबाल मनोभानुमंडलबिमलधस्योचंदयहिकाल १४ ॥ अथमेंहंदीवर्णनम् ॥ युगुलपाणिशोभितभईवहदीमेंहंदीबाल मनोकमलकेदलनपरइंदुबधूकीमाल १५ ॥ अथपहुंचीवर्णनम् ॥ प्यारीकीपहुंचीबनीप्यारेपहुंचनमाह गड़ीडीठिपहुंचानिलोपहुंचीपहुंचीनाह १६ ॥ अथकंगनावर्णन रतनजटितकगनापहिरिठाढ़ीअंगनामाह मुकुरमंजुकरपृष्ठलौंचमचमातपरछांह १७॥ अथचूरीवर्णन ॥हरीहरीचूरीहरीहेरिहरीपरिप्रान गोरेगदकारेकरनगड़ीबड़ीछबिजान १८॥ खिनकिखिनकिखिनखिनकरैखीनबापुरोचित्त घटतघटतघटिजातज्योंबड़ेधनिनकोवित्त १६॥ अथछल्लवर्णनम् ॥सोहतचूरिनबीचमेछन्नमहाछबिदेत छनछनातछकिजातमनछनकिछनकिजीलेत २०॥ दो० ॥ भुजबल्लीवर्णनम् ॥ दो० ॥ अंजनभुजबल्लीजटितघटितकियोमदरूप मनोदामिनीमेंलसैउडगणजोतिअनूप २१ ॥ बाजूबंदछबियानमें लगेफूलमखतूल मनोकरीनककमलकीमत्तभ्रमरद्वै झूल २२ ॥ टाडावर्णन गड़ीटाड़प्यारीभुजनजगमगातछविहोति ईशशीशतजिबसिगईमनोबालबिधुजोति २३॥ स्वेतकंचुकीवर्णन ॥ स्वेतकंचुकीअरुणकुचकोरकनारीकोर होड़ाहोड़ीपरिगईचंदतड़ितचितचोर २४॥ नीलकंचुकीवर्णन नीलकंचुकीमेंलसैतियकुचकीपरछांह कनकपत्रकोडांकज्योंदियाजमुर्रतमाह २५॥ अरुणकंचुकीवर्णन ॥ अरुणकंचुकीअरुनकुचमिलीजोतिसोंजोति कहोदुरायेक्योंदुरैनारंगीदुतिहोति २६ ॥ पीतकंचुकीवर्णन पीतकंचुकीपीतकीहियकीहरनिनिदान ज्योंसुरगिरिकेश्रृंगमेंआतपपरयोबिहान २७॥ हरीकंचुकीवर्णन हरीकंचुकीचुभिरहील-

सतधसतपरिधान मरकतकीसीसीभरथोकेसरिकोरंगजानि २८॥ जारीदारकंचुकीबर्णन ॥ जालरंध्रमगहवैकढ़ीतियकुचदीपतिजोतिज्योंझं झरीफानूसमेंदीपककीछबिहोति २६॥ हमेलबर्णन हीराजटितहमेल तियपहिरिचलीपियपास मनोंचक्रशशिपारयहकीन्हींचंगलबास ३०॥ मोतीमालाबर्णन॥कुचनबीचयोंझलमलैमुकतामालबिराज युगुलशैलकीसंधिज्योंसुरसरिसलिलसमाज ३१॥ चंद्रहारबर्णन ॥ चंद्रहारउरबालकेहरनहारहरहीय करनहारकुचकेलिकेऐसीलहैनपीय ३२॥ चंपकलीबर्णन॥ चंपकलीअवलीअलीलटकनिहृदयबिचार कुचनमध्यशोभाबनीमोहैजगसंसार ३३॥ पचलरीबर्णन॥ पहिरिपचलरीकनककीबनकबनीवरबाल तनकतनकधुनिसुनिपरैखनकन लागीमाल ३४॥ नगबर्णन हरितमणिननगजगमगैहरितकियाइन प्रान हरितकियोशोभितभईगोरेगलहिनिदान ३५॥ कंठसिरीबर्णन लसतकंठमणिजगमगैहैहियहरणिबिशेषि औरसबैश्रीहतभईकंठसिरीछबिदेषि३६॥कुमुदहारबर्णन कुमुदहारसुकुमारतनमनहरिलयो निदान बारिछांड़िआयोमिलनचंद्रमइत्रीजान ३७॥ मालतीहारबर्णन कुशलसिंहनिजकरगुहीपहिराईनन्दलाल रतनमालछबिरदभई निरखिमालतीमाल३८ कर्नफूलबर्णन॥करणफूलकामिनिकरन योराजतछबिअंग मनोचंदमिसिउदितभोभृगुगुरुएकहिसंग३९ करणफूलछबिजगमगैअमलकपोलनमाह मनोंमुकुरझांकतभईचंदकला परछांह ४०॥ तरेउनाबर्णन हरीहरीसारीढकयोलसततरेउनाकान कालिंदीजलझलमलैबिधुप्रतिबिंबसमान ४१॥ नथबर्णन मोतीठगनथफांसरीचलनहलनहियहूलमारिलियोसबजगतकोलाललालरीशूल ४२॥ लटकनबर्णन थरथरातलालचभरोअधरसुधाकेहेत स्वच्छमताबैरिनिभईलटकिलटकिजीलेत ४३बुलाकबर्णन अधरपनारीमिलसैमोतीजोतिअनूप ज्योंगुलाबकीपाखुरीओसकुंदकेरूप ४४ टीकाबर्णनचमचमातचूनीजड़ेउटीकोभामिनिभालभौमभवनआयोमि

लनभानुसुवनयहिकाल ४५ ॥ मांगमोतीबर्णन मिलिटीकोभरिमांगते मोतीलरछबिबीर मनोनीलगिरिशिखरतेबहतसुरसरीनीर ४६ ॥ सीसफूलबर्णन शीशफूलअनुकूलछबिछलकिछलकिसीजात कालिंदी केसलिलज्योंलहलहातजलजात ४७ ॥ शीशफूलशोभानिरखिगयोचंदहियहार मानोकज्जलशिखरपैधरयोदीपसोंबारि ४८ ॥ चोटीबर्णन बेनीमृगनैनीगुहीचोटीछोरलगाय झलमलातसारीढक्यौ बाहरछबिछहराइ ४६ ॥ सारीबर्णन ॥ सारीडारीशीशपरलसत किनारीकोर शरदचंदज्योंचांदनीतड़ितचमकचहुंओर ५० ॥ क० ॥ स्वेतसारीसोहतकिनारीदारजगमगी सारीसरीकोरनसों मोतिन कोसाजरी चंदशिरसरदकोमेघज्योंउमड़िआयोतड़ितसमेतकैधौं शोभामरजादरी चांदनीतरैयानैनमृगनकीपालकीपैचढ़िचलीशिवनाथसहितसमाजरी राकाकीसीमूरतिबिराजमानबालबरपाहुनीपरमआईशरदकेआजरी ५१ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांरसवृष्टिसन भूषणादिशोभावर्णनम्पंचदशमोरहस्यः १५ ॥

अथनवरसनिरूपणं ॥ दो० ॥ सुखसमूहदंपतिलहैंपरिपूरणरतिभाव रतिरसमैंनिजबुधिकहौं समुझतबढ़तसुभाव सोसिंगाररसहासरस रौद्रभयानकबीरऔबिभत्सअद्भुततथामयकरुणामतिधीर २ नव रसकोबहुभेदहैबिबिधिप्रकारबिचार सबकोकबिशिवनाथजूनायक हैश्रृंगार ३ श्यामबरणश्रृंगाररसश्यामहिकहियतईशबरणतकबि शिवनाथजूनायकबिनकोशीश ४ ॥ अथ श्रृंगाररसबर्णनम् ॥ दो० ॥ सुखसमूहदम्पतिलहैंपरपूरणरतिभाव सोसिंगाररसबर्णियेसुनत होइचितचाव ५ द्वैबिधिहैंश्रृंगाररसबरणतबुधजनलोग प्रथमहोतसंयोगहैबहुरोहोतबियोग ६ ॥ संयोगश्रृंगारबर्णन ॥ होतप्रेमप्रीत-

मप्रियहिउपजिपरतरतिरंग बिलसैसुखयुतहरषिहियभरोबिनो-
दनअङ्ग ७ ॥ स० ॥ पतिसंगरच्यौरतिरंगतियाबिथुरीअलकैं
ज्यों जगामिनिसीहै आननसीकरसीसरसीपरसीमधुपैअहिभामिनि
सीहै लोलबिलोचनलाड़भरेमदसोउनमत्तसुहागिनिसीहै नीरद
दैउरअस्थलसोंबरकामिनिचंचलदामिनिसीहै ८ ॥ बियोगसृंगारवर्णन
दो० ॥ पियबिछुरनकीपीरयहधरोंबीरकेहिठौर गईनींदद्युतिदेह
कीबरणातकबिशिरमौर ९ ॥ क० ॥ प्रीतमपयानोकैपयानोकीन्हों
प्राननहींआननभईहैजेबयौबनजरदसी अंगनमेंजुरैरीअंगगेहरी
रह्योनजाइदेहरीदहनमारिकीन्होंहैसरदसी करिकारेघरबनकी
घावनियुकनिधूपकरतकरेजेरेजेरेजेहवैदरदसी दामिनीलहक
लौकचुभिगईआंखिनमेंचौंकिचौंकिचीरिचीरिकाटतकरदसी १०॥
अन्यच्च ॥ स० ॥ जिनकेसंगकामकलाकरिकैहरिअङ्गनकोरसलूटि
लियो निशिबासरऔरकियोनकछूभरिनैननरूपपियूषपियो भुज
मेलिगरेमुखछुवाइअनेकबिनोदनमोदनमोललियो तिनकेबिछुरे
शिवनाथअजौंफटिकोटिकटूकभयोनहियो ११ ॥ यथानिद्रा ॥ कोटि
उपायकियेहुनआवतदूरिहितेअनुरागतिसीहै नींदहरीहरिलैगयो
संगकिधौंबिरहानिशिजागतिसीहै चितमेंचितवैचकचौंधतसीपल-
कैपलएकनलागतसीहै प्राणप्रियाबिछुरचोसजनीइननैननआगे
ह्वैभागतसीहै १२ ॥ अथहास्यरसवर्णनम् ॥ दो० ॥ बिहंसतलोचन
लोलमुखअधरकपोलनजोति उरउमगतिआनन्दभरिसोइहास्य
रसहोति १३ ॥ मुसक्यानिवर्णनम् ॥ मृदुमुसकीवाबालकीतीक्षणबि-
षमनिदान जौनअमीदायाकरैतौघालैयहप्रान १४ ॥ स० ॥
अधरानहिमेंमुसकीवहबालबिलोकतप्रातकोबारिजलाजै दन्तन
कीझलकीछबिनेकसोदाड़िमदामिनिकोमदभाजै माधुरतावरसै
शिवनाथसुधाधरसीपरसीछबिछाजै आनन्दकंदसपूरनचंदमनो
सुखरूपीबिनोदनसाजै १५॥ अथमन्दहास्यवर्णनम् ॥दो० ॥ मंदहास

वाबालकोदशननछविअनुकूल चमचमातचौकामनोछुटतफुलझ-रीफूल १६ ॥ क० ॥ हंसिहंसिब्यालख्यालकरतसखीनहूंसोझरि झरिपरतकेधौंमालतीकेफूलरी कंठलकलकीतीनौग्रामसेफिरत जातशब्दझनकारसोतौसुरअनुकूलरी चौकाकिचमकदेखितड़ित लजाइजाइघननदुराइरहीउठीउरशूलरी फुलझरीछुटतकैधौंछुट-तचितशिवनाथकुटतसीससौतैंजानिसुखनिरमूलरी १७ ॥ अन्यच्च ॥ लरिलरिढुरिढुरिझुकिझुकिरीझिरीझिआधे घेवरनकहतकिलकारी सो सुनतसोहातनेकोसमुझिपरतकैसो चुभकिचिबुकगाड़परतहहा रीसो खैंचिखैंचिपीतपटलचिलचिगातउरअम्बुयुतअम्बुकउमगि अरुणारीसो ढीलीढीलीभौंहनरसीलीछबिशिवनाथदैदैकरतारी प्यारी हंसगिरधारीसो १८॥ अथरौद्ररसबर्णनम् ॥ दो० ॥ परमक्रोधमें रौद्ररसबिग्रहहोइशरीर अरुणबरणबरणतसबैजेकोविदमतिधीर १६॥ क० ॥ कोपकरिबालावहभौंहनचढ़ाइबैठीकामकेशरासनकी त्राशछबिछीनीहैखंजमृगमीननकीकमलकुलीननकीहसनप्रवीनन कीगतिहरिलीनीहै सौतिनकोभागसेसोहागलूटोमानकरिरतिरण जीतीपतिमतियशकीनीहै मींजिमारयोबिरहजराइमारयोजात रूपकाटिमारयोकपटसोनागरिनवीनीहै २० ॥ अन्यच्च ॥ केशीकंस-बकासु रपूतनाकेप्राणलीन्हो अघासुरपैठिमुखबदनबिदारयोहै बानाबानएकहीपयानाकीन्होयमपुरजारिमारिअघकेतेअधमउधा रयोहै इन्द्रहूकेगर्बहिगलाइदीनोगिरधारीगजकोपुकारसुनिनक्र-हिंपछारयोहैकालीनाथब्रजनाथगोपीनाथशिवनाथबीरताबिदित चारयोवेदनपुकारयोहै २१ ॥ अथबीररसबर्णनम् ॥ दो० ॥ होइधी-रतावीररसउत्सवकविशिवनाथ तनदुतिरणगम्भीरतालोकलाज तनसाथ २२ ॥ क० ॥ कलमलातशायकनिषंगनिमेंअंगनिमें छलकिछलकिछबिपरैरघुबरकी शिवनाथचावचढ़ोआनन्दउमगि आयेझुमड़िझुमड़िझुकिझुकिझूमिझरकी भरकिभरकिउठैभौंहन

कीबंकताईतरकितरकिउठैतनीतनतरकी फरकिफरकिउठैभुजदंडकरिकरकरकिकरकिउठैकरीत्रखतरकी २३ ॥ युद्धवीर॥ छप्पय युद्धवीररघुबीरसुवनहयधरिमनमाष्यो चकितनीलसुग्रीवऋच्छपतिअतिभयभाष्यो पवनतनयलंकेशबालिसुतहियअभिलाष्यो अतिअगाधबिस्तारलवणसागरनिजनाष्यो मरुतमारुधरुधरुकरै लवकुशधरतनशंकहिय समरजीति चाख्यो सुरसभुवनचतुर्द्दश सुयशलिय २४ ॥ अथभयानकरसबर्णनम् ॥ दो० ॥ जहांभूमिभयहोत हैउरधरकततपरूप दुचिताशंकाकदरईकहतकविनकंभूप २५ ॥ ॥ क० ॥ सतसनाहपरैपाखरतुरंगनिपैगरजनिशानसुनिलरजनरेशहैं अरिनगरीननपरावनेपरतजातलंपटकुटिलचोरदुरेदेशदेशहैं धर्मराजयकयंकशेशहूकेसकपकबिधिहकबककईशचकित दिनेशहैं शिवनाथम्रगयाकोरामकेकुमारचलैंलोकपतिदिगपति शंकतसुरेशहैं २६ ॥ अन्यच्च ॥ धौंसाकीधधकसुनिधीरनधरतअरि नगरनगरभाजैबगरबगरके बधुनसमेतबनबनबनचारिभयेबगबगबागेलागेसोहतअगरके बेलिनसोउरझिउरझिचीरिचीरिजात कांकरीचुभतछरकंटकडगरके सिसिकीलैपतिसोकहतकुशलेशजूकेबैरकरिकैसेजलबसियेमगरके २७ ॥ यथा ॥ बनकीबरंगनासीवनबिहरतफिरैंपानीबिनपानबिनभागनिजगोवती कुशलनरेशजूकेबैरतेबेहालभईहाथनमलतजाततैननबिलोवती गिरिगिरिगारनमेंहारनझटकिटूटिमोतिनकीलरीछरहरैमहिजोवती छपिछपिलतामेंछपाकेरकीछबिछीनीझुकिझुकिझांकिझांकि बैरवधूरोवती २८ ॥ अथबिभत्सरसबर्णनम् ॥ दो० ॥कविशिवनाथबिभत्सरस नीलबरणद्युतिहोइ कालइष्टतेहिजानियेबरणतबुधजनसोइ २९॥ ॥छप्पै॥ धरतखड्गअतिक्रुद्धयुद्धअरिदलदहपट्यो धरमसतधरिधरनधरनधरतपन्नगफनफट्यो कहूंरुण्डकहुंमुण्डकहूंभुजचरणलपट्यो गीधकागमड़रातखातहर्षातसुभट्योसमरधीररघुबीरसुत

लत्थपत्थबरबीरकिय मुण्डमालउरधरनहितईशशीशभरिबरद लिय ३० ॥ अथअद्भुतरसबर्णन ॥ दो० ॥ होइअचेतोअतिजहांकर मानीशिवनाथ सोअद्भुतरसहोतहैबरणतबुधजनगाथ३१ ॥सं०॥ माखनदूधबचैघरमेंनहिंयौबनजाउतोधेनुचरावै जोयमुनातटजाउतोपैरतनंदपैजाउंतोगेदखेलावै यशुदापरद्वैनउरहनोजाउंपरे पलनाहरिलाड़लड़ावै देखिअंचभवहैसजनीसपनोयहसांचुकिमोहिंबतावै ३२ ॥ अन्यच्च ॥ हाथीछुड्योनहथ्यारनकेवलतारकातारककोनपठायो गिद्दजटाइनयज्ञकीगणिकाकबहीमनिकीर्त्तनहायो पूतनापानकबैचरणामृतयोगकबैशेवरीसरसायो लैसंगनावधनाभरिनीरसोईबलीरहि पानकरायो ३३॥ अथकरुणारसबर्णन ॥ दो०॥ होतशोकमयकरुणारसठरकिपरैद्दगनीर व्याकुलताउरशोचईकहत सुमतिकविधीर३४ ॥ क० ॥ यानचढ़िचलेकान्हघेरिलीन्होंब्रजबधुनभूषनबसननोतिछबिछहरातसी ढुरिढुरिनैननतटपकिपरतबुंदमुंदहिचलतकैौंबिरहबरातसी जौलौंरथरजकोप्रकाशदेखिदेखि रहीकुशठस्हिंध्वजाऔपताकाफहरातसी ओटपरिगयोप्राणगयो द्दगकोरलौबिरहपयोधिपरीबूड़ततरातसी ३५॥ अन्यच्च ॥बारेहीते कियोन्हंक्षरेहीजुरोसनेहआपिनीहीओरतेनिवारेउप्राणप्यारेको दूरितेअयोयाहीगोकुलकोजायोक्षीरहाथनपिआयोलैलैसांझऔ सकारे पाननखवायोअंगअंगनलगायोलोकलाजबिसरायोवैझ कैयारेद्वारेको चलतकीबारऐसीधरीनिठुराईबीरआखिरअहीर काबगरहमारेको ३६ ॥ अन्यच्च ॥ शोचहैनमाखनचोराइबेकोशिवनशोचहैननीरभरीगागरीकेढारेको शोचहैनदधिकेलुटाइबेको गनकोशोचहैनमेरीबीरचीरफारिडारेको शोचहैनमोतिनकीलरीक्षाइबेकोशोचहैनककाकिसोबालककेमारेको शोचहैनरूखीरूसांवरेकीबातनकोशोचहैसखीरीएकऔचकसिधारेको ३७॥ दुष्टरसबर्णनम्॥दो०एककहतअनुकूलहैकहतएकप्रतिकूल होतदुसंधी

रसतहांसकलरसनकोमूल ३८ ॥ स० ॥ गोरससोरसबेचतिहौ नहिं गोरससोरसबेंचनजाहीं गोरसलेहुउधारकरौनहिं सोरसदेउ धरोंपलमाहीं गोरसकीसोनसोरसदीहौंदीहौतौकहाघटिजाइगा काहीं गोरसचाहतहौमनमोहनगोरससोरसचाहतनाहीं ३९ ॥ अन्यच्च ॥ आईकहांतेकहापरितोहिजुजाहुकितैतिरछैककछुहेरो देहु जुदानदियोहममोहनक्योंबचिहौकरिहौकहिमेरो दधिबेंचनजैहौ घरैफिरिजैहौ कहाअठिलातहमैंजनिछेरो रंचकचीरफटैशिवनाथ ललाघरबारबिकाइगोतेरो ४० ॥ अन्यच्च ॥ देदधिदीन्हिोदेखावत लाकुटीकाछनियां तनियांतनहेरो हेरोकहूंबछरानकोजाइसोना- हककोबनितानकोघेरो घेरोकियोघरिचारिलौंमोहनमोतीअहार छुवोजनिमेरो मेरोकह्योकरिजाहुनतौलुटिजायगोसांवरगांवरतेरो ४१ ॥ अथकृष्णजीकोशांतरसबर्णनम् ॥ दो० ॥ और कछूनसोहाइय हएकहिरसअनुराग सोसमरसबरणतसुकबि उरउपजतबैराग ४२ ॥ स० ॥ दाड़िमदाखनऊखनभूखनमाखनचाखनकीबिस- राई कंदनखंदनगंअनबंधनचंदनचंपकिचंदनिभाई जोअधरामधु माधवचाखिलगीरदलालअमोलमिठाई तादिनतेदिनतेशिवनाथ उठाइउठाइधरीबसुधाकीसुधाई ४३ ॥ राधेजूकोशान्तरस ॥ क० ॥ जादिनतेपीरीसीपिछौरीओढ़ेदेख्योतुम्हैंतादिनतेबिनादेखेपीरीत नपरिगई अंगनिअंगीठीसीअंगारेनकीतपैताहिसखिनसोंबोलि चालिखेलिबोबिसरिगई लगोजकजकीबकबकीटकटकीलालमूर- तितिहारीप्यारीप्राणनमेंभरिगई असनबसनबासचंदनतेचंपकते चंद्रमातेचांदनीतेचौगुनकजरिगई ४४ ॥ अन्यच्च ॥ कामक्रोधलोभ मोहदंभनितभाषतहैंऔगुनकहानीकहैंचाखैषटरसको करैततबी- रथीरनेकनाधरतउरविषयकीवड़ाईकरिगावैनरयशको साधनते चरचानाकरैरीजातेहरैअघबोलतकुवाकबाकजाइपापबसको रस- नाहठीलीहठछोड़िशिवनाथकबि कबधौंपरैगोतोहिंरामनामचस-

को ४५ ॥ यथा ॥ क० ॥ मणिनकेमालश्रौबिशालहगखंजनसेभं-
जनपिनाकदुखगंजनजनकको कुंडलश्रमोलगोलबिहंसतकपोल
मोललेतमनचंदहूकोकंकनकनकको सियसुखकारीजाकोसेवतपु-
रारीऐसोभयोमदहारीश्रौबिहारीजनमनको एरीमतिबौरीकितधा
वतिभ्रमतिदौरीकिनगावैशिवनाथयशदशरथसुवनको ४६॥यथा ॥
क० ॥ नामतेनरककीधरकधरोउरमेंननामबिनजनमबिकाइगोन
सूकाको नामतेनेवाजेकेतेश्रधमकुशलसिंहनामबिनपछितातस्वा-
दमूकाको नामहीकेनौकाचढ़िनौबतिबजाइजनछनकमेंपारहोत
निडरडरूकाको सघनगहनकुंजपापकेपहारपुंजतूलसेजरतपरेश्र
गिनिकनूकाको ४७ ॥ यथा ॥ स० ॥ नामहिंतेगनिकागनिसाध-
नबाधनकाटिगईहरिधामहिं धामहिंधौलसुदामहिदैपठयोप्रभु
पासकोहाइकैबामहिं बामहिंगौतमकीगतिपाइभईशिवनाथसं-
पूरनकामहिं कामहिमामगयेदिनबीतिश्ररेमनमूढ़भजोहरिनाम-
हिं ४८ ॥ यथा ॥तातनभ्रातनपुत्रनबित्तनरहैतनयौवनरूपगुमा-
नमें राजनसाजसमाजकितेगजराजगयेपरिकालदहानमेंबागत-
ड़ागबिभूतिनबीरताधीरताधामनश्रावेकहानमें हरिनामचलैसंग
हीशिवनाथसोनेकीबदीरहिजातजहानमें ४९ ॥ दो० ॥ नवरस
बर्णनहौंकियो श्रपनीबुद्धिबिचारि भावभेदरसमोदकोबुधजनलेहु
सुधारि ५० ॥ बरणयोनायकनायका श्रपनीमतिश्रनुमान यहढी-
ठीशिवनाथकीक्षमियोसकलसुजान ५१ ॥ राधाराधारवनकेबर-
णोकछुकबिलास कियोग्रंथरसवृष्टिहै कबिजनकरौप्रकाश ५२ ॥
जोरसवृष्टिपढ़ैगुनैजानैनवरसरीति उपजैज्ञानबिबेकरसकृष्णच-
रणसोंप्रीति ५३ ॥

इतिश्रीशिरमौरकुशलसिंहबिरचितायांनवरस
बर्णनम्रसवृष्टिसमाप्तम्षोड़शोरहस्यः १६॥

नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
सभा विलास	राबिन्सन का इतिहास	लीलावती	मुहूर्त्त चिंतामणि स.
तुलसीशब्दार्थ	सीता हरण	पटवारियों की पु. ४ भा.	मुहूर्त्त मार्त्तण्ड स.
भजनावली	सती विलास		मुहूर्त्त दीपक
प्रेमरत्न	मुतफ़र्क़ात	ज्योतिष भाषा	बृहज्जातक सटीक
युगल विलास	शनैश्चर की कथा	जातकचन्द्रिका	जातकालंकार
चित्रचन्द्रिका	ज्ञान माला	जातकालंकार	जातकाभरण
बारहमासा बलदेवज़	गोपीचंद भरतरी	दैवज्ञाभरण	होरामकरंद
मनोहरलहरी	कथा श्री गंगाजी	ज्ञान स्वरोदय	संस्कृत उर्दू टीका
गंगालहरी	अवधयात्रा	रमलसार	सहित
यमुनालहरी	भरतरी गीत	इन्द्रजाल	मनुस्मृति
जगद्विनोद	दानलीला नागलीला	संस्कृत की पुस्तकें	विष्णुहारीत
शृंगार बत्तीसी	दोहावली रत्नावली	लघुकौमुदी	महिम्नस्तोत्र
पद्मावत	गोकर्णमाहात्म्य	सिद्धान्तचन्द्रिका	व्रतार्क
राग	श्री गोपाल सहस्रना.	अमरकोष तीनों कां.	याज्ञवल्क्यस्मृति
रागप्रकाश	कथा सत्यनारायण	सटीक	संस्कृत भाषा टी.
लावनी	हनुमान बाहुक	पंचमहायज्ञ	सहित
किस्सा वगैरह	जनकपच्चीसी	निर्णयसिन्धु	अमरकोष
नानार्थनौसमूहावली	हरिहर सगुण निर्गु	संग्रहशिरोमणि	याज्ञवल्क्यस्मृति
ब्रह्मसार	रा पदावली	भगवद्गीता सटीक	सन्ध्यापद्धति
शिवसिंह सरोज	बनयात्रा	दुर्गापाठ मूल	व्रतार्क
भक्तमाल	कायस्थवर्णनिर्णय	दुर्गापाठ सटीक	भगवद्गीता टी. ह. ब.
इन्द्रसभा	बिहार विंद्रावन	विष्णुभागवत	भगवद्गीता टी. श्री. गि.
विक्रमविलास	समरविहार विंद्रावन	अपराधभंजन स्तोत्र	गीतगोविंद
बैताल पच्चीसी	कल्पभाष्य	दुर्गास्तोत्र सटीक	कथा सत्यनारायण
पद्मावती खण्ड	दर्सी	कायस्थकुलभास्कर	परमार्थसार
शुकबहत्तरी	अक्षरावली	कायस्थधर्मनिरूपण	शार्ङ्गधर संहिता
बकावली सुमन	स्वयम्बोध	तथा छोटा	पाराशरी सटीक
चहारदरवेश	ज्ञान चालीसी	मथुरासभा	शीघ्रबोध सटीक
क़िस्सा हातमताई	दोहावली	तुलसी तत्त्वभास्कर	लघुजातक
अपूर्व कथा	बालाबोध	रामविवाहोत्सव	षट्पंचाशिका
क़िस्सा गुलसनोवर	विद्यार्थी की प्रथम पु.	ज्योतिष	सामुद्रिक
सहस्र रजनी चरित्र	किताब जंत्री	मुहूर्त्त गणपति	सौदागर लीला
सिंहासन बत्तीसी	गणित कामधेनु	मुहूर्त्तचक्र दीपिका	मनमोज चरित्र

नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
सरिश्तेतालीमकी	भाषातत्त्वदीपिका	आरण्यकाण्ड	ऐक्ट स्टाम्प दस्तावे-
पुस्तकें	भाषाचन्द्रोदय	किष्किन्धाकांड	जात सन् १८६९ ई०
संस्कृत	भूगोलतत्त्व	सुन्दरकांड	ऐक्ट ताल्लुक़दारान
ऋजुपाठ १ भाग	भूगोलदर्पण	लंकाकांड	मक़रूज़ अवध २४
तथा २ भाग	इतिहासतिमिरना-	उत्तरकांड	सन् १८७० ई०
तथा ३ भाग	शक १ भाग	गुटका १ भाग	ऐक्ट चौपायों का
धातुरूप	तथा २ भाग	तथा २ भाग	मदाख़िलत बेजा
नागरी कैथी	तथा ३ भाग	तथा ३ भाग	१ सन् १८७१ ई०
वर्णमाला कैथी १ भा	अवध देशीय भूगो-	हिदायतनामा मुदर्रि-	ऐक्ट मजमूआ ज़ा-
तथा २ भाग	इंगलिस्तान का इति-	सान्	बिता फ़ौजदारी
तथा कैथी फारसी	हास	पहाबबदत कैथी	१० सन् १८७२ ई०
नागरी	हितोपत्रिका	तथा क़बूलियत	ऐक्ट मालगुज़ारी
हरूफ़मुकर्रात	बालभूषण	रजिस्टर दाख़िल ख़ा-	मग़रबी व शिमाली
अक्षरारम्भ	पद्यसंग्रह	रिजतुलबामदर्सा	१९ सन् १८७३ ई०
वर्णप्रकाशिका १ भा	भाषाकाव्यसंग्रह	रजिस्टर हाज़िरी पाठ-	तरमीम मजमूआ
तथा २ भाग	कवित्तरत्नाकर १ भा	शाला	ज़ाबिता फ़ौजदारी
सूरजपुर की कहानी	तथा २ भाग	बीजगणित १ भाग	११ सन् १८७४ ई०
धर्मसिंह का वृत्तांत	मंगलकोश	तथा २ भाग	तक़ावी के क़ायदे
शिक्षावली	अंकप्रकाश	कानून कैथी	सवाल जवाब पु-
शिशुबोध	गणितप्रकाश १ भा	पटवारियों के क़ायदे	लिस
पत्रहितैषिणी	तथा २ भाग	उर्दू कैथी महाजनी टि-	अवध रुहेलखंड
पत्रदीपिका	तथा ३ भाग	कट के लाइसन्स का	रेलवे का दस्तूरुल
विद्याचक्र	तथा ४ भाग	ऐक्ट २ सन् १८७८ ई०	अमल
विद्यांकुर	गणितक्रिया	नागरी	ऐक्ट रजिस्टरी २० सन्
पदार्थ विद्यासार	क्षेत्रप्रकाश	इंडियन पिनल कोर्ट	१८६६ ई०
पदार्थ ज्ञान विटप	क्षेत्रचन्द्रिका १ भा	मजमूआ ज़ाबिता फ़ौ-	मजमूआ ऐक्ट अवध
भोजप्रबंधसार	सबील दायरा	जदारी ऐक्ट सन्	लगान १९ सन् १८६८
राजनीत	रेखागणित १ भा-	१८६१ ई०	ई० [illegible] सन्
भाषालघुव्याकरण	तथा २ भाग	ऐक्ट स्टाम्प १ सन्	१८६६ ई० वग़ैरह
१ भाग	रामायण तुलसीक-	१८६२ ई०	ऐक्ट लगान मग़रबी व
तथा २ भाग	बालकांड	ऐक्ट स्टाम्प अदालत	शिमाली १० सन् १८५९ ई०
पशुचिकित्सा	अयोध्याकांड	२६ सन् १८६१ ई०	इति